*August* 4, 1757. NUMB. 1493.

# The PENNSYLVANIA GAZETTE.

*Containing the Freshest Advices, Foreign and Domestick.*

## LIST of the Numbers that came up PRIZES in the *Reading* LOTTERY.

| No. | Ps. | No. | Ps. | No. | Ps. | No. | Ps. | No. | Ps. | No. | Ps. | No. | Ps. | No. | Ps. | No. | Ps. | No. | Ps. | No. | Ps. | No. | Ps. | No. | Ps. | No. | Ps. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 2 | 4 | 157 | 4 | 329 | 4 | 502 | 4 | 651 | 4 | 822 | 4 | 974 | 4 | 1122 | 4 | 1265 | 4 | 1451 | 4 | 1611 | 4 | 1759 | 4 | 1917 | 4 | 2050 | 4 | 2220 | 10 | 2403 | 4 | 2556 | 4 | 2702 | 4 | 2878 | 4 |
| 9 | 4 | 58 | 4 | 31 | 4 | 3 | 4 | 53 | 4 | 24 | 10 | 75 | 4 | 23 | 4 | 67 | 4 | 55 | 4 | 12 | 4 | 63 | 4 | 20 | 4 | 55 | 4 | 21 | 4 | 10 | 4 | 58 | 4 | 3 | 4 | 81 | 4 |
| 11 | 4 | 59 | 4 | 33 | 4 | 4 | 4 | 57 | 4 | 28 | 4 | 80 | 4 | 27 | 4 | 68 | 4 | 62 | 4 | 13 | 4 | 64 | 4 | 24 | 4 | 56 | 4 | 28 | 4 | 12 | 4 | 66 | 4 | 8 | 20 | 82 | 4 |
| 13 | 4 | 60 | 4 | 37 | 4 | 6 | 4 | 59 | 4 | 29 | 4 | 88 | 4 | 31 | 4 | 69 | 10 | 63 | 4 | 15 | 4 | 67 | 100 | 25 | 4 | 59 | 4 | 29 | 4 | 14 | 4 | 67 | 4 | 9 | 4 | 86 | 4 |
| 16 | 4 | [illegible] | | 39 | 4 | 11 | 10 | 61 | 4 | 31 | 4 | 89 | 4 | 34 | 4 | 78 | 4 | 64 | 4 | 16 | 4 | 68 | 4 | 30 | 10 | 63 | 4 | 30 | 4 | 20 | 4 | 68 | 4 | 10 | 4 | 87 | 4 |
| 24 | 4 | na | 4 | 41 | 20 | 15 | 4 | 67 | 4 | 35 | 30 | 90 | 4 | 35 | 4 | 79 | 4 | 65 | 4 | 22 | 4 | 72 | 10 | 31 | 4 | 66 | 4 | 31 | 20 | 22 | 4 | 69 | 4 | 11 | 10 | 90 | 4 |
| 26 | 4 | 71 | 4 | 47 | 4 | 16 | 4 | 74 | 4 | 38 | 4 | 93 | 4 | 36 | 4 | 80 | 4 | 67 | 4 | 26 | 4 | 81 | 4 | 32 | 4 | 70 | 4 | 32 | 4 | 26 | 4 | 70 | 4 | 14 | 4 | 98 | 4 |
| 28 | 4 | 77 | 4 | 53 | 4 | 19 | 4 | 75 | 4 | 39 | 4 | 95 | 4 | 40 | 4 | 81 | 4 | 73 | 4 | 27 | 4 | 83 | 4 | 37 | 4 | 74 | 4 | 39 | 4 | 27 | 4 | 71 | 4 | 18 | 4 | 99 | 4 |
| 29 | 4 | 78 | 4 | 55 | 4 | 22 | 4 | 77 | 4 | 41 | 4 | 96 | 4 | 46 | 29 | 94 | 4 | 75 | 10 | 28 | 4 | 88 | 4 | 45 | 4 | 79 | 4 | 47 | 4 | 32 | 20 | 72 | 4 | 22 | 4 | 2901 | 4 |
| 31 | 4 | 79 | 4 | 56 | 4 | 25 | 10 | 80 | 4 | 42 | 4 | 1005 | 4 | 48 | 4 | 95 | 4 | 80 | 4 | 29 | 4 | 91 | 4 | 51 | 4 | 80 | 10 | 55 | 4 | 34 | 4 | 74 | 4 | 25 | 4 | 8 | 4 |
| 36 | 4 | 81 | 4 | 61 | 4 | 27 | 4 | 81 | 4 | 44 | 4 | 8 | 4 | 49 | 4 | 96 | 4 | 81 | 4 | 30 | 4 | 94 | 4 | 52 | 4 | 82 | 4 | 56 | 4 | 37 | 4 | 75 | 4 | 27 | 4 | 10 | 4 |
| 37 | 4 | 88 | 4 | 65 | 4 | 28 | 4 | 82 | 4 | 50 | 4 | 9 | 4 | 51 | 4 | 99 | 4 | 84 | 4 | 31 | 4 | 95 | 4 | 54 | 4 | 85 | 4 | 62 | 4 | 41 | 4 | 76 | 4 | 30 | 4 | 13 | 4 |
| 42 | 4 | 92 | 4 | 75 | 4 | 30 | 20 | 84 | 4 | 51 | 20 | 10 | 4 | 52 | 4 | 1301 | 4 | 91 | 4 | 36 | 4 | 97 | 4 | 59 | 4 | 86 | 4 | 67 | 4 | 46 | 4 | 79 | 4 | 35 | 10 | 16 | 4 |
| 43 | 4 | 93 | 4 | 76 | 4 | 35 | 4 | 87 | 4 | 61 | 4 | 11 | 4 | 55 | 4 | 8 | 4 | 93 | 4 | 52 | 4 | 1803 | 4 | 61 | 10 | 93 | 4 | 69 | 4 | 47 | 4 | 81 | 4 | 39 | 4 | 18 | 4 |
| 44 | 4 | 96 | 4 | 84 | 4 | 38 | 4 | 91 | 4 | 67 | 4 | 15 | 4 | 61 | 4 | 14 | 4 | 95 | 4 | 53 | 4 | 8 | 4 | 62 | 4 | 98 | 4 | 71 | 4 | 49 | 4 | 82 | 20 | 40 | 4 | 19 | 4 |
| 45 | 4 | 204 | 4 | 85 | 4 | 44 | 4 | 93 | 4 | 68 | 10 | 19 | 30 | 67 | 4 | 15 | 4 | 96 | 4 | 57 | 4 | 12 | 4 | 66 | 10 | 2100 | 20 | 73 | 4 | 51 | 4 | 84 | 4 | 41 | 4 | 24 | 4 |
| 46 | 4 | 15 | 300 | 87 | 4 | 45 | 4 | 96 | 4 | 71 | 4 | 27 | 30 | 68 | 4 | 17 | 4 | 1501 | 4 | 59 | 4 | 15 | 4 | 71 | 4 | 1 | 4 | 74 | 4 | 52 | 4 | 85 | 4 | 46 | 4 | 25 | 4 |
| 47 | 4 | 17 | 4 | 88 | 4 | 46 | 4 | 702 | 4 | 72 | 4 | 31 | 4 | 69 | 4 | 20 | 4 | 3 | 4 | 67 | 4 | 22 | 4 | 72 | 4 | 4 | 4 | 76 | 4 | 54 | 4 | 91 | 4 | 51 | 4 | 27 | 4 |
| 48 | 4 | 18 | 4 | 90 | 4 | 50 | 4 | 5 | 4 | 77 | 4 | 32 | 4 | 74 | 4 | 27 | 4 | 4 | 4 | 69 | 4 | 28 | 4 | 74 | 4 | 6 | 4 | 77 | 4 | 56 | 4 | 93 | 4 | 54 | 4 | 31 | 4 |
| 52 | 4 | 23 | 4 | 93 | 4 | 53 | 4 | 10 | 4 | 78 | 4 | 33 | 4 | 75 | 4 | 38 | 4 | 5 | 4 | 70 | 4 | 30 | 10 | 75 | 4 | 8 | 4 | 79 | 4 | 57 | 50 | 94 | 4 | 64 | 10 | 32 | 4 |
| 54 | 4 | 26 | 4 | 99 | 4 | 58 | 4 | 18 | 4 | 80 | 4 | 35 | 4 | 76 | 10 | 43 | 4 | 8 | 4 | 71 | 4 | 40 | 10 | 76 | 4 | 12 | 4 | 80 | 4 | 60 | 4 | 99 | 4 | 69 | 4 | 37 | 4 |
| 56 | 4 | 27 | 4 | 402 | 4 | 60 | 4 | 20 | 4 | 81 | 4 | 36 | 4 | 77 | 4 | 58 | 4 | 13 | 4 | 72 | 30 | 45 | 4 | 80 | 4 | 18 | 4 | 84 | 4 | 62 | 4 | 2600 | 4 | 70 | 4 | 39 | 4 |
| 60 | 4 | 36 | 4 | 3 | 4 | 63 | 4 | 21 | 20 | 82 | 4 | 39 | 4 | 79 | 4 | 61 | 4 | 17 | 4 | 76 | 4 | 46 | 4 | 84 | 10 | 23 | 4 | 85 | 30 | 65 | 4 | 5 | 4 | 71 | 4 | 41 | 10 |
| 62 | 4 | 38 | 4 | 4 | 4 | 74 | 4 | 26 | 4 | 86 | 4 | 43 | 4 | 81 | 4 | 63 | 10 | 18 | 4 | 77 | 4 | 47 | 4 | 85 | 4 | 24 | 4 | 90 | 4 | 67 | 4 | 7 | 30 | 72 | 10 | 45 | 4 |
| 65 | 4 | 39 | 4 | 7 | 4 | 75 | 4 | 29 | 4 | 88 | 4 | 44 | 4 | 83 | 4 | 65 | 4 | 21 | 4 | 80 | 4 | 48 | 4 | 86 | 4 | 30 | 4 | 91 | 4 | 68 | 4 | 10 | 4 | 75 | 4 | 47 | 4 |
| 67 | 4 | 43 | 4 | 8 | 4 | 77 | 4 | 30 | 4 | 89 | 4 | 45 | 4 | 92 | 4 | 67 | 4 | 22 | 4 | 82 | 4 | 49 | 4 | 87 | 4 | 33 | 4 | 93 | 4 | 71 | 4 | 11 | 4 | 76 | 4 | 49 | 4 |
| 68 | 4 | 45 | 4 | 13 | 4 | 78 | 4 | 41 | 4 | 96 | 4 | 47 | 4 | 93 | 10 | 72 | 4 | 33 | 4 | 83 | 4 | 51 | 4 | 91 | 4 | 36 | 4 | 94 | 4 | 74 | 4 | 14 | 4 | 77 | 4 | 55 | 10 |
| 72 | 4 | 46 | 4 | 14 | 4 | 79 | 4 | 43 | 10 | 97 | 4 | 54 | 4 | 94 | 30 | 77 | 4 | 35 | 4 | 85 | 4 | 56 | 20 | 93 | 4 | 38 | 4 | 2300 | 4 | 75 | 4 | 22 | 4 | 80 | 4 | 61 | 4 |
| 78 | 4 | 53 | 4 | 20 | 4 | 80 | 4 | 49 | 4 | 902 | 4 | 55 | 4 | 98 | 4 | 79 | 4 | 39 | 4 | 93 | 4 | 58 | 4 | 94 | 10 | 40 | 4 | 10 | 4 | 76 | 4 | 23 | 4 | 88 | 4 | 63 | 4 |
| 79 | 4 | 58 | 4 | 26 | 4 | 81 | 4 | 55 | 4 | 3 | 4 | 59 | 4 | 1201 | 10 | 82 | 4 | 41 | 10 | 97 | 10 | 64 | 4 | 95 | 4 | 41 | 4 | 12 | 4 | 79 | 4 | 28 | 4 | 90 | 4 | 66 | 4 |
| 81 | 4 | 64 | 4 | 27 | 4 | 83 | 4 | 57 | 4 | 5 | 4 | 69 | 4 | 7 | 4 | 85 | 30 | 42 | 4 | 99 | 4 | 65 | 4 | 96 | 4 | 42 | 4 | 23 | 4 | 80 | 4 | 29 | 10 | 92 | 4 | 67 | 4 |
| 85 | 4 | 69 | 4 | 29 | 4 | 84 | 4 | 63 | 4 | 11 | 4 | 70 | 4 | 8 | 4 | 87 | 4 | 45 | 10 | 1700 | 4 | 66 | 4 | 99 | 4 | 45 | 4 | 28 | 4 | 81 | 4 | 31 | 4 | 94 | 4 | 69 | 4 |
| 89 | 4 | 72 | 4 | 33 | 4 | 89 | 4 | 65 | 4 | 14 | 4 | 72 | 4 | 9 | 4 | 89 | 4 | 47 | 4 | 2 | 4 | 68 | 4 | 2001 | 4 | 47 | 4 | 32 | 4 | 82 | 4 | 32 | 4 | 98 | 4 | 71 | 4 |
| 94 | 4 | 73 | 10 | 38 | 4 | 91 | 4 | 66 | 4 | 17 | 4 | 73 | 4 | 10 | 4 | 90 | 4 | 49 | 4 | 6 | 4 | 71 | 4 | 7 | 4 | 54 | 4 | 35 | 4 | 86 | 4 | 37 | 4 | 2804 | 4 | 72 | 20 |
| 98 | 4 | 75 | 4 | 39 | 4 | 92 | 4 | 68 | 4 | 21 | 4 | 79 | 10 | 12 | 4 | 93 | 4 | 53 | 4 | 9 | 4 | 72 | 4 | 13 | 4 | 56 | 4 | 43 | 4 | 88 | 4 | 38 | 4 | 6 | 4 | 74 | 4 |
| 100 | 4 | 77 | 4 | 41 | 4 | 96 | 10 | 71 | 4 | 22 | 4 | 85 | 4 | 15 | 400 | 96 | 4 | 54 | 4 | 12 | 4 | 73 | 20 | 15 | 10 | 57 | 4 | 45 | 4 | 93 | 4 | 39 | 4 | 7 | 4 | 81 | 4 |
| 2 | 4 | 80 | 4 | 47 | 4 | 98 | 4 | 73 | 4 | 28 | 4 | 86 | 10 | 20 | 4 | 1401 | 4 | 57 | 4 | 13 | 4 | 77 | 10 | 22 | 4 | 62 | 4 | 49 | 4 | 97 | 4 | 40 | 10 | 10 | 4 | 82 | 4 |
| 6 | 4 | 82 | 4 | 48 | 4 | 605 | 4 | 76 | 4 | 30 | 4 | 89 | 10 | 21 | 4 | 9 | 4 | 61 | 4 | 17 | 4 | 78 | 10 | 23 | 20 | 66 | 200 | 51 | 4 | 99 | 4 | 41 | 4 | 13 | 4 | 83 | 4 |
| 7 | 4 | 85 | 4 | 52 | 4 | 9 | 4 | 79 | 4 | 31 | 4 | 90 | 4 | 25 | 4 | 13 | 10 | 62 | 4 | 23 | 4 | 79 | 4 | 25 | 4 | 68 | 4 | 53 | 50 | 2500 | 4 | 43 | 10 | 18 | 4 | 85 | 4 |
| 15 | 4 | 86 | 4 | 53 | 4 | 13 | 4 | 80 | 4 | 32 | 4 | 92 | 4 | 29 | 4 | 14 | 4 | 63 | 4 | 25 | 4 | 83 | 4 | 27 | 4 | 69 | 4 | 55 | 10 | 1 | 4 | 53 | 4 | 19 | 4 | 86 | 4 |
| 16 | 4 | 87 | 4 | 55 | 4 | 16 | 4 | 81 | 4 | 33 | 4 | 97 | 4 | 31 | 4 | 18 | 4 | 64 | 4 | 27 | 4 | 87 | 4 | 32 | 4 | 71 | 4 | 56 | 4 | 4 | 4 | 63 | 4 | 23 | 4 | 90 | 4 |
| 17 | 4 | 88 | 20 | 56 | 4 | 19 | 4 | 82 | 4 | 35 | 4 | 99 | 4 | 34 | 4 | 19 | 4 | 67 | 4 | 33 | 4 | 91 | 4 | 33 | 4 | 72 | 4 | 62 | 4 | 14 | 20 | 72 | 10 | 25 | 10 | 92 | 4 |
| 18 | 4 | 90 | 4 | 60 | 4 | 24 | 4 | 87 | 4 | 38 | 4 | 1100 | 4 | 37 | 10 | 21 | 4 | 68 | 4 | 35 | 4 | 95 | 4 | 34 | 4 | 73 | 4 | 65 | 4 | 16 | 4 | 73 | 4 | 27 | 4 | 97 | 4 |
| 26 | 4 | 93 | 4 | 63 | 4 | 26 | 4 | 98 | 4 | 45 | 4 | 1 | 4 | 38 | 4 | 26 | 4 | 69 | 4 | 38 | 4 | 98 | 4 | 35 | 4 | 74 | 4 | 66 | 4 | 18 | 4 | 75 | 4 | 30 | 4 | 99 | 4 |
| 27 | 4 | 95 | 4 | 66 | 4 | 27 | 4 | 800 | 10 | 47 | 4 | 4 | 4 | 39 | 4 | 27 | 30 | 73 | 4 | 39 | 4 | 99 | 4 | 36 | 4 | 79 | 4 | 68 | 4 | 26 | 4 | 76 | 4 | 32 | 4 | | |
| 28 | 20 | 96 | 4 | 70 | 4 | 34 | 4 | 3 | 4 | 53 | 4 | 5 | 4 | 42 | 4 | 28 | 4 | 74 | 4 | 41 | 4 | 1901 | 4 | 39 | 4 | 81 | 4 | 76 | 4 | 28 | 4 | 79 | 4 | 33 | 4 | | |
| 29 | 4 | 98 | 4 | 75 | 4 | 36 | 4 | 4 | 4 | 54 | 4 | 7 | 4 | 45 | 4 | 29 | 4 | 80 | 4 | 47 | 4 | 3 | 4 | 40 | 4 | 97 | 4 | 77 | 4 | 30 | 4 | 80 | 4 | 34 | 4 | | |
| 30 | 4 | 303 | 4 | 80 | 4 | 37 | 4 | 5 | 4 | 55 | 4 | 9 | 10 | 49 | 4 | 32 | 4 | 94 | 4 | 50 | 4 | 5 | 4 | 42 | 4 | 2200 | 4 | 81 | 4 | 31 | 4 | 81 | 4 | 43 | 4 | | |
| 31 | 4 | 5 | 4 | 83 | 4 | 41 | 4 | 7 | 4 | 60 | 4 | 10 | 4 | 52 | 4 | 36 | 4 | 95 | 4 | 52 | 4 | 7 | 4 | 43 | 4 | 2 | 4 | 89 | 4 | 32 | 4 | 86 | 4 | 46 | 4 | | |
| 40 | 4 | 7 | 4 | 87 | 4 | 45 | 4 | 8 | 4 | 62 | 4 | 11 | 4 | 57 | 4 | 37 | 4 | 98 | 4 | 53 | 4 | 11 | 4 | 44 | 4 | 3 | 4 | 99 | 4 | 34 | 4 | 88 | 4 | 55 | 4 | | |
| 51 | 4 | 10 | 4 | 90 | 4 | 46 | 4 | 9 | 4 | 64 | 4 | 17 | 4 | 60 | 4 | 44 | 4 | 1600 | 4 | 55 | 4 | 13 | 4 | 45 | 10 | 6 | 4 | 2400 | 4 | 35 | 20 | 91 | 4 | 56 | 4 | | |
| 53 | 4 | 12 | 4 | 92 | 4 | 47 | 4 | 16 | 4 | 67 | 4 | 19 | 4 | 62 | 30 | 46 | 4 | 7 | 4 | 57 | 4 | 14 | 4 | 46 | 4 | 7 | 20 | 1 | 4 | 39 | 4 | 96 | 4 | 70 | 4 | | |
| 55 | 4 | 16 | 10 | 96 | 4 | 49 | 20 | 21 | 4 | 72 | 4 | 20 | 4 | 64 | 4 | 47 | 4 | 9 | 4 | 58 | 4 | 16 | 4 | 48 | 4 | 17 | 4 | 2 | 4 | 43 | 4 | 99 | 4 | 76 | 4 | | |

Number 2338 first drawn, 26 Pieces. Number 873 last drawn, 26 Pieces.

*Paris, April* 19. People begin to believe, that the grand Expedition with which the English have threatned us a long Time, is to make a Descent on the Isle Royal, with the View of making themselves Masters of Louisbourg, as they did in 1745; but from the present Condition of that Place, we are in no Fear of any Project of that Kind.

*Rochelle, April* 21. The Robuste of 24 Guns, and 74 Men, that sailed from Bourdeaux the 8th of last Month for Canada, with 150 foreign Volunteers, on the 13th fell in with an English Frigate, supposed to be of 36 Guns, and fought from Two in the Afternoon till Eight at Night, in which Time she had 14 killed, and 19 wounded, and her Sails and Rigging greatly damaged. The next Day, in the Evening, the Frigate attacked her again, when she lost 15 Men, and had 23 wounded, and being much shattered, would have put into some Port to refit, but on the 15th, at Day-Break, the same Frigate chased her again, came up with her about Eleven, engaged her a third Time with great Vigour, and shot away her Main and Mizen Masts, but at length, by a fortunate Shot, the Robuste carried away the Rudder of the English Frigate, and by that Means escaped. After sustaining these three different Attacks, having only her Foremast and Bowsprit left standing, she would have put into Rochelle to refit, but on the 17th she met with an English Privateer, with whom she exchanged some Shot, but received no Damage, and the next Day arrived here. The Crew compute, that in the three Engagements they fired 1300 Cannon Balls, and 15000 Musket Shot. The Chevalier de Caussade, who was going Passenger to Canada, was so desperately wounded, that he died Yesterday.

LONDON, April 19.

The Amsterdam Gazette informs us, that the Duke of Cumberland's going over to command the Army of Observation on the Frontiers of Hanover, is owing to the reiterated Instances of the King of Prussia.

By all Accounts the French Privateers now go in Fleets, so that we have need to keep a good Look-out;---but had we more Tartars and Captain Lockarts to command them, we should be able to curb their Pride and Insolence.

It is reported that the City of Dieppe (in France, situate on the British Channel, opposite the Port of Rye, in Sussex) is unpaved, in Expectation of a Bombardment, and that we have gained some Advantage over the French at Coromandel. The Duke of Orleans sets out this Week from Paris, for Westphalia; his Equipages are already gone.

By the last Accounts from Elsineur, we hear that Capt. Edward Wharff, of Boston, with Coals, was lost in the Scaw, and of 15 Hands on board, only the Capt. and six Men were saved; the rest were part frozen to Death, and part drowned; and there was no saving the Ship and Cargo.

Letters from Spain advise, that since the Change made in our late Ministry, frequent Conferences and Councils have been held; that the Court had ordered 30,000 Muskets, and a great number of Swords and Bayonets, to be made for the Recruits; that two Ships were launched at Ferrol, and that several others were on the Stocks.

Three Ships of a quite new Fabrick as to Timber, are setting up at Deptford, Woolwich, and Chatham-Yards, to carry 28 Guns each; and as the utmost Dispatch will be made, it is expected they will be launched in three or four Months.

The Lightfoot, Capt. Vane, from Virginia, taken by a Bayonne Privateer, has been retaken by the Duke of Bedford Privateer, and carried to Dublin.

The Antelope Privateer, Capt. Boyce, of London, has taken a Storeship from Bourdeaux bound to Cape-Breton, and sent her to Falmouth; and has also retaken a Ship from Carolina, bound to Cowes, and sent her to Lisbon.

Yesterday Morning the Mails in general, for the first Time, went guarded and armed from the General Post-Office.

By a Letter from Leipsic, dated April the 6th, we are informed, that on the Monday before, a Number of Saxon Grenadiers, who had Orders to separate into Parties, that they might be incorporated into the Prussian Regiments, suddenly mutinied, seized the Market-Place, and began to shout, *Long live the King of Poland!* This produced a great Deal of Confusion, but not much Bloodshed; the Prussian Officers acted with as much Coolness as if it had been a Fire, and taking the proper Steps to invest them, and cut off all Power of Retreat, before they began the Attack, quickly obliged them to submit, and having put a Dozen of the Ringleaders under a strong Guard, divided the rest, and put them off in separate Parties, agreeable to their former Orders, so that in a few Hours every Thing was as quiet as if nothing had happened.

*May* 14. They write from Hamburgh, that a little Pamphlet, written in High-Dutch, intituled, "A Letter "to a Great Statesman in Russia, from a Politician of a "lower Form," occasions much Discourse there. The Author undertakes to shew, that the present Grandeur of the Russian Empire arises chiefly from its steady Adherence, for a long Course of Years, to its old System; and that the Introduction of the new One must, sooner or later, be attended with Calamity and Confusion, as it is inconsistent with the Religious, destructive of the Political, and repugnant to the Commerical Interest of the Empire. This Piece is said to have been written with Spirit and Vivacity, and discovers at the same Time a perfect Knowledge, not only of the Views of that Court, but of most other Courts of Europe.

We hear that the Parliament will rise next Thursday se'nnight.

We hear the Bill has passed for the better Payment of Seamens Wages.

*Extract of a Letter from Captain George Mitchell, of Scarborough, in Yorkshire.*

"On the 6th Instant, between Beachy and Fairley, I met with a French Privateer of six Carriage Guns, besides Swivels, and about 60 or 70 Men, who boarded me upon the Larboard Quarter with 30 Men; but with brisk Firing I drove them off, with the Loss of one Man left dead behind, and three Cutlasses, two Pistols, and his flying Jib-Boom, with about 30 or 40 Fathom of Rope, a Cartouch-Box, and likewise his Grapplings. The Engagement lasted about three Quarters of an Hour. Though I had but one Gun, and a Dozen of Small-Arms, and but four to engage, we made the French fly. They began most terribly hot, but we soon cooled them. I am dangerously wounded, as is also one poor Boy."

*Extract of a Letter from Penzance.*

"The Elizabeth Brig, Williams, laden with Salt, from Cadiz, for Falmouth, was taken the 15th ult. in Lat. 41, 5. Long. 16. about 100 Leagues West of the Coast of Portugal, by a French Letter of Marque, and ransomed; and on the 21st, about 100 Leagues West of Cape Finisterre, she was bro't to by a French Privateer, called the Marquis, belonging to Bayonne, of 16 Carriage Guns, and 250 Men; who detained her 25 Hours, and took from the Men all their Books, Mathematical Instruments, Clothes, &c. and beating the Master, sent her away. About 6 o'Clock the

4th

4th Inſtant, about a Mile from the Lizard, ſhe was again brought to by a French Privateer, of 20 Guns, and 300 Men; but on her ſeeing a Fleet of Ships, with their Convoy, ſhe thought proper to ſheer off.

The Lime, ------, from Topſham, for Milford, was taken the 5th Inſtant, off the Mouſehole, in this Port, by a French Privateer Sloop, which Privateer is ſince taken by the Duke of Cornwall Privateer, of 32 Guns, and 200 Men, off the Land's End."

In ſeveral Avenues leading to ſome grand Aſſemblies, and one great Houſe in particular, were lately written, "A Houſe divided againſt itſelf cannot ſtand, neither can "a Caſtle ſtand upon a ſandy, or much worſe, Founda-"tion."

The ſeveral Letters in Town of the Increaſe of the French Privateers upon all our Coaſts are moſt ſhocking and alarming, and unleſs timely diſperſed muſt terminate in the Ruin of our Trade.

We hear that his Majeſty has diſburſed a conſiderable Sum out of his own Privy Purſe to carry on the War at this Juncture.

We hear that in the lower Parts of the Weſt of England, the Poor are obliged to eat Salt and Grains.

The Biddeford Man of War, arrived at Portſmouth, from Jamaica, has 300,000 l. on board.

*May* 19. The Phœnix Privateer has taken and carried into Jerſey, a Ship from Nantz to Granville, with Sugar and Brandy; alſo a Veſſel, with Timber, Oars and Roſin, bound to Breſt; and an Iriſh Veſſel, with Lead and Coals for France.

The Reine, Monier, from St. Domingo, is taken by a Privateer, and carried into Guernſey.

The Friendſhip, Allen, from London to Carmarthen, is retaken, and carried into Guernſey.

The Diligence Sloop of War has drove a ſmall French Privateer aſhore on the Coaſt of France, and deſtroyed her.

On Monday laſt an Order was ſent from the Admiralty to the ſeveral Yards belonging to his Majeſty, for the Artificers to work double Tides, for the greater Diſpatch in fitting out the ſeveral Men of War now in Commiſſion, and which are ſpeedily to put to Sea.

*St. Jago De La Vega, in Jamaica, May* 2.

Laſt wedneſday morning was brought into Old-Harbour, by a windward iſland privateeer, commanded by capt. Shewel, a French ſchooner, with a cargo on board worth 7000 l.

The ſame day, capt. Fleming's privateer, brought into Port-Royal, two French prizes, a ſloop and a ſnow,

*May* 21, Tueſday morning early arrived the honourable Thomas Coates, Eſq; rear admiral of the red, in his majeſty's ſhip the Malborough of 90 guns, together with the Hornet ſloop, and the fleet of merchantmen under his convoy, conſiſting of twenty-eight ſail.

The fleet ſailed from Spithead on the tenth of March, conſiſting of upwards of ninety ſail, for different ports, and the night following had a violent gale of wind, in which the New Elizabeth, captain Manly, for Barbados (on board of whom was a great number of paſſengers) was run down by an Indiaman, and every ſoul on board periſhed.

Admiral Coates has brought out the blue flag, for the honourable George Townſhend, Eſq; he being appointed vice admiral of the blue ſquadron of his majeſty's fleet, and on tueſday evening he hoiſted the blue flag at the fore-top-maſt head, on board the Edinburgh of 74 guns, being ſaluted by all the men of war in the harbour.

Early the ſame Morning, the Colours in this Town were lodged, an end being put to Martial-Law.

Yeſterday Morning ſailed, in his majeſty's Ship the Roebuck, of forty Guns, the Hon. Admiral Townſhend, for England.

*June* 4. On Sunday morning laſt the Fortune Hunter, capt. M'Kay, a ſmall privateer belonging to Kingſton, brought into Port-Royal a ſloop from Maryland, who had cleared for this port, but was bound to Monti-Chriſto, laden with proviſions, &c. in order, as 'tis ſuppoſed, to ſupply the French.

*Kingſton, June* 4. Tueſday Evening arrived at Port-Royal, Mr. Perrin Trott, late Surgeon's Mate of the Greenwich, from Cape-Francois. He eſcaped by breaking the Goal there, on the 18th ult. in Company with two other Gentlemen; they ſeized a Fiſhing Canoe on the Beach, in which they immediately embarked. Mr. Trott ſays, there were at the Cape, when they came away, one Frigate of 30 Guns, together with the Greenwich, which lay there as a Guard-ſhip, though more reſembling a Hulk, ſhe having loſt her Top-maſt, and moſt of her ſtanding Rigging, in the late Engagement, which began at 10 in the Morning, and laſted 'till 9 at Night; during which Engagement, the gallant Capt. Rhoddam was the whole Time upon Deck, notwithſtanding his being attacked by two 74, one 64, and one French Frigate of 36 Guns: The Enemy fired wholly at his Rigging, and as they fired high, he had only a few Men wounded; but the Greenwich killed and wounded many of the French. Capt. Rhoddam, we hear, will ſoon be ſent down to this Iſland. There has been a Duel between Mr. Perkins, late Captain of the Marines, and Mr. Wallace, late Third Lieutenant of the Greenwich, at Cape-Francois: The Gentlemen, to ſhew their Courage, agreed to fight with Piſtols, Toe to Toe; by which Reſolution, a Ball entered the lower Part of Capt. Perkins's Belly, which went through his Body; Mr. Wallace received another, which paſſed under the lower Rib, and went through his Body alſo: They were immediately conveyed to the French Hoſpital, but no Engliſhman was ſuffered to come near them; ſo we fear the Lives of thoſe brave young Officers, will be unfortunately loſt. There are upwards of 500 Engliſh Priſoners in that ſmall and moſt wretched deplorable Goal of Cape-Francois, and what with their cloſe Confinement, (not one being allowed the leaſt Privilege of walking out) together with other cruel Treatment, ſhort Allowance of bad Proviſions, and uncommon Barbarity to the Sick, render them Objects of the greateſt Pity and Compaſſion; and if ſome Method is not ſpeedily taken for their Relief, they will all inevitably periſh.

*Kingſton, June* 7. On Friday laſt arrived his Majeſty's ſhip the Lively, who accompanied Admiral Townſhend to the mouth of the Gulph, where they parted. In her return ſhe met with a French privateer of eight carriage guns, and 38 men, whom ſhe took, and brought into Port-Royal.

The next morning his Majeſty's ſhips the Edinburgh, Princeſs Mary and Shoreham, ſailed on a cruize.

The ſame day arrived the Lynn man of war of 40 guns, who brought in a French privateer of ten carriage guns, and 88 men, who was cruizing to windward of this Iſland.

*June* 21. There are private letters in town from London, which inform us, that Mr. Knowles, after an Examination of five days, before the houſe of commons, was honourably acquited of the ſcandalous aſperſions laid to his charge.

We are further credibly informed, that in conſideration of his many eminent ſervices, his majeſty has been pleaſed to create Mr. Knowles, a baron of the kingdom of Great Britain.

Yeſterday morning ſailed the Hon. Thomas Coates, Eſq; rear-admiral of the red, in his majeſty's ſhip Marlborough of 90 guns, together with the Dreadnought of 60, on a cruize.

*St. Jago De la Vega, June* 25. Capt. Hannau arrived here from London, was taken about 60 Leagues to the Weſtward of Scilly, by a French Veſſel carrying 36 Guns, but was ranſomed for 200 l.

When he arrived off Nevis, he was brought to by an Engliſh Privateer, the Captain of which informed him, that ſome Engliſh Priſoners arrived a few Days before at Nevis from Martinico, had made Oath, that there were ſeventeen French Men of War at that Place a little Time before they left it, and that ten of them had ſailed for Cape-Francois.

*BASSETTERRE*, in ST. KITTS, *June* 8.

On Sunday was brought in by the Pinfold, Capt. Edney, a Sloop bound for Coracoa from Guardaloupe, and laden with a ſuppoſed French Cargo of Sugar, Coffee, &c.

And on Monday was ſent in by Capt. Barzun, a retaken Sloop, bound from Piſcataqua.

A Snow with Prize Colours, is now coming in.

*June* 22. On Saturday Morning laſt, was brought into the Road of Baſſeterre, by the Privateer Sloop Frankland, Captain Smith, a French Prize Snow, of 4 Carriage Guns, and 21 Men, commanded by Capt. Le Bat, and bound for Bourdeaux from Guadaloupe. She was taken the Morning before, ſeven Leagues to Leeward of Guadaloupe, and has on board 316 Hogſheads, 10 Tierces, and 45 Barrels of Sugar; 21 Tierces and 5 Bags of Cotton; 36 Barrels of Coffee; 31 Bags of Ginger, and 200 lb. of Indigo.

On Monday Morning arrived a French Flag of Truce, with Priſoners from Guadaloupe.

The Ship Anſon, Capt. M'Taggart, which put in here on Monday Night, was attacked by two French Privateers, a Schooner and a Sloop, to the Windward of Antigua; but ſhe beat them both off, and there is ſome Reaſon to believe that the Sloop ſunk. The Captain of the Ship, and his Boatſwain were wounded.

*July* 2. Yeſterday Morning was brought into the Road of Baſſeterre, a Prize Sloop, laden with Sugar, Coffee, and Rum: She was bound from Martinico for Coracoa; and was taken on Sunday laſt, by Capt. Biſhop.

*Charles-Town (South-Carolina) June* 30.

We have the Pleaſure to acquaint the Publick, that a good Engineer (the great Want of which our Governor, as we hear, earneſtly repreſented to the Earl of Loudoun) is arrived here with the Forces, who has already taken a View of our Fortifications, and propoſed ſeveral additional Works, a Plan of which is laid before, and ſtrongly recommended to, the General Aſſembly; and we are aſſured that they have now the Means for executing the ſame (as well as ſeveral other Matters of great Weight and Importance to the Safety and Welfare of this Province) under Deliberation.

One of the Cawtaba's, who was taken Priſoner by the Shawaneſe laſt Winter, near Fort du Queſne, having made his Eſcape, returned to his Nation; and informing them that the Shawaneſe Warriors were all gone out to War when he left their Town, 100 of the Head Warriors of that Nation immediately (about 6 Weeks ago) ſet out, with him as their Guide, to ſurprize that Town.

On Sunday laſt the Fore-maſt of His Majeſty's Ship the Arundel was ſhivered all to Splinters by Lightning; as was alſo the Main-maſt of a Schooner that lay near her.

We have Advice, that the French, throughout their Weſt-India Iſlands, now lay up all their Merchant Ships as they arrive from Europe, except ſuch as are fit for Cruizers, which they fit out, having left off ſhipping any of their Produce but in Dutch Bottoms and dutchified Prizes; all which our good Friends and Allies get inſured in England. And that the Bermudians ſtill continue to carry their Veſſels to St. Euſtatia to ſell, where three, who were not long ſince here, are very lately gone for that Purpoſe.

We hear that Admiral Broderick is hourly expected (and wiſhed for) at Antigua, with 6 Ships of the Line, 4 Frigates, and a Bomb-Ketch, to relieve Mr. Frankland: And that Orders were arrived there to purchaſe two Bermuda Sloops, on the King's Account, to protect the Trade of that Iſland.

*July* 7. Laſt Friday ſailed on a Cruize His Majeſty's Ship the Garland, commanded by Captain Arbuthnot.

Laſt Sunday we heard from Fort Loudoun, that Captain Demere being informed of ſome Shawaneſe expected at Tilliquo (and perhaps ſuſpecting they were coming upon the old Buſineſs of ſeducing the Cherokees to the French Intereſt) had ſent out a Party from that Garriſon, with the Approbation of Old-Hop, and other Cherokee Head Wariors, to way-lay them, who accordingly fell in with 7, and killed and ſcalped three of them, but the other 4 got away.

On Monday Evening arrived in Town about 20 Headmen of thoſe Chickeſaws, who reſide upon a Branch of the Miſſiſippi, to ſee the Governor, and compliment him in the Name of the Nation; and were received by his Excellency with that Cordiality and Friendſhip which he is remarkable for having ſhewn to all Indians that have come to Town in his Time. It is ſaid that theſe Indians were extremely tender of putting the Province to any Charges that could be avoided, on their Journey through the Country; expreſſing a Senſibility that their Brothers the Engliſh were already at very great Expences to ſupply them with Ammunition, &c. and on Account of other Indians.

On Tueſday laſt, a French Privateer had the Inſolence to come in Sight of this Town, chaſed one of our Pilot-Boats in at the Swaſh Bar, and looked into the Road, where ſeveral outward bound Veſſels were lying; and afterwards gave Chace to a Schooner, ſuppoſed to be either the Blakeney, for New-York, or Mr. Mazyck's, for Santee, both which had ſailed from hence that Morning.

The ſame Evening a laudable Spirit diſcovered itſelf for ſetting on Foot a private Subſcription to fit out two Veſſels to go in Queſt of the above Privateer; and almoſt every Merchant in Charles-Town, with ſeveral Country Gentlemen, contributing thereto with remarkable Alacrity, by Nine o' Clock Yeſterday Morning a Sum more than ſufficient for the Purpoſe was ſubſcribed; when immediately two Veſſels were taken up; which being completely fitted by the Evening, this Day they ſailed over the Bar (although the Wind is at S. E.) upon a Cruize.---We muſt not forget to obſerve, how much we are obliged to Capt. Knight upon this Occaſion, who (having before offered it) as ſoon as he was informed that we really intended to ſend two Veſſels in Queſt of the Privateer, fitted out one of them compleatly himſelf from His Majeſty's Ship Arundel, whoſe want of a Fore-maſt kept her in Port.------ The Veſſels fitted out are, the Brig Thomas and Sarah, Capt. Stephen Judkin, manned with Volunteers, and a Detachment from Lieutenant-Colonel Boquet's Corps; and the Sloop Benjamin, manned with Seamen and Marines from his Majeſty's Ship Arundel, and commanded by Mr. Trehearne, firſt Lieutenant of the ſaid Ship.

*HALIFAX, July* 9.

Laſt Tueſday the three Regiments belonging to this Place, commanded by the Major Generals Hopſon, Warburton, and Laſcelles, were reviewed on the Parade by his Excellency Lord Loudoun, who, we hear, expreſſed his Satisfaction of their Performances.

Since our laſt arrived here his Majeſty's Ship Centurion, and upwards of 20 Sail of Tranſports.

This Morning early Admiral Holbourne, with about forty Sail of Men of War and Tranſports, arrived here, to the no ſmall Joy of every true Briton among us.

BOSTON, *July* 25.

By Veſſels from Halifax, we are informed, that all the Fleet from Cork, except 3 Tranſports, were arrived there, and were preparing with the utmoſt Diligence, to ſail on a ſecret Expedition.----That 12 Sail of Line of Battle Ships were in the Harbour of Louiſbourg.----That 32 Britiſh Men of War were in Halifax Harbour, 17 of which were of the Line.---And, That the Nightingale, of 20 Guns, with his Excellency THOMAS POWNALL, Eſq; on board, was to ſail for this Port the Day after the laſt Veſſel left Halifax, and is daily expected.

*NEW-YORK, Auguſt* 1.

Captain French arrived here on Monday laſt, in a Brig, from the Bay of Honduras, only half loaded, being obliged to throw Part of his Cargo overboard, to facilitate his Eſcape from a Number of Spaniſh Craft, who had cut off the New River, and made ſeveral of the Baymen Priſoners.

Wedneſday laſt Capt. Phineas Wright arrived here from St. Kitts, in a Letter of Marque Sloop, of ſix Carriage Guns, and 17 Men, and brought in with him the Ship Fanny, of Philadelphia, which he retook from a French Privateer Sloop the Friday Evening before, in Latitude 36: 45. Capt. Wright fired ſeveral Shot at the Privateer, which ſhe never returned, but ſtood on her Courſe.

A Sloop from Philadelphia arrived at Sandy-Point, in St. Kitts, the 7th of July.

Friday laſt Capt. John Scot Lawrence came up, in 11 Days from Tortola, and brings Advice, that a Snow belonging to Boſton, had been taken by a French Privateer about five Weeks ago, and ſent into St. Thomas's.

*Extract of a Letter from Albany, dated July* 25.

"Laſt Saturday Morning about Four o'Clock, our advanced Guards at Fort Edward were attacked by a Number of Indians, with Bows and Arrows, who killed 8 of our People before they were diſcovered; but a Party of Soldiers being ſent to their Aſſiſtance, the Enemy retreated into the Woods, keeping a conſtant Play with their Bows and Arrows, as alſo with their Fire-Arms, all the Time. Our People were very willing to follow the French, but were not permitted.---We had Eleven killed in the whole, eight of which were ſcalped, and ſeveral much wounded. This Account you may depend upon, as I had it from a Perſon who was in the latter Part of the Action.

"Capt. Maginis was ſent towards South-Bay laſt Week, and on his Way thither he diſcovered a Party of French and Indians, and would have ſurrounded, and very probably killed and taken the whole, had it not been for the Behaviour of ſome of our Indians who were with him, that ſhouted, and gave the Enemy Notice; notwithſtanding which he killed and ſcalped four, and ſent in the Scalps, and two of his People, who were wounded in the Engagement, to Fort-Edward, on Saturday laſt."

*Extract of a Letter from Charleſtown, in South-Carolina, dated July* 16, 1757.

"We are going very briſkly to Work upon our Fortifications, to which great Additions will be made: Fort Prince George, at Keowee, is alſo to be repaired and ſtrengthened, to which End a conſiderable Detachment of Soldiers are marched off.

"Our Agent from the Creeks is returned: But he can give us no poſitive Aſſurance of the Fidelity of the Creeks in general. The Chickeſaws ſay, we have but one Friend in the Creek Nation, which is the Wolf King. The late Attack upon ſome Shawaneſe from Fort Loudoun, at Teneſee, it is thought, will draw thoſe People from your, upon our Frontiers: If it does, I hope we ſhall diſtinguiſh ourſelves from the Pennſylvanians, that have ſuffered a populous Country to be made deſolate, by a Handful of thoſe treacherous Villains: However, I aſſure you, we do not deſire to ſee any of them.

"Our worthy Governor having been unſucceſsful in his Attempt to have our Militia better regulated (which indeed is the only Point he has yet failed in) has appointed an Adjutant-General, whom he pays a Salary out of his own Pocket.---He has alſo cauſed an exact Survey of our Harbour to be taken by the new Engineer.

"My laſt Letters from Georgia, dated the 10th, inform me, That Governor Ellis is indefatigable to promote the Good of the Colony, committed to his Charge, and by his wiſe and prudent Conduct, has well nigh quelled the Hydra Faction, which is likely ſoon to be totally ſubdued: That their Aſſembly were buſy in framing ſeveral good Laws, and have already paſſed one for Erecting Log-Forts in ſeveral different Diſtricts, the principal one at Savannah, and to be conſtructed under the immediate Direction of his Honour, and ſet about forthwith: They have alſo enabled him to keep Look-Outs on the Sea-Iſlands: The other Matters under their Deliberation, are, an Aſſylum-Act (which grants Protection to new Settlers for three Years) from foreign Debts; a Patrol-Act, one for a Watch, one for paying the public debt, one for licencing public Houſes, and one for preventing proviſions and Cattle being carried to St. Auguſtine, where great Quantities are amaſſing; and that the Creek Indians have driven our People from New-Hanover.

*** ACADEMY LOTTERY TICKETS Sold by D. HALL, at the *New-Printing-Office*.

*Extract of a Letter from a Gentleman at Fort William Henry, to his Friend in New-York, July 26, 1757.*

"I am ſorry that I have nothing better to relate to you than the following melancholy Affair, viz. Colonel John Parker, with three of his Captains, and ſix or ſeven Subalterns, with Captain Robert Maginis, Captain Jonathan Ogden, Lieutenants Campbell and Cotes, of the New-York Regiment, with about 350 Men, went out on the 21ſt Inſtant, in order to attack the advanced Guard at Ticonderoga by Water, in Whale and Bay Boats: They landed that Night on an Iſland, and ſent before Break of Day to the Main Land three Battoes, which the Enemy Way-laid, and took. Theſe Battoes were to land two Miles this Side; they being taken, gave the Enemy Intelligence of their Deſign of Landing. Our Men next Morning, at Day-break, made for ſaid Point, and the Enemy, who knew our Scheme, contrived, as a Decoy, to have three Battoes making for ſaid Point, which our People imagining to be the three Battoes ſent out the Evening before, eagerly put to the Land, where about 300 Men lay in Ambuſh, and from behind the Point came out 40 or 50 Canoes, Whale and Bay Boats, which ſurrounded them entirely, and cut off every one that was in the Circle. Colonel Parker and Captain Ogden, are the only two Officers that have eſcaped with Life, the latter much wounded in the Head. Capt. Maginis, and every one in the Boat with him, are killed; and not one Man left alive that were in the Bay-Boats. Captain Woodward being terribly wounded, jumped overboard, and was drowned. Capt. Shaw killed; Lieuts. Campbell and Cotes, of the New-York Regiment, they ſay for certain are killed; a Captain of the New-Jerſey Regiment is alſo killed, but have not yet learnt his Name. Upon the Whole, only Parker and Ogden eſcaped, with about 70 Men, all the Remainder, being about 280, are killed, or taken.

Since the foregoing, Colonel Glazier has received a Letter from a Serjeant belonging to Captain Maginis's Company, who ſays, that in the hotteſt of the Fire they forced their Battoe thro' the Enemy's Line, being favoured with the Smoak and Fog, and eſcaped with 6 or 7 more, that were alive with him in the Battoe, and landed on the Eaſt Side, where he luckily met with Captain Weſt from Fort-Edward, on a Scout; and as every Man made the beſt of his Way as ſoon as they landed, none but himſelf is yet come in ſafe.

*P. S.* What could the Enemy be doing there? They certainly were going on ſome great Deſign, by being there in ſo large a Body, as is judged 1000 Men at leaſt."

Saturday laſt fell down to the Watering-Place, in order to proceed on her Cruize, the Privateer Ship King William the Third, Capt. John Amory, Commander: She makes a Grand Appearance, mounts 20 Carriage Guns, and is juſtly eſteemed a very compleat Veſſel.

The Ship Oliver Cromwell, of fourteen 6 Pounders, John Nicoll, Commander, will alſo fall down to the Watering-Place in a few Days. And,

The Ship Sturdy-Beggar, of 24 ſix and nine Pounders, Robert Troup, Commander, is fitting out with all Expedition.

Lieutenant Van Vaghte, reported to be killed in a late Skirmiſh, happily got ſafe back to Fort William Henry the fourth Day after; fourteen of his Party are ſtill wanting.

PHILADELPHIA, Auguſt 4.

*A Liſt of the People that were killed by the Indians, and miſſing, in John Ciſney's Field, in Cumberland County, about ſeven Miles from Shippenſburgh, on the 18th of laſt Month.*

*Killed*, John Kirkpatrick, and Dennis Oneidon.

*Miſſing*, John Ciſney, and three little Boys, two of them his own Sons, the third John Kirkpatrick's.

Theſe unhappy People, it is ſaid, had refuſed to reap with ſome of their Neighbours, who had a Guard appointed them.

*The following Perſons were alſo killed by the Enemy in Joſeph Steenſon's Field, and carried off from it, on the 20th ult. about ten Miles from Shippenſburgh.*

*Killed*, Joſeph Mitchell, James Mitchell, William Mitchell, John Finlay, Robert Steenſon, Andrew Enſlow, John Wiley, Allan Henderſon, and William Gibſon.

*Carried off*, Jane M'Cammon, Mary Minor, Janet Harper, and a Son of John Finlay's.

One Indian only was killed, ſaid to be a Captain over Twenty.

In this Field we hear above twenty of the Reapers had their Arms with them, and thought themſelves ſtrong enough to reap ſeparate from a Company that had a Guard appointed them in that Neighbourhood; but that after their Reaping was over, they unadviſedly ſat down to reſt them about 40 Perches from their Guns, without a Watch, ſo were ſurprized, and fired upon from different Quarters, when moſt of them immediately fled, inſtead of running to their Pieces, and defending themſelves, though intreated to do ſo by Joſeph Mitchell.

One brave young Man, named Mitchell, fired at, and killed, an Indian, who, with another, was carrying off a young Woman. The young Woman eſcaped, but Mitchell was killed by a Shot, while he was loading his Gun a ſecond time.

The Number of Indians thought to be about twenty, tho' five or ſix only were ſeen. They carried off with them about twenty good Horſes, which the Reapers had incloſed at a ſmall Diſtance. The Soldiers, being diſperſed in ſmall-Parties along the Frontier, could not be collected in time to purſue them.

In a Letter from Fort Johnſon, dated July 21, it is ſaid that that Fort was like to have been taken on the 13th of that Month in the following Manner, viz. That as ſome Negroe Wenches were milking the Cows at Night, they were ſeen by the Enemy, who propoſed to ruſh into the Place when the Gate was opened to let them in, and by that Means to have ſurprized the Garriſon, which they had almoſt effected; for as ſoon as the Negroes knocked, the Sergeant immediately opened the Gate for them, and had but juſt ſhut it, when nine or ten of the Enemy came up to it; upon which the Centries challenged, and fired ſome Shot at, them, which was returned for ſome Time, but without any Execution on either Side: That then the Firing ceaſed for a while, but began again, when the Cannon of the Fort was fired to alarm the Country; and upon this the People got all to their Arms, and were ready to come to the Aſſiſtance of the Garriſon; which being obſerved by the Enemy, they thought proper to retreat: That ſince this Affair happened three People have been killed, and nine carried off from the Mohawk River; and at Lake George ſeveral killed and taken: That three of the Garriſon were chaced, on the Twentieth of laſt Month, by three French Indians, in Sight of the Fort; and that Sir William Johnſon had ordered out a Party of Mohawks after them, but they could not come up with them: That Sir William had received Advice from the Six Nations, that there was a large Army of French and Indians coming, by the Way of Oſwego, to the Mohawk River; at the ſame Time begging that he would ſend a Body of Men to join them (the Six Nations) in order to give them Battle, before they come on the Frontiers: And that he (Sir William) intends to march the Militia of the County, which, with the Six Nations, will make a conſiderable Army.

From Reading, in Berks County, there is Advice, that Indians have been ſeen ſeveral times within five Miles of that Town: That ſome white Men, that belong to a Party of Indians now on the Frontiers, have been in the Town, and lodged in it: And that one Man in particular, who, with two other white Men, and an Indian, carried off a Lad, that made his Eſcape from them, while they and four more Indians were drunk, is mentioned in the Lad's Affidavit to have loſt the Sight of one Eye, and to be much Pock-pitted; that Man ſlept lately in Reading, and has been frequently among the Inhabitants.

On Monday Morning laſt Fifty Men ſet out from Cumrie, and other Townſhips, near Reading, on a Range, in Expectation of bringing in ſome Indian Scalps.

By the Revenge, Captain Brice, from Providence, we learn, that Captain Beak, in a Privateer of that Place, had brought in there two French Sugar Ships, one of 400, the other of 250 Tons, ſaid to be very valuable. He had been out but ſixteen Days, and met with them, and two other Ships, off the Weſt End of Cuba, and would have taken them all, if he had had Hands to man them.

We hear from Halifax, that Captain Aſh's Brig, one of the Tranſports from this Port, had been picked out of the Fleet, as a good going Veſſel, for ſome particular Service; and that ſhe was to have ſix Nine Pounders put on board her, and to carry Fifty Hands; but where bound was not known.

On Saturday laſt the Rebecca, Captain Edwards, arrived here from Carthagena. In Latitude 32 he was chaced by a French Privateer Sloop for ſome time, but, going well, he got clear of her.

The Privateer Ship Spry, Captain Bayard, is now lying in the Stream, and will fall down in two or three Days, on a Cruize againſt His Majeſty's Enemies.

On Monday next the GENERAL ASSEMBLY of this Province meets here.

*** Moſt of the Truſtees of the ACADEMY being at preſent out of Town, and particularly *two* of the *five* Managers, who are abſent on Buſineſs of the greateſt Importance to the Province, the *Drawing of the* LOTTERY could not poſſibly be begun agreeable to the Notifications in this Paper, and therefore it is *poſtponed* to *Wedneſday*, the 17th Inſtant, when the Public may depend on its being punctually drawn, without any further Delay.

*Price Current of the following Goods in Philadelphia.*

Flour 11s. 9d. Wheat 3s. 9d. Indian Corn 1s. 8d. Ship Bread 15s. 6d. Middling Ditto 21s. Beef 50s. Pork from 60 to 65s. Pipe Staves 5l. 15s. Barrel Ditto 45s. Hogſhead Ditto 67s. 6d. Madeira Wine 40l. Weſt-India Rum 3s. 3d. New-England Ditto 2s. 11d. Pennſylvania Ditto 2s. 11d. Muſcovado Sugar from 40 to 55s. Melaſſes 2s. 7d. Salt 2s. 4d. to 2s. 8d. Tobacco from 10 to 25s. Pennſylvania Loaf Sugar 1s. Powder 11l. Hemp 5d. Farthing. Bohea Tea 6s. 6d. Pitch 15s. Tar 10s. Turpentine 15s.

CUSTOM-HOUSE, *Philadelphia*, INWARD ENTRIES.

Sloop Ann, Nathaniel Mitchell, from Bermuda.
---------Betty and Peggy, John Trott, from Ditto.
---------Dove, George Robinſon, from Ditto.
---------Mary, Richard Cole, from Rhode-Iſland.
---------Joanna, Thomas Pearman, from Jamaica.
---------St. Andrew, William Simpſon, from Ditto.
---------Polly, John Powntney, from New-York.
Brig Peggy, James Miller, from Jamaica.
-----Margery, Peter Spence, from Ditto.
-----Sally, Richard Taylor, from Ditto.
------Rebecca, Lewis Edwards, from Carthagena.
Schooner Good-Intent, Thomas Lake, from Jamaica.
----------Mulberry, Charles Dingee, from New-York.
----------Elizabeth, Jabez Bulkley, from Boſton.
----------Speedwell, William Rogers, from S. Carolina.
Snow Delight, John Somers, from Briſtol.
-------Recovery, John Reid, from Rhode-Iſland.

OUTWARDS.

Brig Grace, John Richey, for Barbados.
--------Peggy, James Miller, for Jamaica.
Ship Swan, Charles Slezer, for Belfaſt.
Schooner Betſey, Robert Shewbart, for New Providence.
Sloop Three Siſters, Benjamin Bill, for Ditto.
------Brothers, Henry Styles, for Antigua.
------Mary, Richard Cole, for Rhode-Iſland.
------Patty, James Haydon, for Halifax.

CLEARED.

Snow Hopſon, George Elliot, to Halifax.
---------Charming Martha, Jonah Blackburn, to Ditto.
---------Hannah, James Cunningham, to Dublin.
Schooner Dolphin, William Morton, to Boſton.
----------Succeſs, John Howell, to New-Providence.
Sloop Three Siſters, Benjamin Bill, to Ditto.
-------Cockſpur, Francis Goffe, to Georgia.
-------Margaret, Hugh Bowes, to Barbados.
-------Martha and Miriam, John Waide, to New-York.
Ship Betty Sally, Edward Snead, to Newfoundland.
------Marlborough, Daniel Joy, to Jamaica.
Brig Sally, Malachy Baker, to Ditto.

*Now fitting out, and will ſail in ten Days, for the Protection of the Trade of this Province,*

The SHIP
PENNSYLVANIA FRIGATE,
JOHN SIBBALD,
Commander;

A fine Veſſel, about nine Months old, a prime Sailer, and mounts 26 Guns, Nine and Twelve Pounders, to carry 150 Men. Thoſe inclined to enter on board ſaid Ship, may ſee the Articles at Mr. M'Intire's, at the Sign of the Ship Pennſylvania, the Corner of Pewter-Platter-Alley, in Front-ſtreet.

SAMUEL *and* SAMUEL PURVIANCE,

BEING removed from Water-ſtreet to Front-ſtreet, have opened a Store a few Doors above the Draw-bridge, directly oppoſite Jonathan and John Mifflin's Store, and have to ſell, imported in the laſt Ships from London, Briſtol and Ireland, A Variety of European and India Goods, ſuitable for the Seaſon, for ready Money, or the uſual Credit. Alſo Rum, Sugar, Melaſſes, Nails, &c, &c.

¶

*Juſt publiſhed, and to be ſold at the New-Printing-Office,* (*Price* Nine pence)

AN ABRIDGMENT of Mr. *Hopkins's* HISTORICAL MEMOIRS, relating to the *Houſatunnuk* or *Stockbridge Indians*; giving an Account of the Methods uſed, and the Pains taken, to civilize and propagate the Goſpel among that Tribe, who have ever ſince continued ſteady Friends to the *Engliſh*, and all laſt War covered a large Part of *New-England*; ſo that while other Parts of that Province and *Connecticut* ſuffered greatly from the Inroads of the *French Indians*, by Means of theſe, *Stockbridge*, *Sheffield*, *New-Marlborough*, and *Number-One*, tho' the moſt expoſed, were not moleſted.---Alſo a particular Account of the Boarding-ſchool begun by Mr. *Segeant*; the Fame of which ſpread ſo far among the *Indians*, and was ſo highly approved by them, that the *French*, in order to prevent their *Indians* from ſending their Children to it, were obliged to erect one in Imitation of it at *Canada*: Alſo the Encouragement this met with in *England*, &c.---- A Piece worthy of being recommended to the Publick, particularly at this Juncture, as it ſeems to point out the beſt Method of treating the *Indians*, gaining and ſecuring them to our Intereſt, and making them our laſting and ſincere Friends.

*Juſt publiſhed, and to be ſold at the* New-Printing-Office, *in* Market-ſtreet, (Price One Shilling)

MINUTES of CONFERENCES, held with the *INDIANS* at *Harris's Ferry* and *Lancaſter*, in *March*, *April* and *May*, 1757. Alſo,

*Juſt publiſhed, and to be ſold at the New-Printing-Office, in Market-ſtreet (Price 6d.) the two following Laws, viz.*

AN ACT *for ſtriking the Sum of* Fifty-five Thouſand Pounds, *the Remainder of the Sum of* One Hundred Thouſand Pounds *granted by this Aſſembly to the King's Uſe; and for making the ſame current within this Province. And*

*An* ACT *impowering the Governor to diſcharge his Part of the Operations of this Campaign, ſtipulated in Behalf of this Province, between his Excellency* John *Earl of* Loudoun, *and the Governors of the Southern Colonies.*

*Philadelphia, April 25, 1757.*

PROPOSALS for Printing by Subſcription,

EIGHTEEN Sermons, adapted to the preſent dangerous and diſtreſſing Circumſtances of our Country and Nation; lately preached in the City of Philadelphia by the Reverend *Gilbert Tennent* upon the following important Subjects, viz.

*Man's Diſeaſe*, in a Diſcourſe upon original Sin, from Rom 5. 12. wherein the Point is largely handled, and Objections againſt it anſwered.

*The Remedy ſet forth*, in a Sermon upon the Wiſdom of God, in the Redemption of Man by Jeſus Chriſt, from 1 Cor. 1. 23, 24.

*Early Religion recommended*, in two Sermons to young People and Children, from Prov. 8. 17.

*The Nature and Neceſſity of Converſion, explained and urged*; by a great Variety of expoſtulatory Arguments, together with a Repreſentation of the Attainments Perſons may have, without this gracious Change, and Directions how to obtain it; and likewiſe the indiſpenſable Neceſſity of a general Reformation of Manners, to ſave our Country and Nation from impending Ruin, demonſtrated; from Ezek. 33. 11. in ten Sermons.

*The amazing Riches of the Grace of Chriſt; together with the Nature and Importance of Faith in him, and the Evil and Danger of its contrary, Unbelief*; repreſented in a Sermon from Rev. 22. 17.

*God's gracious Invitation to Backſliders*; or *the Nature, Kinds, Cauſes, and Conſequences of Backſliding in Religion*, conſidered, in a Sermon from Jer. 3. 22.

*The Backſlider's Return to his firſt Huſband*, in a Sermon from Hoſ. 2. 6, 7. wherein the gracious Deſign of God in Afflictions, the Evidences of their Sanctification, and likewiſe of Eſpouſals to Chriſt, and his Character as a Huſband, are conſidered, and the Happineſs of Nearneſs to him ſet in Contraſt with the Miſeries of his Abſence.

*Pious and magnanimous Singularity*, in a Sermon from Matt. 5. 46, 47. ſhewing wherein, and why, religious People ſhould exceed others.

The aforeſaid Sermons, computed to contain 35 Sheets, or 560 Pages, are to be printed in a good Character, of a middling Size, and neatly bound in Calf-ſkin, gilt and lettered, Octavo large; the Price of each Volume is Seven Shillings and Sixpence, Pennſylvania Currency; one Half of which is to be paid at the Time of Subſcription, and the other when the Books are delivered. Every Subſcriber for ſix or more Books, ſhall have one gratis. The Subſcribers Names to be printed in the Volume, which is now ready for the Preſs, and will be immediately begun, and finiſhed with all Expedition, as ſoon as 500 Books are ſubſcribed for.

*Auguſt 4.* As many Subſcriptions have come to hand, ſo that the Manuſcript will ſoon be put into the Preſs, it is therefore deſired, that ſuch who have received Subſcriptions, or are inclined to encourage this Deſign, would be pleaſed to tranſmit them to the Author with all convenient Speed, that they be not diſappointed in the Impreſſion. ¶

To be SOLD,

A NEGROE Man, about thirty Years of Age, has had the Small-pox, was bred to Country Buſineſs, and particularly to driving a Team, which he can do extraordinary well. Enquire at the New-Printing Office. ⊕

*Philadelphia, Auguſt 4, 1757.*

BY Virtue of a Writ to me directed, on Monday, the 15th Day of Auguſt inſtant, about Three a Clock in the Afternoon, at the Houſe of Richard Hughes, in Lower Merion, will be expoſed to Sale, by publick Vendue, 100 Acres of Land, ſituated in Lower Merion aforeſaid, adjoining Land of Robert Jones; late the Eſtate of Abraham Muſgrove, ſeized and taken in Execution by JAMES COULTAS, Sheriff.

*Philadelphia, Auguſt 4, 1757.*

*TO be ſold on Tueſday, the Ninth Inſtant, at the Dwelling-houſe of John Richey, in Arch-ſtreet, oppoſite to the Quakers Burying Ground, Variety of Houſhold Furniture, conſiſting of Chairs, Tables, Pictures, Looking-glaſſes, Beds and Bedſteads; a new Eight Day Clock, with all Sorts of Kitchen Furniture, which may be viewed from this Time to the Day of Sale.*

*N. B. All Perſons are forbid from truſting Mary Richey his Wife, as he will pay no Debts by her contracted after the Date hereof. And all Perſons who have any Demands againſt ſaid John Richey, are deſired to bring in their Accounts to him, that they may be adjuſted.* ⊕

*Prince Town, July 29, 1757.*

To be SOLD,

*By the Subſcriber, on Monday, the 22d Day of Auguſt next, at publick Vendue, to the higheſt Bidder;*

*THE Houſe in which Mr. Boudinot now dwells in Princetown, ſtanding very near to the College; together with a Kitchen, Smoak houſe, Stable, and other Out houſes. The Dwelling-houſe is two Stories high, and has two commodious Rooms and a large Entry on the lower Floor, and three good Rooms above, with a good Cellar under the whole, very convenient for a Tavern, or other publick Buſineſs. If any Perſon ſhould be inclinable to purchaſe the Premiſes before the abovementioned Day, Application may be made to the ſaid Subſcriber, who is able to give an indiſputable Title.*

⊕ *AARON BURR.*

GOOD Cartridge Paper and Paſteboard for Bookbinders to be ſold at the Poſt-Office.

*Philadelphia, July 29, 1757.*

Now fitting out for a Cruize againſt His Majeſty's Enemies, and will ſail in ten Days,

The SHIP
*SPRY*,
SAMUEL BAYARD
Commander;

Mounts 20 Carriage, and 20 Swivel Guns, and to carry 150 Men. All Gentlemen Sailors, and others, who are inclined to enter on board, may ſee the Articles at *George Hawkins*'s, in *Front-ſtreet*.

---

NOTICE *is hereby given, that the Goods, Rights and Credits of Charles M'Ilwanan are attached, he having abſconded from his uſual Place of Abode, and not paid his juſt Debts: Theſe are therefore to require all his Creditors to appear before me the Eleventh Day of Auguſt next, about Twelve a Clock, in New London, in Cheſter County, with their Bonds, Bills, and Book Accounts, that Diſtribution may be made as the Law directs. Given under my Hand July 2, 1757.* JOHN SCOTT. ¶

---

*Philadelphia, Auguſt 4. 1757.*

TO be ſold by publick Vendue, on the 12th of this inſtant Auguſt, at the late Dwelling houſe of Sarah Bowyer deceaſed, Sundry Sorts of Houſhold Goods; where Attendance will be given by THOMAS SAY, and ESTHER BOYD, Execut.

*N. B. The Sale to begin at Ten a Clock.* ¶

---

*Lancaſter, July 20, 1757.*

*THIS Day was committed to Goal one William Walker, who was formerly a Servant to Matthew Rippy, but ran away from him, and inliſted, and it is ſuppoſed he has deſerted from Captain Stuart's Company, in Colonel Waſhington's Regiment. If any Officer has any Demands againſt him, he is deſired to come and pay his Charges, within the Space of five Weeks, or elſe he will be delivered to his former Maſter.*

¶ DANIEL DARBY, Goaler.

---

*STRAYED or ſtolen from the Subſcriber, on the 26th of June laſt, living in Leacock Townſhip, Lancaſter County, a large bay Mare, nine Years old, was hoppled with a Hair Rope, paces a little, ſhod before, her mane trimmed, has a ſhort Tail, ſome Saddle marks, and branded 8 on the near Buttock, with a Scar on one of her Thighs by the Bite of a Dog, a little above the Ham. Whoever takes up ſaid Mare, and ſecures her, ſo that the Owner may have her again, ſhall have Twenty Shillings Reward, and reaſonable Charges, paid by me*

§ JOHN COOPER.

---

## *To be SOLD, or LETT,*

*A PLANTATION in Paſſyunk Townſhip, three Miles from Town, containing about 50 Acres of Land, 16 Acres of which is drained mowable Meadow, with a good Bank round it, and joining Hollanders Creek. The whole being under good Fence, and divided into different Paſtures. There are on ſaid Place two Dwelling houſes, with a Well very convenient to each, two Barns, a Stable, Cow houſe, &c. a Flower Garden, a large Kitchen Garden, with a great many Fruit Trees of various Sorts, and a young bearing Orchard. Alſo a Parcel of Cows, Horſes, &c. and a great Variety of Uteniils, neceſſary for a Plantation. For Terms, enquire of Joſeph Simi, below the Drawbridge.*

Philadelphia, Auguſt 4. 1757. ¶

---

CAME to the Plantation of Joſeph Lochlan, in Lower Dublin Townſhip, Philadelphia County, about the 24th of June laſt, a bay Mare, about fourteen Hands high. The Owner is deſired to deſcribe her other Marks, pay Charges, and take her away. JOSEPH LOCHLAN. §

---

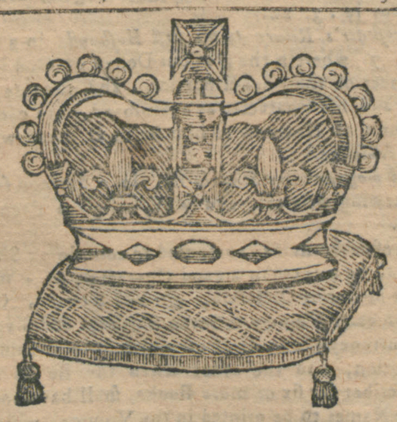

Juſt imported in the Snow Delight from Briſtol, and the laſt Veſſels from London, and to be ſold

*At* WHITE's *Upholſtry Warehouſe*,

At the Crown and Cuſhion, facing the Coffee-Houſe, in Front-ſtreet, Philadelphia;

TICKLINGBURGS, 3 qr. yard wide, 7 eights, and yard and 3 eights cotton and linen checks, Furniture ditto, Flanders ticks, 6 qr. and 7 qr. ſpotted rugs, flowered and horſe hair patterns for chair ſeats, girth web, diaper wove, ordinary ditto, green, blue, yellow and red covered ſilk Bed Orris, ordinary ditto, pins, pretties, tapes, quality, bobbing, brown, white and ſorted Threads; a variety of paper hangings, muſkets with bayonets, hangers, braſs ſconces, chamber bells, bell cranks, bolts and pullies, ſhoemakers knives, cloak pins, curtain rings, ſmall ditto for pull up curtains, tent hooks and Eyes, lignumvitæ caſtors for bedſteads, 2d. cut nails, 14 ounce tacks, thread lines for window curtains, &c. &c.

Likewiſe all Kinds of Upholſterers Work are done after the neweſt Faſhions, as in London, and at the loweſt Prices. Alſo Drums of all Sorts (made to the King's Standard) Colours, Standards, Halberts, Spantoons, Enſign Staves, &c. Alſo Tents and Marquees, Belles des Armes, Trench Tents, Horſemens Ditto, Field Bedſteads, Tables, Stools, Valeeces, Havre Sacks, Napſacks, Cartouch-boxes, Matraſſes made of Hair, and all Kinds of Field Equipage.

N. B. He will bottom Chairs for Joiners, and take their Work for Pay. Tbc. 3 Mo. ⊕

---

DESERTED from the Firſt Pennſylvania Regiment, the following Soldiers, belonging to Capt. Work's Company, viz. John Baſtick, born in Philadelphia, 26 Years of Age, five Feet ſeven Inches high, wears brown Hair, fair Complexion, ſpeaks loud and faſt, writes a good Hand, and has a Counterfeit Diſcharge with him.

Abraham Freehold, born in Ireland, 30 Years of Age, five Feet five Inches high, wears ſhort black Hair, one of his Shoulders is higher than the other.

Richard Mercer, born in Ireland, 25 Years of Age, five Feet ſeven Inches high, much marked with the Small-pox, wears ſhort brown Hair, and ſpeaks ſlow.

Whoever apprehends ſaid Deſerters, and brings them to any Officer of the aboveſaid Regiment, ſhall have a Piſtole Reward for each, and reaſonable Charges, paid by

⊙ PATRICK WORK.

---

NOTICE is hereby given, that WALTER SHEE, in Front-ſtreet, at the corner of Cheſtnut-ſtreet, in Philadelphia, hath opened an office for the inſurance of ſhips and merchandize. All perſons who want to have inſurance made, may apply at ſaid office, where Riſks will be underwrote. Tbc 6 M.

---

*Philadelphia, June 16, 1757.*

*RUN away on the 4th Inſtant, from Thomas Riche, of this City, a Negroe Man, named Chriſtmas, a very likely Fellow, five Feet four Inches high, or thereabouts: Had on when he went away, a blue Broadcloth Coat, very ſhort, lined with white, Check or Ozenbrigs Shirt and Trowſers, no Shoes, Stockings, or Hat; his Teeth were filed, and can ſcarce ſpeak Engliſh. Whoever takes up and ſecures ſaid Negroe, ſo as his Maſter may have him again, ſhall have Forty Shillings Reward, and reaſonable Charges, paid by*

¶ THOMAS RICHE.

---

To be ſold by EDWARD SHIPPEN, of Lancaſter, the following Lots of Land, &c. for one Half in hand, and the other Half to be paid in twelve Months Time, without Intereſt,

A 50 Feet Bank and Water Lot, on Society Hill, near Captain Woodrop's Stores and Wharff.

A Lot of 26 Feet and a Quarter, on the Hill, between Branſon's Brick Houſe and Captain Lake's Brick Houſe, on the Eaſt Side of Front-ſtreet, ſundry Lots, near Dr. Roan's Houſe, on the Weſt Side of Front-ſtreet, and a Groundrent Lot of 18 Feet and a Quarter, adjoining to ſaid Dr. Roan's Brick Houſe.

Sundry Lots in Lombard-ſtreet, near the New market.

Four Lots of 26 Feet and three Quarters each, lying together in Fourth ſtreet, below Harrington's, extending 396 Feet, to Fifth ſtreet.

A ſmall Stone Houſe, one Story high, with a Chaiſe Houſe behind it, on a 20 Feet Lot, near Mr. Willing's Houſe, in Third-ſtreet.

117 Feet of Ground Front on Cedar-ſtreet, and about 300 feet, near Mr. Emlen's Brick Houſe and Gardens.

15 Acres of good Swamp Meadow Ground, within good Banks, on Hollanders Creek, adjoining to Mr. Valentine Stanley's and Dr. Shippen's Meadow.

Four Lots of 20 Feet and a Half by 198 Feet deep, on Vine-ſtreet.

A Stone Houſe, 20 Feet by 18, on German Square, one Story high, with 60 or 80 Acres of Upland, both cleared and wooded, and 8 Acres of cleared Meadow Ground, with a conſtant Stream of Water running through the Meadow.

Two eleven Acre Lots, with Orchards and Meadowing, and Buildings, on Groundrent, near Mr. Renſhaw's, in the Northern Liberties.

Enquire of Edward Shippen junior, and Dr. William Shippen, in Philadelphia. ⊕ Tbc 12 W.

---

To be ſold by

CORNELIUS BRADFORD, Pewterer,

At the ſign of the Diſh, in Second-ſtreet, oppoſite the ſign of the George, wholeſale or retail, at the moſt reaſonable rates, all ſorts of pewter ware, viz.

DISHES and plates of all ſizes, baſons, tankards, quart and pint mugs, porringers, tea-pots, ſugar-pots, cullenders, bed-pans, ſtool-pans, half-pint and gill tumblers, wine meaſures, ſalt-ſellers, ſpoons, milk pots, pint and half-pint dram-bottles, ſlop-bowls, and all ſorts of other pewter.

Said Bradford makes the beſt of pewter or block-tin worms, of all ſizes, for diſtilling, as ſhall be ordered, as alſo cranes for hogſheads or bottles, candle molds of different ſizes. All perſons may have pewter mended at a reaſonable price, and ready money given for old pewter, or exchanged for new. Tbc. 3 M.

---

Juſt imported in the laſt veſſels from London and Liverpool, and to be ſold by

*WHARTON and STORY*,

At their ſtore in Front-ſtreet, near Walnut-ſtreet, and oppoſite Mr. John Reynell's,

BLUE, drab and cloth colour'd ſuper and ſuperfine broadcloths, frizes, bearſkins, drab plains, red, blue and cloth coloured half thicks, ſuperfine ratinet and ſhaloons, brown buckrams, black, blue and cloth coloured knit patterns for breeches, ſcarlet, blue, black and cloth coloured camblets, calimancoes, durants and tammies, fine hair grazets, ſilverets, Dreſden and Venetian poplin, worſted damaſks, florets, ſtarrets, chiverets and croſs bar ſtuffs, calicoes, peniaſcoes, ſtriped bengals, dyſcokſoys, ozenbrigs, ticklenburg, Ruſſia and Iriſh ſheeting, Ruſſia towelling, diaper, princes and dowlas linen, garlix, 7 eights and yd. wd. Iriſh linen, long and piſtol lawn, cambricks and clear lawns in pieces and patches, muſlin, variety of 3 qr. 7-eights, yard, and yd. & 3 eights wide cotton and linen checks, cotton hollands, half and 3 qr. ell mantuas, black, ſtraw and cloth coloured china taffeties, perſian taffeties, black, blue, red and white ſewing ſilk, light and cloth coloured ditto, blue, red, green, coloured and whited brown threads, fine Scots threads, broad and narrow holland and diaper tape, bobbin, white lace and edging, black lace and gauſe, plain and figured ribbons, ſilk and cotton laces, broad and narrow quality binding, ſcarlet Turkey, ſtriped and lettered garnering, plain and bordered bandannoes, gauſe, lungee, new romal and cherconnees handkerchiefs, 3 qr. and 7-eights Scots handkerchiefs, ivory and horn combs, long and ſhort pipes, primmers and hornbooks, ſuperfine long poſt and fools cap writing paper, Holman's ink-powder, wafers, playing cards, mace, cinnamon, cloves, nutmegs, pins, ſewing and darning needles, variety of poliſh'd ſteel, copper and white metal ſhoe and knee buckles, white and yellow round and flat coat and veſt metal buttons, Kempſon's gold pattern and glaſs ſleeve buttons, braſs, iron and braſs ball candleſticks, poliſhed and engraved handles and eſcutcheons, buck and bone table knives and forks, Hoof's piſtol capt knives, cutting ditto, Barlow and Gold's beſt penknives, ſeal end and braſs handle ditto, buck and bone butchers knives, taylors ſhears, Vigo, Ward and Mercers ſciſſers, razors, men and womens braſs and ſteel thimbles, jews harps, knitting-needles, variety of ſnuff boxes, frying-pans, handſaws, carpenters hammers, broad axes, augers chiſſels, gouges, files, 6, 7 and 8 inch braſs locks, braſs nob ditto, double ſpring cheſt locks, common ditto, cupboard and ſplinter ditto, ſhoemakers knives, braſs inkpots, ſpectacles, with or without caſes, box handle marking-irons, plate bolts, drawing-knives, horn lanthorns, brimſtone, allom, chalk, beſt Engliſh glue, grindſtones, Engliſh quills, tea, coffee, chocolate, loaf and muſcovado ſugar, with cordage, and an aſſortment of ſhip chandlery. Tbctf.

---

STOLEN, the 8th of this inſtant July, from the ſubſcriber living in Martix townſhip, Lancaſter county, a cheſtnut coloured horſe, 5 years old, about 13 hands high, has a whitiſh mane and tail, his buttocks inclining to a grey, paces, and is branded on the near ſhoulder M, and on the near buttock G. He was ſtolen out of a ſtable, and with him a plain hunting ſaddle, with a leather houſing, pretty much worn, alſo an old ſnaffle bridle. Whoever ſecures ſaid horſe, ſo that the owner may have him again, ſhall have Fifteen Shillings reward, and reaſonable charges, paid by JOHN LOWMAN. §

---

To be LETT,

THE Houſe in Cheſtnut-ſtreet, near the State-Houſe, where his Excellency JOHN TINKER, Eſq; lately dwelt; together with the Garden, Coach houſe, Stables, &c. very ſuitable and commodious for a private Gentleman. Enquire of John Roſs, in Second-ſtreet. Tbc 3 M. ¶59.

---

WALTER FYSON, who lived formerly at *Sculwell*, near *Barnwell*, or *New-Market*, that was a Farmer, and afterwards followed the Trade of a Woolcomber; if he be living, and will direct a Letter to *Samuel Berry*, *Briſtol*, he may hear of an Eſtate that is fallen to him of the Value of TWENTY-SEVEN THOUSAND POUNDS STERLING. Any Perſon that can give Notice of the Place of his Reſidence to *Samuel Berry*, ſhall receive a Reward of ONE HUNDRED POUNDS STERLING: or any Perſon that can prove him to have been alive within five Years, or of his Death, ſhall receive TWO HUNDRED POUNDS STERLING of SAMUEL BERRY.

---

*Philadelphia, July 19 1757.*

*BY Virtue of a Writ to me directed, on Wedneſday, the 17th Day of Auguſt next, at 3 o' Clock in the Afternoon, on the Premiſes, will be expoſed to Sale, by publick Vendue, a certain Meſſuage, Plantation, and 118 Acres of Land, ſituate in the Northern Liberties, well improved, with good Meadow and Orcharding, and the moſt extenſive Proſpect near Philadelphia, bounded by Schuylkil and Land of Marcus Gorret, William Palmer, and John Renſhaw, and rents at preſent for Thirty Pounds per Annum; a road leading from Garrigues's Ferry to Germantown runs through it, as alſo a fine Run of Water, and good Springs; late the Eſtate of George Palmer, ſeized and taken in Execution by* JAMES COULTAS, Sheriff.

---

Juſt imported from London and Liverpool, by

GEORGE BRYAN,

And to be ſold by him, very reaſonably for ready money or ſhort credit, at his ſtore in Front-ſtreet, upper ſide, between Market and Mulberry-ſtreets, viz.

IRiſh linens yd. wd. 7 8ths and 3 qr. brown dowlas, 7/8ths wide, huk-back towels, checks, cotton and linen of all the uſual widths, cotton hollands, printed, pencilled and china work'd cottons china blue printed linens, Scots chequered handkerchiefs, blue and white, ſilk handkerchiefs, gauze ditto, ſoldiers ſhirts made up, fine ruffled ditto and cravats, ſuperfine diaper table-cloths, broad-cloths, frizes, German ſerges, druggets, everlaſtings, worſted damaſks, cambets, camblettees for beds, ſtriped ditto, brilliants, willtons for mens clothes, carpets, Norwich crape, plads, ſilverets florettas, tobines, calimancoes, with other ſtuffs, cardinals of ſcarlet cloth, womens ſcarlet cloaks, ſhaloons, thread lace, paper ſnuff-boxes of various ſhapes, enamelled ditto, glaſs necklaces, Pinchbeck ware, white metal ditto, ſtone ſet buckles and buttons, enamelled ditto, ſuperfine cork-ſcrews, ribbons, paper hats, viz. ſattin paper, black ditto, and white, furniſhed with ribbons, Leather gloves, worſted hoſe, waiſtcoats and breeches, worſted caps, brown thread ſtockings, gartering, mohair and buttons; ſilks Engliſh and India, flowered modes for cardinals, &c. Engliſh damaſks, perſians, coloured ſattins, ducapes, India perduſoys, black, ſtriped and brocaded; flowered damaſks, ſtriped ditto, taffeties, India cambrick muſlins, book ditto, ſtriped ditto, India demities, ditto ſuperfine, India fans, ſundry japanned ware, as tables, waiters and ink-ſtands, caſes of knives, forks and ſpoons, carving knives, ſhades and popes, ſuited with hats, clear lawns. A parcel of cordage, ſuitable for a veſſel of 50 feet keel, from the cable to the ſpunyarn and marling, ſail-cloth of all numbers.

---

STrayed from the Subſcriber, the 18th of Jan June, a dark brown Horſe, about 5 years old, between 14 and 15 Hands high, has a ſwitch Tail, but neither Brand nor Ear-mark, no Shoes on his Feet; under one of his fore Feet, juſt below his Foot-lock, there is a large Scar, by which he may be well known; he is a clumſey looking Creature, has chiefly been uſed to the Plough and Draught. Whoever takes up the ſaid Horſe, and brings him to me, ſhall receive Twenty Shillings Reward from

EDWARD EVANS.

---

STRAYED from Charles Jenkins's Paſture, near the City of Philadelphia, about three Weeks ago, a black Mare, about five Years old, a ſmall Star in her Forehead, a hanging Mane, no Brand Mark. Whoever brings her to ſaid Charles Jenkins, at the Sign of the Conеſtoga Waggon, in Market ſtreet, ſhall receive Twenty Shillings Reward, and reaſonable Charges, from

*July 13, 1757.* ¶ CHARLES JENKINS.

---

Juſt imported in the Royal American, Capt. Tillet, from London, and to be ſold cheap, for Caſh or ſhort Credit, by

JAMES STEVENSON,

At the Corner of Second and Walnut-ſtreets,

A LARGE Aſſortment of ſcarlet, blue and Cloth coloured fine, ſuper and ſuperfine Broadcloths, Rattinets, Shaloons, Saggathies, and other Goods. ¶

---

Juſt imported from Liverpool, and to be ſold by

*William* and *David M'Ilvaine*,

At their Store in Front-ſtreet, near the Corner of Walnut-ſtreet,

A CHOICE Aſſortment of Check Linens; alſo 7-8ths and 4 qr. Iriſh Linens, Engliſh Ozenbrigs, Engliſh bottled Beer, Sail-cloth, Engliſh Cordage, blue and white Flint Ware in Crates, alſo yellow Ware, with a Variety of Table Linen; which they will ſell very cheap for ready money. ¶ 2 Mo.

---

A PERSON who underſtands buying and ſelling of Cattle, and grazing and fattening the ſame, and who alſo underſtands farming, capable of undertaking the Charge of the aforeſaid Buſineſs as an Overſeer, by applying to *Bartholemew Yemeſſe*, in Philadelphia, near the Drawbridge, will meet with proper Encouragement, on his being well recommended. § 6 We.

---

STRAYED or ſtolen out of the Paſture of Jacob Stowler, Miller, living in Warwick Townſhip, Lancaſter County, near Jacob Hubar's Iron-Forge, on the 8th of July inſt. a black Horſe, near 15 Hands high, paces, has Saddle ſpots, and is branded on the near Shoulder G, and on the near Buttock R within a Circle. Whoever brings ſaid Horſe to his Owner, or gives Notice where he may have him again, ſhall have Forty Shillings Reward, and reaſonable Charges, paid by JACOB STOWLER. ¶

---

To be SOLD, or LETT,

A CONVENIENT Dwelling houſe, Kitchen, and other Out-houſes, and a Tan-yard, with the Tan-houſe, Mill and Pits all new, and in good Order, fit for carrying on the Buſineſs, with very good Conveniency of Water, and may ſuit a Tanner or Shoemaker, or both, ſituated at Dover in Kent County, on Delaware. Any Perſon inclining to purchaſe or rent the ſame, may apply to the Subſcriber, living on the Premiſes, or to Mr. John Murray, near the Drawbridge, in Philadelphia. ¶ WILLIAM WALKER.

---

WANTED,

TWO or Three ENGLISH MINERS, that can be recommended as capable honeſt Men, will be informed where to meet with Employ in a Lead Mine (and have ready Cash for their Work) by applying to the Printers hereof. § 5 We.

---

*ALL Perſons indebted to the Eſtate of ARENT DE PEYSTER, deceaſed, are required to make ſpeedy Payment: And thoſe who have any Demands againſt ſaid Eſtate, are deſired to bring in their Accounts, that they may be adjuſted and paid by PAUL KRIPNER, and SAMUEL SHOEMAKER, Executors.*

*T. b. c. t. f.*

---

[ *See the Half-ſheet for the other Advertiſements.* ]

*August* 11, 1757. NUMB. 1494.

# The PENNSYLVANIA GAZETTE.

*Containing the Freshest Advices, Foreign and Domestick.*

To the Publishers of the PENNSYLVANIA GAZETTE.

GENTLEMEN,

*At the Delivery of the following Charge, the Author finding it would be tedious to give written Copies of it to several of his Friends who were pleased to request them, and particularly the young Gentlemen for whose Use it was more immediately written, gave his Promise to publish it with the first convenient Opportunity thro' the Channel of your Gazette. This Promise, some other Engagements prevented his fulfilling till now, for which he stands in Need of an Apology, especially as the Performance has undergone few Alterations since that Time to render it more worthy of the publick View. Such as it is, please to give it a Place in your next. If it can be of Use to those for whom it was written, it may also be of Use to others.*

A CHARGE delivered *May* 17, 1757, at the first anniversary Commencement in the College and Academy of *Philadelphia*, by the reverend Mr. SMITH, *Provost* of the same, to the young Gentlemen who with so much Honor and public Applause took their *Degrees* on that Occasion, *viz*; to---

| *Names.* | *Degrees conferred.* |
|---|---|
| PAUL JACKSON, Professor of Languages in the said College and Academy, | Master of Arts. |
| JACOB DUCHE, FRANCIS HOPKINSON, HUGH WILLIAMSON, JAMES LATTA, SAMUEL MAGAW, JOHN MORGAN, | Bachelors of Arts. |
| JOSIAH MARTIN, SOLOMON SOUTHWICKE, | Honorary Bachelors of Arts. |

GENTLEMEN,

YOU now appear as Candidates for the *first Honors* of this Institution. The *free* Spirit that it breathes permits us not to bind you to us by the ordinary Ties of Oaths and Promises. Instead thereof, we would rely on those Principles of *Virtue* and *Goodness* which we have endeavoured to cultivate. Suffer me, therefore, ere you go, to sum up all our former Labors for you, in this Place, by one last and *parting* CHARGE.

Surely----*to* LIVE *is a serious Thing!* And you are now about to step into *Life*, and embark in all its busy Scenes. It is fit, then, that you should make a Pause---a solemn Pause---at its Portal, and consider well what is expected from you, and how you are prepared to perform it.

On the one Hand, you will have all the Dangers and Indiscretions of Youth to grapple with, at your first setting out in the World. Raw and unexperienced in its Ways, you will be apt to consider yourselves as set loose from the Reins of Discipline, and to look abroad in it with conscious Rapture, and the most buoyant Hopes. The Fullness of Blood, the Strength of Passion, the constant Call of Pleasure, and the Harlot-form of Vice, will be apt to bear down that *sober Wisdom* and *cool Reflection*, which are your best Guard. At every Glance, Elysian Scenes and fairy Prospects will open before you; seemingly so variegated with Beauty, and stored with Pleasure, that the Choice will perplex you. But alas! all lead not equally to the *Bowers of Joy!* many will only seduce you from the Path of *Virtue*, by false Appearances of Happiness, and draw you on, through *Meads of unreal Bliss*, to the *Fool's Paradise*; a deceitful Region, which proves at last to be but the *Valley of the Shadow of Death*, where Snakes lurk under the Grass---

"And, mid the Roses, fierce Repentance rears
"Her horrid Crest"------

On the other Hand, you will find the World inclined to make but small Allowances for the Slips of Youth. Much---very much---will be expected from you. Your superior Opportunities of Knowlege, the many Specimens of Genius you have already exhibited, will give your Friends and Country a Right to expect every Thing from you that is excellent or Praise-worthy.

Oh! then, let no Part of your future Conduct disgrace the Lessons you have received, or disappoint the Hopes you have so justly raised! Consider yourselves, from this Day, as distinguished above the Vulgar, and called upon to act a more important Part in Life---Strive to shine forth in every Species of *Moral Excellence*, and to support the Character and Dignity of Beings formed for endless Duration. The Christian World stands much in Need of inflexible Patterns of *Integrity* and *public Virtue*; and no Part of it more so than the Land you inhabit.

Remember that superior Talents demand a superior Exercise of every good Quality; and that, where they produce not this salutary Effect, it were far better for the World to have been for ever without them. Unless your Education is seen conspicuous in your Lives, alas! what will be its Significancy to you, or to us? Will it not be deemed rather to have been a vain *Art* of furnishing the HEAD, than a true *Discipline* of the HEART and MANNERS?

If then you regard the Credit of this Institution, which will travail in Concern for you, till you are formed into useful Men; if you regard your own Credit, and the Credit of the many succeeding Setts of Youth, who may be fired to glory by your Example; let your Conduct in the World be such, at least, as to deserve the Applause of the *wiser* and *better* Part of it. Remember you are the first who have received the Honors of this Seminary. You have been thought doubly deserving of them. O! think, then, what Pain it would give us, should we be disappointed in you, our first and most hopeful Sons! What a Reproach would it be to have it said that, under us, you had obtained all Sorts of *Learning*, and yet had not obtained *Wisdom*---especially that *Wisdom*, which has for its *Beginning* the FEAR OF GOD, and for its *End* EVERLASTING FELICITY!

But we have every Reason to expect far better Things of you. And, in that Expectation, I shall beg Leave to propose a few Rules, which, being well observed, will contribute greatly to your Success in Life. They shall be confined to *two* Heads.

1st, How to *live* with YOURSELVES, and your GOD.

2dly, How to *live* with the WORLD.

Perhaps this may be deemed a Work of Supererogation at this Time. But my Heart yearns towards you. I cannot easily part with you. And though I should only repeat what you have often heard in the Course of our *Lectures* in this Place; yet, being laid together in one short View, and delivered before such a Number of Witnesses, 'tis probable the Impression may be so much the deeper. And, that it may be so, I shall not amuse you with high drawn Characters and visionary Precepts; the Creatures of Fancy's Brain, worked up beyond the Life. Such may allure the *Eye*, but they will not sway the *Practice*. They may induce *Despair*, but they will not quicken *Industry*. I shall, therefore, confine myself to the LIVING VIRTUES, as they are within the ordinary Compass of *Humanity*, when assisted by divine Grace and Goodness. For 'tis they alone that can influence the Conduct, and excite to Imitation.

FIRST, then, *in living with* YOURSELVES *and your* GOD, let it be your primary and immediate Care, to get the Dominion of your own Passions, and to bring every Movement of the Soul under Subjection to *Conscience*, *Reason* and *Religion*; those three lovely Guides, set over the human Conduct. Let your Wishes be moderate, sollicitous about nothing so much as the *Friendship of your* GOD, and the *Preservation of* YOUR VIRTUE and GOOD NAME!

Accustom yourselves to an early Industry in Business, and a wise Reflection upon human Life. Beware of Idleness, and the pernicious Influence of bad Habits. Possess yourselves of just and elevated Notions of the divine Character and Administration, and of the End and Dignity of your own immortal Nature. Oh! consecrate to your GOD the first and best of your Days! When you enjoy Health of Body, Strength of Mind, and Vigor of Spirits, then is the Heart a noble Sacrifice, and best worthy of being presented to the *great Creator of Heaven and Earth!*

But, alas! when the Prime of our Years have been devoted to the Ways of Pleasure and Folly, with what Confidence can we offer to our GOD the Dregs of Vice and Iniquity, an old Age broken with Infirmity, and groaning under the Load of Misery? Tho' Heaven be all-merciful, and even this last Resource not to be rejected, yet, to a generous Mind, there is something peculiarly painful in the Thought. For certainly, when the Soul is fittest for Pleasure, then also it is fittest to be lifted up, in manly Devotion, to its adorable Maker!

That your Souls may be the more disposed to this exalted Intercourse, continue to adorn them with every divine Grace and Excellence. As far as your Circumstances will permit, continue thro' Life the *Votaries of Wisdom*; and never drop your Acquaintance with those Sciences into which you have been initiated here. But in the Prosecution of them, weigh well the Limits of the *human Understanding*. Keep to Subjects within its Reach, and rather to those which are *useful* than *curious*. In your Enquiries, never suffer yourselves to be drawn from the main Point, or lost in a Multiplicity of Particulars. Always keep *first Principles* in View. Life is short; we can go but little farther, and that little will then only be of Use, when clearly deduced from them.

For this Reason, beware, above all Things, of valuing yourselves much on any temporary Acquisitions, or falling into the Error of those who think they shew the Depth of their *Wisdom*, by disregarding that *sublime System*, sent down from Heaven by the SON OF GOD. Poor is the Extent of *human Science* at best; and those who know the most, know but just enough to convince them of their own *Ignorance*. Vain, then, must they be who would be thought *wise* for despising the *Dictates of* ETERNAL WISDOM, and would build up the Pride of Knowlege upon their Ignorance of Things of the most lasting Consequence!

In my *Sermon* before you this Day, I shewed that such empty Smatterers could have but small Pretensions to *common Sense*, much less to the exalted Name of PHILOSOPHY. The true Votaries of this *divine Science* will ever disclaim them; and I am persuaded you will heartily join in the Suffrage.

Tho' we honor *human Reason*, and think *human Virtue* the Glory of our Nature, yet your Education here will teach you to fix your Hopes on a far more solid Foundation. It will convince you that *Reason*, when unenlightened, may be fallacious; and consequently that *Virtue*, when undirected from above, will be devious. There are Mists, diffused before the Temple of *Happiness*, which are only to be penetrated by the purer Eye of *Religion*.

Hence then, you will be disposed to seek a sublimer *Wisdom* than any that is to be attained by mere human Efforts, confined to the Works of Nature alone, those fainter Exhibitions of the DEITY! You will see the Necessity of studying his Character, as exhibited in his holy Oracles. There you will receive such august Impressions of Him, as will correct your *Philosophy*, humble the Pride of *Reason*, and lay you prostrate at his Feet. You will be taught to renounce your own Wisdom, however excellent, and your own Righteousness, however distinguished. You will be made to rejoice in the Name of Christians, and triumph in the glorious Relation you bear to *Jesus*, as diffusing the brightest Lustre round the human Character. And consequently you will love to inculcate his holy Religion, as a Scheme of Wisdom salutary to Mankind, unfolding their best Interests, training them up for Eternity, and conducting them to the supreme Felicity and Perfection of their Nature!

Thrice happy you, when by *divine Grace* you shall have obtained this Dominion over yourselves, and thro' the REDEEMER'S MERITS are thus united to the *supreme Good*; every *Wish* resigned, and every *Passion* raised into the *Bosom* of your FATHER AND YOUR GOD! Then, and not till then, will you have truly learned to live with *yourselves*, and with HIM *that made you*; till, after the Close of your Pilgrimage here, you are finally admitted to *live* and rejoice with him for ever!

I am now, in the SECOND *Place*, to offer you a few plain Directions, *how to live with the World*. And on this Subject I shall be but brief. For, being once initiated into the true Enjoyment of your own Nature, and actuated by a deep Sense of that *Presence* which is universal, all your other Actions will be duly influenced thereby.

With Regard to *Benevolence*, that great *Law of* CHRIST, and fruitful Source of all *social Virtue*, why should I recommend it? If you truly love God, you must necessarily love all his Creatures for his Sake, and disdain a narrow unfeeling Heart, coiled up within its own scanty Orb. Your *Charity* will be of the most exalted and fervent Kind, extending itself beyond the vulgar Attachments of Family and Friends, embracing the whole human Species, and ready to sacrifice every temporal Consideration to their Good.

Actuated by such liberal Sentiments as these, you will always be ready to oblige others by "an unaffected, free and generous Communication of your superior Knowlege." Your Council and your Assistance, your Hand and your Heart-----they will never be refused, when demanded for the Benefit of others; and in a virtuous Cause. Or rather, you will never let them be demanded, but freely prevent the readiest Wish. *Modest Merit* will be the Object of your peculiar Regard; and you will always rejoice when you can produce it to public View, in an amiable and advantageous Point of Light.

Believe me, my dear Youths, you can acquire no Authority so lasting, no Influence so beneficial, as by convincing the World that you have *superior Talents*, joined to *inflexible Integrity*, and unconfined Benevolence. Compared to such a Foundation as this, the proud Structures of *vulgar Ambition* are but *Rottenness*, "*and their Base built on Stubble.*" A Confidence so placed will give you a Kind of Empire over the human Heart, which you will, no Doubt, exert for the noblest Purposes; such as reconciling *Differences*, enforcing *Religion*, supporting *Justice*, inspiring *public Virtue*, and the like.

To this *Benevolence* of *Temper*, you are to add PRUDENCE, and a strict Regard to the GRACE *of Character* and PROPRIETIES *of Life*. If you would be very useful in the World, beware of mixing too indiscriminately in it, or becoming too cheap in the vulgar Eye. But when you are in it, be affable to *all*, familiar with *few*, cautious in contracting *Friendships*, stedfast in preserving them, and entering into none without the purest Virtue for their Basis and End.

Maintain such DIGNITY of *Conduct*, as may check the Petulance of *Vice*, and suffer none to *contemn* you; yet shew such MODESTY of *Temper*, as may encourage *Virtue*, and induce all to *love* you. Preserve a *Chearfulness of Countenance*, never affecting to appear better than you are; and then every good Action will have its full Weight. 'Tis dishonouring GOD, and discouraging Goodness, to place Virtue in a downcast Look, or in any Thing external. The *Christian Life*, far from being gloomy and severe, was meant to exalt the Nature of Man, and shew him in his best Perfection---happy and joyful!

When you mix in Company, you will often have Occasion to be disgusted with the *Froth* and *Levity*---'tis well if not the *Vice*---of the general Run of Conversation. Strive, therefore, as often as you can, to give it a chaste and instructive Turn; regarding always the Propriety of Time and Place. And if, on any Occasion, an ingenuous Honesty of Nature, and an Abhorrence of Vice and Dissimulation, should oblige you to bear your Testimony against what you hear, let it be evident to all that you are offended, not at the *Persons*, but at the Things. Great Delicacy is requisite in such Cases; and you must blame without Anger, in order to remove the *Offence*, and not to wound the *Offender*.

'Tis true, sometimes a strong Conviction of important Truth, and a Consciousness of superior Knowlege will, in the best of Men, produce a seeming Acrimony of Expression, and Keenness of Expostulation, especially when heated by Opposition. But if, from the general Tenor of your Conduct, you have convinced the World of the *Goodness of your Heart*, such Starts of Passion will be forgiven by your Friends, or considered only as the Fire from the Flint; "which being smitten, emits its hasty "Spark, and is straightway cool again."

It will be your Wisdom, however, to preserve the Serenity of your Temper, to avoid little Disputes, and to raise yourselves above the World, as much as possible. There

are

are really but few Things in it, for which a wise Man would chuse to exchange his *Peace of Mind*. And those petty Distinctions that so much agitate the general Run of Mankind, are far from being among the Number.

But some Things there are, nevertheless, which will demand your most vigilant Attention; and some Occasions, when to be silent or consenting, would be a criminal Resignation of every Pretension to *Virtue* or *Manhood*.

Should your *Country* call, or should you perceive the *restless Tools of* FACTION at Work in their dark Cabals, and "stealing upon the *secure Hour of* LIBERTY;" should you see the *Corruptors* or *Corrupted* imposing upon the Public with specious Names, undermining the *civil* and *religious* Principles of their Country, and gradually paving the Way to certain SLAVERY, by spreading *destructive Notions of Government*---then, Oh! then, be nobly rouzed! Be all Eye, and Ear, and Heart, and Voice, and Hand, in a Cause so glorious! *Cry aloud, and spare not*, fearless of Danger, regardless of Opposition, and little sollicitous about the Frowns of Power, or the Machinations of Villainy. Let the World know that LIBERTY *is your unconquerable Delight*, and that you are sworn Foes to every Species of Bondage, either of Body or of Mind!

These are Subjects for which you need not be ashamed to sacrifice your Ease and every other private Advantage---For certainly, if there be aught upon Earth suited to the native Greatness of the human Mind, and worthy of Contention, it must be to assert the Cause of *Religion and Truth*; to support the *fundamental Rights and Liberties of Mankind*; and to strive for the Constitution of your Country, and a "Government of *Laws*, not of *Men*."

If, in adhering to these Points, it should be your Lot, ---*as alas! it has been the Lot of others*---to be borne down by Ignorance, to be reproached by Calumny, and aspersed by Falshood, let not these Things discourage you---

"All HUMAN VIRTUE, to its latest Breath,
"Finds *Envy* never conquer'd but by Death.
"The great *Alcides*, every Labor past,
"Had still this Monster to subdue at last.

While you are conscious of no Self-reproach, and are supported by your own Integrity, let no created Power, visible or invisible, awe you from following the unbiassed Dictates of your own Heart. Magnanimously assert your own Judgment where you know it to be right, and scorn a servile Truckling to the Names or Opinions of others, however dignified. With a manly and intrepid Spirit, with a fervent and enlightened Zeal, persevere to the last in the Cause of your GOD, your KING and your COUNTRY. And, though the present Age should be blind to your *Virtue*, or refuse you Justice, let it not surprize you---

"The Suns of Glory please not till they set."---

and the succeeding Age will make ample Amends at a Time when the Names of those who have opposed you will be forgot, or remembered only to their lasting Dishonor.

Nevertheless, though you must not expect to escape *Envy*, or to receive the full Applause of your Virtue in your own Day, yet there will always be some among the *better few* ready to do you Justice, and to judge more candidly. Perhaps it may be your Lot to be singularly favoured by your Friends, in this Respect. But be not too much elevated thereby. The real *good Man*, as he will never be more *undaunted* than when most reviled and opposed in his *great Career of Justice*, so he will never be more *humble* than when most courted and applauded.

The two great Rocks of Life, especially to YOUTH, are *Prosperity* and *Adversity*. If such meet with any Degree either of *Success* or *Difficulty* in the World, before they have learned great Self-denial, they are apt, in the one Case, to be blown up by an overweening Conceit of their own Importance; and, in the other, to be borne down by a timid Distrust of their own Abilities. Both Dispositions are equally prejudicial to Virtue---the *former* so far as it tends not to excite Emulation, and inspire to worthy Actions; and the *latter* so far as it checks the native Ardor of the Soul, and ties it down to inglorious Pursuits. But the same Means will correct *both*. A larger Commerce with the World, and a frequent viewing ourselves through a more impartial Medium, compared to others of equal or greater Merit, will bring down the *one*, and raise the *other*, to their just and proper Standard. What was PRIDE before, will then be converted into a *Sense of Honour*, and proper *Dignity of Spirit*; and what was TIMIDITY or SELF-DISTRUST, will be turned into *manly Caution*, and *prudent Foresight*.

Time will not permit me to add more. Happy shall you be, if, by attending to such Maxims as these, you can pass your Days, if not with the highest Approbation of others, at least with full Satisfaction to yourselves! Happy, if in the Eve of Life, when Health and Years and other Joys decline, you can look back with conscious Joy upon the unremitting Tenor of an upright Conduct; framed and uniformly supported to the last on these noble Principles---*Religion* without *Hypocrisy*, *Generosity* without *Ostentation*, *Justice* tempered with *Goodness*, and *Patriotism*, with every *domestic Virtue!*

Ardently praying that this may be your Lot, I shall take Leave of you in the Words of old *Pollonius* to his Son---

"The FRIENDS you have, and their Adoption try'd,
"Grapple them to your Soul with *Hooks of Steel*.
"But do not dull your Palm with Entertainment
"Of each new-hatch'd unfledg'd Comrade. Beware
"Of Entrance to a Quarrel---
"Give every Man your Ear, but few your Voice.
"Take each Man's Censure, but reserve your Judgment.
"This above all---to your *ownselves* be TRUE,
"And it must follow, as the Night the Day,
"You cannot then be FALSE to *any Man*.

*Shakespeare.*

These Things I have sketch'd for you as the Out-lines of your Duty. I pretend not to go farther. It is not my present Business to offer a perfect Plan for the Conduct of Life. Indeed my Experience in it has been too small for such an arduous Work. And I hope to be judged rather by *what I have said*, than by *what could not properly be said*, on such an Occasion.

As for the rest, I shall commit you to the *best of* MASTERS. Be sure, in all Things, *to learn of* CHRIST. In following him, you cannot *err*. And to do so will be your Interest, and your greatest Glory, at a Time when human Wisdom shall fail, and of *the Things that now are*, VIRTUE alone shall be the chief Survivor.

"Farewell! my Blessing season these Things in you."

*From the* SHERBURN MERCURY, *May* 23.

Yesterday in the Afternoon the second Express, expected from Berlin (as mentioned in the Gazette Extraordinary) arrived at St. James's, and brought a Letter from his Prussian Majesty to the King our Sovereign, which we hear contains these Lines: "Immediately after the Action of the Sixth Instant, I sent off Keith with a Body of Troops to Prague, who has taken the City Sword in Hand, and made more Prisoners there than we took on the Field of Battle."

The Sandburn (a Tender) William Peavy Commander, from Pole Davy Bay, about six Miles from Brest, gives the following Account, viz. That on the 23d ult. sailed three Ships of the Line, and a Frigate, as said, to join four other Men of War at Rochfort, and 22 Ships for the East-Indies; and that last Tuesday sailed 19 Ships of the Line, with Troops on board, supposed for America.

DUBLIN, May 16.

Saturday last 360 Men, being the first Division of one of the new raised Highland Battalions, commanded by Colonel Montgomery, and lately landed at Donaghadee from Scotland, arrived in Town, on their March for Cork, in order for Embarkation. On their Arrival they marched to the Royal Square, in the Barracks, where they were drawn up before the Right Hon. the Earl of Rothes, who expressed an intire Satisfaction at the military and handsome Appearance they made. And this Day the Remainder of the Battalion is expected here to take the same Route.

A Master of a Ship lately arrived from Bourdeaux relates, that the two Ships taken by the Somerset, and brought into Kinsale, are Part of a Fleet of Merchantmen of Force, consisting of 14 Ships, in the French King's Service, and employed as Transport Ships for Soldiers and military Stores for Canada; and that he left them in the River of that City, almost ready to sail on their Expedition in a Fleet together, in order to be an Over-match for our lesser cruising Men of War and Privateers.

*St. JOHNS, in Antigua, July* 5.

Yesterday arrived Captain Lynn in a Flag of Truce from Martineco and Guadaloupe, with upwards of twenty Captains and Officers of English Vessels, and a Hundred common Sailors. Within this last Month 40 Vessels have been carried into Guadaloupe, and there are now between 40 and 50 Privateers cruizing to Windward of this Island; so that it is not in the least to be wondered at that nothing escapes them. Bread is there 30 s. per Hundred, Lumber from 4 to 5l. per Thousand, and Indian Corn 15 d. a Bushel.

From the ST. CHRISTOPHERS GAZETTE.

*Basseterre, July* 13. On Monday Morning arrived the Flag-of-Truce from Martinico.

By the Captain of a Guineyman, who was for a long Time a Prisoner in Martinico, we have the following List of the French Squadron which was there last Month.

L'Intrepide of 74 Guns; St. Michel, l'Opiniatre, and le Hardie, each of 64; la Licorne, l'Amethiste, and a third, whose Name is unknown, each of 32, and la Calypso, with another, each of 16.

To those may be added the Alcyon of 54 Guns, which lately arrived with four Storeships under her Convoy, bound directly from Old France for Martinico.

Of this Squadron, the Intrepide, Opiniatre, and Licorne, sailed some Time since for St. Domingo, with some Merchantmen which were to load there for France. The St. Michel, with the Amethiste, and another Frigate of the same Force, were to stay at Martinico; and the Remainder, with the late General, were to sail about the Middle of this Month on their Return Home; whither one of the Frigates of 16 Guns was dispatched about three Weeks ago as a Packet.

*ANNAPOLIS, August* 4.

On the 27th of July, near Tom's-Creek, within 16 Miles of Frederick-Town, Alexander M'Keasy, was shot near his own House by an Indian, in the Knee, and the Bullet lodged in the Calf of his Leg; his Knee being shattered to Pieces, 'tis thought it will kill him. At the same Time his Son was carried away Prisoner; and a Negro Girl, whom an Indian had by the Hand, leading off, escaped by the Assistance of two Dogs, whom she set at the Indian, but he flung his Tomahawk at her, and cut her very much in the Neck, tho' it is thought she will recover.

About three weeks ago, one Samuel Wilson, a young Man about 17 Years of Age, was shot and scalped, near the House of George Pow, not far from Anti-Eatam. Pow, with his Wife and Eight Children, made their Escape; but his House, and every thing in it, was burnt. Next Day they went and buried Wilson.

BOSTON, *August* 1.

By the Captains Bradford and Chandler from Jamaica, we are informed, That on the 1st of July they sailed from thence, in Company with 120 Merchantmen, the greatest Part of them bound Home, the Rest to different Parts on the Continent, which they parted with in Lat. 29. last Tuesday se'nnight, under Convoy of two 20 Gun Ships; that about 12 days before they came out, Admiral Coates sailed in the Marlborough of 90 Guns to join his Squadron which he dispatched previous to his Sailing; that it was generally conjectured there he was gone to make a Descent upon some Part of Hispaniola; that the Admiral has been exceeding active in clearing the Coast of the Enemy's Privateers, by keeping some of his Ships constantly upon the Cruize.

The following is the List of Men of War Admiral Coates had with him, except the two 20 Gun Ships who were Convoy to the above Fleet bound Home, viz. Marlborough 90 Guns, Edinburgh 74, Princess Mary, Dreadnought, Augusta 60, Assistant, and ----- 50, Robuck, Humber, 40, Lively, Sphynx, Shoreham, Rye, Wager, 20; and one Sloop.

By a Vessel from St. Eustatia, we are informed, that nine French Men of War lately sailed from Martinico, supposed for North-America.

*NEW-YORK, August* 8.

Friday last his Honour our Lieutenant Governor set out for Albany.

Monday last Captain M'Walter arrived here in 18 Days from St. Kitts: A Gentleman in that Island acquaints his Friend in this City, that a Packet was just arrived at Antigua from England, and brought Advice, that the King of Prussia, with the Loss of 6000 Men, and three Generals, had taken Prague, killed 10,000 Austrians, and took 6000 Prisoners.

*Extract of a Letter from Albany, dated July* 28, 1757.

"Last Night late we had an Account, that 60 more of our Men, supposed to be dead, are returned; and 5 others joined Captain Putman, near South-Bay, so hope the Loss will not be so great as it was at first imagined."

Saturday Evening last an Express came in here from Albany, which Place he left the Thursday before, at Three a Clock in the Afternoon, and has brought the disagreeable News, that Fort William-Henry, at Lake-George, was besieged by 11,000 French and Indians, on Wednesday the 3d Instant, and that they opened their Trenches before it at 1 o' Clock of the Morning of the same Day; that the Fort was commanded by Colonels Young and Monro, the former having thrown himself in there with 1300 Men the Day before; that the Garrison consisted of 3500; that the Communication was cut off between the two Forts; and that Major-General Webb commanded at Fort Edward, where he had about 1000 Men; that a French Captain was taken near Fort Edward, on Tuesday last, by some of our Scouts, as he was killing a Bullock in the Woods, and informed General Webb, that the French Army consisted of 4500 Indians, as many Canadians, and 2000 Regulars, with 36 Pieces of Cannon, and some Mortars; that they intended, if possible, to take our two Forts, and then march down to Albany; but as the Militia of the County of Albany, and the other neighbouring Counties, are all gone up, and Expresses gone to the different Parts of New-England for Assistance, we are in Hopes Succours sufficient will arrive there in Time, as well to relieve our Forts, as to stop the Progress of the French Army into the interior Parts of this Province, and that we shall be able to give our Readers a more particular and agreeable Account of the Whole in our next.

Last Night the Albany Mail came to Town, by which we learn, That the Fort on Thursday Night was still holding out a vigorous Siege; and that as the Enemy's Number kept increasing, the Besieged were in continual Hopes of being speedily reinforced from the Governments, as the Fate of this greatly depended on an immediate Assistance.

Saturday last Captain Shaddock arrived in one of our Pilot Boats, in 20 Days from Halifax, and brings Advice, that the Fleet from Ireland, under the Command of Admiral Holbourn, were all safe arrived there, without the Loss of one Vessel; that the Army were in general very healthy, and in high Spirits, and that the whole Fleet was to sail about the 24th of July on an important Expedition. The following is an exact List of the British Men of War that are at Halifax, with their Number of Men and Guns, viz.

*Of the Line, which came with Vice Admiral Holbourn, and Commodore Holmes.*

Newark, Francis Holbourn, Esq; Captain Holbourn, 80 Guns, 620 Men; Terrible, Collins, 74 Guns, 600 Men; Invincible, Bentley, 74 Guns, 700 Men; Northumberland, Lord Colvil, 68 Guns, 520 Men; Grafton, Charles Holmes, Esq; Captain Cornwall, 68 Guns, 535 Men; Orford, Spry, 68 Guns, 520 Men; Bedford, Fowke, 64 Guns, 480 Men; Nassau, Sawyer, 64 Guns, 480 Men; Kingston, Parry, 60 Guns, 400 Men; Captain, Amhurst, 60 Guns, 480 Men; Centurion, Mantell, 54 Guns, 350 Men; Sunderland, Mackenzie, 60 Guns, 400 Men; Defiance, Bard, 60 Guns, 420 Men; Tilbury, Bransley, 60 Guns, 400 Men; Windsor, Faulkner, 60 Guns, 400 Men.

*Frigates.* Hunter; Gibraltar's Prize; Port-Mahon; Lightning; Hawke; Furnace.

*Came from New-York, under the Command of Rear Admiral Hardy.*

Sutherland, Sir Charles Hardy, Knight, Capt. Faulkingham, 50 Guns; Nightingale, Campbell, 20; Kennington, Diggs, 20; Ferrit Sloop, 16; and Vulture Sloop, 14.

*Lying in Halifax Harbour, before the Arrival of either of the above Fleets.*

Nottingham, Captain Marshall, 60 Guns; Rainbow, Rous, 54; Succcess, ---- 20; Jamaica Sloop, ---- 14; and Country Sloop, Capt. Rogers, of 8 Guns.

We hear that Captain Ash, who was sent out from Halifax in a Brig, as mentioned under the Philadelphia Head, looked into the Harbour of Louisbourg, and could discover no more than 8 Ships of the Line in that Harbour.

By a Letter from St. Eustatia, which came to Hand last Saturday Night (by Way of Rhode-Island) we learn that a Ship was just arrived at that Island, in a short Passage from Amsterdam, and that in the Utrecht Gazette of the 12th of May, was an Account, That on the 8th of said Month, a bloody Battle ensued between the Prussian Army, consisting of 110,000 Men, and that of the Queen of Hungary, amounting to 180,000; that the Battle continued from the 8th, to the 11th, at 3 o'Clock P. M. when the Prussians remained Masters of the Field, after killing 18,000 Austrians, and taking 12,000 Prisoners, with 240 Pieces of Cannon, and all their Baggage, and that immediately after his Prussian Majesty took Possession of the City of Prague, having lost 12,000 Men, and four Generals.

Yesterday Captain Sarly arrived here in 15 Days from Halifax, when the Fleet was not sailed, but lay ready. The Transports taken up here and in Philadelphia, were discharged, and the Boston Vessels continued at 10 s. a Ton. As Capt. Sarly came out of Halifax, he saw a Fleet standing in, which by the Musick he heard, he imagined was the two Highland Battalions from Cork, under Convoy of five Ships of the Line.

Capt. Smith from New-Haven, is arrived at Antigua. And Capt. Ward from the same Place, is arrived at St. Christophers.

Captain Clark from New-Haven for the West-Indies is taken by a French Privateer, and carried into Martinico. And Captain Normand, from New-London, is taken by a French Privateer also, and carried into Guadaloupe.

The Privateer Brig Prince of Orange, Capt. Dixon, will sail on a Cruize this Day.

PHILADELPHIA, August 11.

On Tuesday last his Honour the GOVERNOR returned from Easton.

The same Day the GENERAL ASSEMELY adjourned to Tuesday next.

By the HONOURABLE
*WILLIAM DENNY*, Esq;
Lieutenant Governor and Commander in Chief of the Province of *Pennsylvania*, and Counties of *New-Castle*, *Kent* and *Sussex*, upon *Delaware*,

A PROCLAMATION.

WHEREAS since the Issuing the Proclamation of the third Day of *June*, One Thousand Seven Hundred and Fifty-six, for a Cessation of Arms between this Government and the *Delaware*, *Shawanese*, and other Tribes of *Indians* confederated with them in their late Ho-

*** ACADEMY LOTTERY TICKETS Sold by D. HALL, at the *New-Printing-Office*.

Hostilities committed on the Inhabitants of this and other His Majesty's Colonies on this Continent; and several Proclamations since issued for continuing the said Cessation and Suspension of Hostilities, the Differences between us and the said *Indians* have, at divers Treaties or Conferences, held with the *Delaware* Chief, *Teedyuscung*, deputed by them for that Purpose in this Province, been at length happily accommodated, and a firm League of Peace and Friendship renewed, fixed and established, between all His Majesty's Subjects and the said *Delaware* and other confederated *Indians*, who call themselves *Ten Tribes* or *Nations*, including their Uncles, our good and faithful Friends and Allies the *Five Nations*, to continue, subsist and endure between us and them, and our and their Posterity for ever.

I HAVE THEREFORE, with the Advice of the Council, thought proper to issue this Proclamation, and do hereby strictly charge and command all His Majesty's Subjects, Civil and Military, within this Province, carefully and inviolably to observe the said League of Peace and Friendship with the said *Indians*; and to take due Notice hereof, and conform themselves thereto accordingly.

PROVIDED nevertheless, That this Proclamation shall not extend, or be construed to extend, to hinder, prevent, or restrain any Officers or Soldiers, whether in Garrison or not, or any of the Inhabitants within this Province, from defending themselves, or attacking, annoying, or killing any Enemy *Indians*, who shall be found committing Acts of Hostility against any of the Forts, or upon any of His Majesty's Subjects within this Province.

*GIVEN under my Hand, and the Great Seal of the said Province, at* Easton, *the Fourth Day of* August, *in the Year of our Lord One Thousand Seven Hundred and Fifty-seven, and in the Thirty-first Year of His Majesty's Reign.*

WILLIAM DENNY.

*By His Honour's Command,*
RICHARD PETERS, *Secretary.*

GOD Save the KING.

In a Letter from Albany, dated the Fifth Instant, in the Morning, it is mentioned, that an Express was just arrived there from Fort Edward, and brought Advice, that Fort William Henry was still in our Possession; also undoubted Intelligence, that the Firing against it commenced on Thursday Morning early, and continued very hot till about three Hours before Sun-set, when it ceased intirely: And that General Webb was at Fort Edward, expecting every Hour a Number of Men sufficient to raise the Siege.

We have Advice from Carlisle, that a Soldier was lately fired at by two Indians about 300 Yards from Fort Littleton, and that he returned the Fire; upon which they endeavoured to get betwixt him and the Fort, but he outran them, and got in. A Party was sent out in Pursuit of the Indians, but to no Purpose.

About a Fortnight ago three Indians carried off a Boy from Marsh Creek, near the Maryland Line, and wounded a Man, and a Negroe Woman; since which many of the Inhabitants of York County, it is said, are moving away.

We hear from Hanover Township, in Lancaster County, that a few Days ago one Man was killed and scalped there by the Indians, and a Woman and Child carried off: That on Saturday last another Man was killed in the same Township, and two Persons made Prisoners: And that in Bethel Township, in the same County, and on the said Day, one Man was murdered, a second wounded so badly that he died, and a third shot in the Hand.

By Captain Dougherty, from St. Christophers, we learn, that Captain Cox, bound here from Antigua, was taken two Days after he left the Island, and carried to Guadaloupe; and that the Captains Harper and Stewart were safe arrived at Antigua from this Port.

Tuesday last Captain Donnell arrived here from Dublin. About three Weeks ago he spoke with Captain Dunlap from Glasgow for Virginia, who had then been out eleven Weeks.

The Brig Shirley, Captain Adams, of this Place, is arrived at Lisbon from Dublin.

On Sunday next there will be a great Eclipse of the Sun in the Afternoon, visible here ten Digits; so that one Quarter of the Sun's Disk only will be visible on the South Side.

By a large and neat Construction of the Passage of the Vertex in its diurnal Gyration over the Disk of the Earth, it is found that our Vertex touches the Edge of the Penumbra, and the Eclipse begins at fifteen Minutes after Five, and the Middle of the Eclipse, or greatest Obscuration, will be at twenty Minutes past Six; after which time the Obscuration will diminish until Forty-nine Minutes past Six, when the Sun will set eclipsed near six Digits.

If it should be cloudy, the Eclipse will be manifest by the Darkness of the Evening before Sun-set, as we shall be deprived of at least three Quarters of the Sun's Light.

This is the greatest solar Eclipse that has been seen here these many Years, and is the greatest that will be visible in this Part of the World until Tuesday, January 19, 1768, when the Sun will be eclipsed ten Digits and a Half, between the Hours of Two and Three.

The Drawing of the ACADEMY LOTTERY begins on Wednesday next.

CUSTOM-HOUSE, *Philadelphia*, INWARD ENTRIES.

Schooner Revenge, L. Brice, from New-Providence.
Schooner Speedwell, John Kemp, from Ditto.
Schooner Betty, Hugh Wright, from Boston.
Schooner Endeavour, George Houston, from Ditto.
Snow Charming-Polly, H. Dougherty, from St. Cristophers.
Ship Molly, David Gregory, from Lisbon.
Brig Hannah, Nathaniel Donnell, from Dublin.
Sloop Indian-Queen, Ricloff Alberson, from New-York.
Sloop Mary, Henry Hodge, from Anguilla.
Sloop Dart, Perient Trott, from Turk Islands, & Bermuda.
Sloop Sea-Flower, Peleg Shearman, from Rhode-Island.
Sloop Jane, William Wright, from Virginia.

OUTWARDS.

Brig Sally, James Taylor, for Newfoundland.
Sloop Betty and Peggy, John Trott, for Bermuda.
Sloop Dove, George Robinson, for Ditto.
Sloop Anne, Nathaniel Mitchell, for St. Christophers.
Sloop Joanna, Thomas Pearman, for Ditto.
Schooner Revenge, Lawrence Brice, for New-Providence.
Schooner Good-Intent, Thomas Lake, for Halifax.

CLEARED.

Schooner Speedwell, William Rogers, to S. Carolina.
Schooner Elizabeth, Jabez Bulkley, to Boston.
Schooner Dolphin, Triftrum Coffin, to Nantucket.
Sloop Reynolds, Isaac Martin, to Georgia.
Sloop Mary, Richard Cole, to Rhode-Island.
Sloop Rosemary, Thomas Trip, to Ditto.
Sloop Brothers, Henry Styles, to Antigua.
Sloop Dove, Jonathan Copeland, to Ditto.
Sloop Pollock, Robert Auld, to Ditto.
Brig Hester, James Sparks, to Ditto.
Brig Peggy, James Miller, to Jamaica.
Brig Sally, Thomas Rimmer, to Newfoundland.
Snow Thames, John Robins, to Ditto.
Snow Prince Edward, William Williams, to Ditto.
Snow Swan, Charles Slezer, to Belfast.
Ship Hercules-Prize, Robert White, to Jamaica.

*Just published, and to be sold at the New-Printing-Office, in Market-street (Price 6d.) the two following Laws, viz.*

AN ACT *for striking the Sum of* Fifty-five Thousand Pounds, *the Remainder of the Sum of* One Hundred Thousand Pounds *granted by this Assembly to the King's Use; and for making the same current within this Province. And*

*An* ACT *impowering the Governor to discharge his Part of the Operations of this Campaign, stipulated in Behalf of this Province, between his Excellency* John *Earl of* Loudoun, *and the Governors of the Southern Colonies.*

*Chester, August 8, 1757.*

BY Virtue of a Writ to me directed, will be exposed to Sale by Way of publick Vendue, on the 26th Day of this instant August, about Ten a Clock in the Forenoon, on the Premises, a certain Messuage and Plantation or Tract of Land, situated in the Township of West Fallow field, bounded by the Lands of Andrew Moore, James Miller, and the Lands late William Rankin's, containing, by Computation, about 100 Acres; late the Estate of Stephen Hayes. Seized and taken in Execution by

JOHN FAIRLAMB, Sheriff. ‖

*Chester, August 8, 1757.*

BY Virtue of a Writ to me directed, will be exposed to Sale, by Way of publick Vendue, on the 26th Day of this instant August, about Two a Clock in the Afternoon, on the Premises, a certain Messuage, Plantation, and Tract of Land, situated in the Township of West Fallowfield, bounded by Lands of Richard Lee, Nathan Cherry, and Lands late Stephen Hayes's, containing, by Computation, about 145 Acres; late the Property of William Rankin. Seized and taken in Execution by

JOHN FAIRLAMB, Sheriff.

*Chester, August 8, 1757.*

BY Virtue of a Writ to me directed, will be exposed to Sale, by Way of publick Vendue, on the 27th Day of this instant August, about Ten a Clock in the Forenoon, on the Premises, a certain Messuage, and Parcel of Land, thereunto belonging, situated in the Township of West Marlborough, bounded by the Lands of John Chadds, John Hannum, and the Lands late of William Hamilton deceased, containing, by Computation, about three Acres and a Half, late the Property of James Parry. Seized and taken in Execution by JOHN FAIRLAMB, Sheriff.

N. B. The above Premises are commodiously situated on a publick Road, leading from Lancaster to Wilmington, whereon there hath long been, and now is kept, a Tavern or House of publick Entertainment. ¶

*August 4, 1757.*

BY Virtue of a Writ to me directed, will be exposed to Sale, by way of publick Vendue, on the 29th Day of this instant August, about Two a Clock in the Afternoon, on the Premises, a Tract of Land, containing about 186 Acres, on which there is a Grist-mill, with one Pair of Stones, standing on Durham Creek, remarkable for being a constant Stream of Water, about one Mile from Durham Iron works, in Bucks County, late the Property of Henry Ott, seized and taken in Execution by

¶ BENJAMIN CHAPMAN, Sheriff.

*Philadelphia, August 8, 1757.*

PETER PATTRIDGE, *Screen Maker*,

HAS removed from the Sign of the Half-moon, in Market-street, to the Bull's Head, on the opposite Side of the Way; where he continues to make Wheat, Flax, Fan and Shew Screens; as also all Kinds of Wire work, as usual. †

## To be SOLD,

A Very valuable Plantation, situated in Blockley Township, containing about 100 Acres, about four Miles and a Half from Philadelphia, lying on the great Road leading to Lancaster, adjoining Lands of William and Isaac Warner, Isaac Kite, and David George, with a Dwelling-house and Barn thereon, about forty Acres of good Woodland, the rest being cleared, and extraordinary good Meadow, with a constant Stream of Water running through it, and a Ditch that waters it in the driest Season, and a good deal more may be made with very little Expence. For Terms, enquire of Thomas Williams in Second-street, near the Market, or Jacob Hesson, in Maxfield Township, Bucks County. ¶

*Philadelphia, August 11, 1757.*

*WHEREAS all Persons indebted to the Estate of Captain William Grant deceased, have been repeatedly desired to pay the same, and many have neglected to comply with said Request; the Executors are now obliged to give Notice to every one so indebted (as if particularly named) that unless they make immediate Payment, they may expect to be sued without further Notice.*

*N. B. The Goods remaining in the Store, will be sold cheap for ready Money.* MARY GRANT, SAMUEL SMITH, THOMAS BOURNE, JOHN WALLACE.

STRAYED or stolen, on the 31st of July past, from the Subscriber, living in Christiana Hundred, in New-Castle County, a likely bay Horse, near 14 Hands high, six Years old, with a black Mane, and switch Tail, the Mane hangs on the near Side, is a natural Pacer, has been used to the Shafts of a Cart, is well limb'd, and has a large thick Head, but neither Brand nor Ear-mark. Whoever takes up said Horse, and secures him, so that the Owner may have him again, shall Twenty Shillings Reward, and reasonable Charges, paid by ‡ JOSEPH NICHOLLS.

N. B. There was left near the Place a dark brown Mare, with a Blaze in her Face, and has two white Feet, which yet remains in the Neighbourhood. ¶

Trenton, August 5, 1757.

TO be sold by Way of publick Vendue, on Friday the 16th Day of September next, a good House and Lot in Potter's Town, in the County of Hunterdon, the House has four Rooms on a Floor, with a good Cellar under it; the Lot contains about Half an Acre of Land; the said House is well adapted for a Tavern or Merchant, and stands upon a very publick Road, leading to and from the several Forges and Furnaces in Hunterdon and Morris Counties, to New-Brunswick, and the Landing. Also three Feather-beds, and sundry other Houshold Goods. The Vendue to be held on the Premises, where the Conditions of Sale will be known. The abovementioned Premises taken in Execution, and to be sold by * MOORE FURMAN, Sheriff.

Just imported in the Royal American, Capt. Tiliet, from London, and to be sold cheap, for Cash or short Credit, by

JAMES STEVENSON,

At the Corner of Second and Walnut-streets,

A LARGE Assortment of scarlet, blue and Cloth coloured fine, super, and superfine Broadcloths, Rattinets, Shaloons, Saggathies, and other Goods. 5W,

Imported from London, Liverpool, and Bristol, and to be sold by

JEREMIAH WARDER,

At his house, in Third-street, opposite Church-alley, viz.

THree, four, six, eight, ten, twelve and twenty-penny nails, scythes, tin plates, best English steel A C No. 3, fine brass wire, pins, needles, womens brass thimbles, mens open top steel ditto, brass, steel and white metal shoe and knee buckles, horn and ivory combs, dish coat and vest buttons, mens best fine brown and white thread hose, mens silk caps, half yd. ell wide black and striped persians, paduasoy ribbons, black, purled, green and new fashioned figures, buck handled cuttoe knives, pistol cap'd butchers ditto, womens burnt bone knives, buck handled and bone table knives and forks, taylors shears, razors, best pot writing paper, ell and yd. wd. printed calicoes, clouting diaper, loog lawns, yd. wd. tandems, tandem fustians, 7 8ths and 3 qr. garlix, China and black taffeties, 7-8ths and yd. wd. Irish linen, yd. wd. Scotch cloth, yd. wd. and 7 8ths Irish sheeting, Russia sheeting, cotton romals, bordered bandanoes, pepper, nutmegs, cinnamon, best Flanders bed-ticks, red and blue half-thicks, duroys, camblets, a large assortment of broadcloths and shaloons, tammies, mohair, buttons, messinets, prussinets, figured Berlins, pheasant's eye, flowered damasks, 11 nail, 3 qr. 7 8ths, yd. wd. and yd. and 3 8ths cotton and linen checks, starrets, linen gingham, dy'd pillows, dy'd jeans, cotton hollands, thicksets, 10 nail, 11 nail, 3 qr. and 7-8ths linen handkerchiefs, bed bunts, an assortment of sadlers lace, girth web, and straining web, filleting, cotton and linen tapes, a large assortment of womens cotton and linen laces, quality bindings, gartering, sail duck, pewter warming-pans, copper tea kettles, brass kettles, with and without bales, striped cotton gown patterns, cotton and silk ditto, fustians, white counterpanes, muslins, cambricks, lawns in pieces and patches, kersies, serge, everlastings, womens Leghorn and horse hair hats, sweeping, scrubing, dusting, paint and hearth brushes, powder, shot, lead, bohea tea, best baladine sewing silk, copperas, madder logwood, mens and boys English castor and felt hats. Tbetf.

## To be SOLD,

A Tract of Land in Passyunk Township, between the Lower Ferry and Philadelphia, bounded on the North East by Land of Mr. Sobers, and on the North West by the River Schuylkill, containing about 50 Acres; it is pleasantly situated for a Gentleman's Seat, the Lower Ferry Road running through the Middle of it, about one Quarter thereof Woodland, the Remainder enclosed in Fence, and good Pasture Ground. The Title is indisputable. For Terms of Sale, apply to Mr. George Gray, at the Lower Ferry, or Andrew Tranberg, in Wilmington.

N. B. It may be sold in two Parts, as may best suit the Purchaser. ‡

*Wilmington, August 10, 1757.*

August 8, 1757.

WHEREAS some time in the Month of March past, two Men, who said they lived at Lancaster, in the Province of Pennsylvania, came on Horseback, with Packs of Linen and some other dry Goods, to Princetown, in the Province of New-Jersey, and offering to pass several Ten Shilling Bills of Credit, of the Pennsylvania Impression, to Persons in the said Town, the said Bills were suspected to be Counterfeit, and the Subscriber hereof (a Magistrate of the County of Somerset) was thereupon applied to, who on inspecting the said Bills did judge that they were Counterfeit; and thereupon enquired of the said Men how they became possessed of the said Bills, they informed the said Magistrate that they had received them of a Person in Trenton, and requested to have the Liberty of going to the said Person at Trenton, in order to shew their Innocency in the Matter; the said Magistrate refused them that Liberty, until they offered to leave their Packs (which appeared valuable) as a Pledge for their safe Return. The said Packs being thus put in the Possession of the said Magistrate, the said two Men went off, under Pretence of going to Trenton, and returning immediately, but to this Day have never returned; the said Magistrate therefore thinks it proper to make this Advertisement as publick as may be, as well to find out such Enemies to the Government as the Counterfeiters of Money are, as to inform all Persons whom it may in any wise concern, that the said Packs of Linen, &c. unless they be properly redeemed, will on Thursday, the first Day of September next, at Princetown, be sold by publick Vendue, and, after paying the Charge of this Advertisement, and Sale, the Surplus of the Money arising therefrom will be put in the Hands of the Overseers of the Poor of the Western Precinct of the County of Somerset.

‡ JOHN STOCKTON.

*TO be sold, by Thomas Kemble, the Plantation whereon he now lives, in Burlington County, West-Jersey, lying on the Road that goes from Burlington to Mountholly, about four Miles from the former, and three from the latter, containing about 460 Acres of good Land, about 150 Acres of which has been plowed for some Time; also about 50 Acres of good Meadow, which has been mowed some Time, and 40 more may be easily made; all the rest of the said Tract is well timbered; there is on said Place a good large Dwelling-house and Kitchen, with a good Well at the Door, a large Barn, and sundry other Buildings, with three good bearing Orchards, containing between 4 and 500 Trees; also another young Orchard, containing 500 Trees, which is beginning to bear: Said Place is exceedingly well watered, and lies within two Miles of Ancocus Creek, from which any Flat or Boat may go to Philadelphia. Any Person inclining to purchase said Plantation may apply to the Subscriber, where they may know the Conditions, which will be very easy for the most Part of the Money, that the said Place may be sold for.* THOMAS KEMBLE. * 3 *Ms.*

Just imported from London, in the Ship Betty Sally, Captain Snead, and to be sold by

WILLIAM WEST,

At his Store, the next Door to Mr. Samuel Neave's, in Water-street,

A LARGE assortment of scarlet, blue, green and cloth coloured fine, super and superfine broadcloths, rattinets and shaloons, tammies, durants, camblets, calimancoes and worsted damasks, ozenbrigs, cotton and linen checks, calicoes, cambricks and lawns, muslins, black taffeties, cotton romals, lungee and new silk romals, buckram, buttons and mohair, mens and womens worsted hose, mens brown and white thread ditto, ribbons and firrets, silk, thread and cotton laces, bobbins and tape, writing paper, sewing silks, white and coloured threads, fine worsted bindings, pepper, nutmegs, cinnamon, cloves and mace, and a large assortment of cutlary, haberdashery, and other goods, too tedious to mention. Tbetf.

WALTER FYSON, who lived formerly at *Snailwell*, near *Barnwell*, or *New Market*, that was a Farmer, and afterwards followed the Trade of a Woolcomber; if he be living, and will direct a Letter to *Samuel Berry, Bristol*, he may hear of an Estate that is fallen to him of the Value of TWENTY-SEVEN THOUSAND POUNDS STERLING. Any Person that can give Notice of the Place of his Residence to *Samuel Berry*, shall receive a Reward of ONE HUNDRED POUNDS STERLING; or any Person that can prove him to have been alive within five Years, or of his Death, shall receive TWO HUNDRED POUNDS STERLING of SAMUEL BERRY.

VERY good LAMPBLACK sold at the *New-Printing-Office.*

WHEREAS ANN GREADY, Wife of JAMES GREADY, and Daughter of JAMES PURTLE, of New-London, in Chester County, with three of her Children, were carried off, on the second Day of July last, from York County by the Indians; the said James Purtle, for Encouragement of such as go out on Scouting Parties, or otherwise, against the Indians, will give the Sum of FIFTY POUNDS Currency to any Person or Persons who will bring back his said Daughter Ann Gready, and her three Children, viz. Elisha Gready, ten Years of Age, Jane of six, and Mary of three Years of Age, alive, or TEN POUNDS for each of the Children, and TWENTY POUNDS for the Mother.

The. JAMES PURTLE.

## *To be SOLD or LETT,*

A PLANTATION, situate in Haverford, Chester County, about seven Miles from Philadelphia, containing 376 Acres, of which about 200 Acres cleared, 40 of which is good Meadow, in English Grass, and more may be made. The whole may be watered. A good Orchard, with 600 young Apple Trees, mostly grafted with the best Sorts of Fruit; a good Stone House, Barn, and Spring-house, and other Out-houses, all in good Repair; the Woodland well timbered, and well supplied with Springs, and a good Creek running through the same, with 55 Feet Fall on the said Land, and the whole Land fenced and ditched in. Any Person inclining to purchase the said Plantation, paying one Quarter Part down, may have Credit for the other three Parts, paying Interest. For further Terms, enquire of John Wilcocks, in Philadelphia.

N. B. A Man and his Wife, the Man understanding Farming, and his Wife a Dairy, may hear of Encouragement, by applying to the said John Wilcocks.

*Philadelphia, August* 11. 1757.

WHEREAS Edey, the Wife of Isaac Anderson, of Pilesgrove, in Salem County, hath eloped from her said Husband, and for some time past hath behaved herself in a very disorderly Manner; this serves therefore to forbid all Persons from trusting her on his Account, for he will pay no Debts of her contracting from the Date hereof.

ISAAC ANDERSON.

ALL Persons indebted to the Estate of Thomas Morgan, Esq; late of Chester, deceased, by Mortgage, Bond, Speciality, Note, Book Debt, or otherwise, are desired to make speedy Payment, or they may expect to be sued: And those who have any Demands against the said Estate, are desired to bring in their Accounts, that they may be settled by

JOSEPH ASHBRIDGE, and JOHN TAYLOR, Administrators ¶

RUN away, the 31st of July last, from the Subscriber, living in Cecil County, near New London, a Servant Woman, named Jane Dagnon, is middle sized, of a swarthy Complexion, has dark brown Hair, splay Feet, stoops as she walks, speaks pretty good English, and came in with Captain Falls last June from Ireland: Had on and with her, when she went away, an old brown Camblet Gown, old quilted Petticoat, Calicoe Bed Gown, new Check Apron, two Pair of Shoes, one Pair Stockings, blue and white, two coarse Shifts, the Pattern of a Gown of light coloured Stuff, striped and checkered. Whoever takes up and secures said Servant, so as the Owner may have her again, shall have *Twenty Shillings* Reward, and reasonable Charges paid by JOHN MACKEY. ⊕

*STRAYED away from the Subscriber, living in Bethlehem Townshit, on the first Day of June last, a black Horse, with a small Star in his Forehead, and three white Feet, two behind, and one before, is three Years old, about fifteen Hands high, branded on the near Buttock* BM. *Whoever takes up said Horse, and brings him to Easton to Adam Yoke, or to the Owner, shall have Forty Shillings Reward, and reasonable Charges, paid by* JACOB AMRIGHT. ¶

*RUN away, on the 28th of July, from the Subscriber, living in Chestnut Level, near Susquehanna, an Irish Servant Man, named James Casego, a down looking Fellow, speaks much on the Brogue, has short black Hair, which grows low in his Forehead, a little freckled, about 5 Feet 5 Inches high, his Legs seem much swelled near the Ankles, has never been shaved, about 20 or 21 Years of Age: Had on when he went away, an old under Jacket, with small flat white Metal Buttons, and a half worn upper Jacket, of a dark winstone, with carved white Metal Buttons, a half worn Felt Hat, old coarse Shirt and Trowsers, old Leather Breeches, and it is supposed very bad Shoes. Whoever takes up said Servant, and secures him, so that his Master may have him again, shall have* Twenty Shillings *Reward if not inlisted, paid by me* JOHN MITCHELL. ¶

*Middletown, Monmouth County, East New Jersey, Aug.* 1, 1757.

RUN away from the Subscriber the First of January, twelve Months past, a Negroe Man, named Cato, who has since his Elopment changed his Name seve al times: Had on when he went away, a Pair of Buckskin Breeches, fine brown Linen Shirt, a plain made whitish Camblet Coat, dark Yarn Stockings, new Shoes, and a Wool Hat. He is a stout well set Fellow, understands Husbandry in all its Parts, an excellent Hand with a Scythe in Grass or Grain, speaks English as well as if Country born, and pretends to be free. Underneath his Right-shoulder Blade he was branded in Jamaica when a Boy with the Letters BC, which are plain to be seen. He plays poorly on the Fiddle, and pretends to tell Fortunes. It is supposed he has a forged Pass. Whoever secures the said Negroe, so that his Master may have him again, shall receive a Reward of FIVE POUNDS, and reasonable Charges, paid by RICHARD STILLWELL. ¶

*Philadelphia, July* 19, 1757.

*BY Virtue of a Writ to me directed, on Wednesday, the 17th Day of August next, at 3 o' Clock in the Afternoon, on the Premises, will be exposed to Sale, by publick Vendue, a certain Messuage, Plantation, and* 118 *Acres of Land, situate in the Northern Liberties, well improved, with good Meadow and Orcharding, and the most extensive Prospect near Philadelphia, bounded by Schuylkil and Land of Marcus Garret, William Palmer, and John Renshaw, and rents at present for Thirty Pounds per Annum; a road leading from Garrigues's Ferry to Germantown runs through it, as also a fine Run of Water, and good Springs; late the Estate of George Palmer, seized and taken in Execution by* JAMES COULTAS, *Sheriff.*

Now fitting out for a Cruize against His Majesty's Enemies, and will sail in ten Days,

The SHIP
*SPRY*,
SAMUEL BAYARD
Commander;
Mounts 20 Carriage, and 20 Swivel Guns, and to carry 150 Men. All Gentlemen Sailors, and others, who are inclined to enter on board, may see the Articles at *George Hawkins's*, in *Front-street*.

*Philadelphia, August* 4, 1757.

BY Virtue of a Writ to me directed, on Monday, the 15th Day of August instant, about Three a Clock in the Afternoon, at the House of Richard Hughes, in Lower Merion, will be exposed to Sale, by publick Vendue, 100 Acres of Land, situated in Lower Merion aforesaid, adjoining Land of Robert Jones; late the Estate of Abraham Musgrove, seized and taken in Execution by JAMES COULTAS, Sheriff.

*Now fitting out, and will sail in ten Days, for the Protection of the Trade of this Province,*

The SHIP
PENNSYLVANIA FRIGATE,
JOHN SIBBALD,
Commander;
A fine Vessel, about nine Months old, a prime Sailer, and mounts 26 Guns, Nine and Twelve Pounders, to carry 150 Men. Those inclined to enter on board said Ship, may see the Articles at Mr. M'Intire's, at the Sign of the Ship Pennsylvania, the Corner of Pewter-Platter-Alley, in Front-street.

GOOD Cartridge Paper, and Pasteboard for Bookbinders' to be sold at the Post Office.

*Philadelphia, July* 26, 1757.

BY Virtue of a Writ to me directed, on Monday, the 22d of August next, about three a Clock in the Afternoon, at the House of Thomas Harper, in Kensington, will be exposed to Sale, by publick Vendue, two Tenements and Lots of Ground, situated in Hanover Street, in Kensington aforesaid, each Lot containing 50 Feet front, and 435 Feet in Depth. And also one other Lot of Ground on Germantown Road, being 55 Feet front, and containing 36 Perches and a Half, unimproved, late Part of the Land of John Rigley, and late the Estate of Thomas Hill, seized and taken in Execution by JAMES COULTAS Sheriff.

*Philadelphia, July* 26, 1757.

BY Virtue of a Writ to me directed, on Tuesday, the 23d Day of August next, about three a Clock in the Afternoon, on the Premises, will be exposed to Sale, by publick Vendue, the Lease of two Tenements, and Lot of Ground, for eleven Years and upwards, situated in Front street, in the City of Philadelphia, the Corner House on an Alley, commonly called M'Comb's Alley, subject to a Groundrent of Fifty Shillings per Annum, late the Estate of Edward Williams, seized and taken in Execution by JAMES COULTAS Sheriff.

JUST imported from Barbadoes, and to be sold by JOSEPH MARKS, A Parcel of likely Negro Boys and Girls. - - - Also Rum, Claret, and preserved Tamarinds.

To be SOLD reasonable, by

## *GURNAY WALL,*

At his Store, next Door but one to the Queen's Head, in Water-street,

RUM, Sugar, Black Pepper, Nutmegs, Cloves, Mace, Wool Cards, Bar Lead Shot, and a Variety of Dry Goods.

READY Money for clean LINEN RAGS, at the *New-Printing-Office*, in *Market-street, Philadelphia.*

CAME to the Plantation of William Shute, about the first of July, a pied Milch Cow. The Owner may have her again, by describing her Marks, and paying the Charge of this Advertisement. ¶ WILLIAM SHUTE.

## To be SOLD,

A LIKELY Negroe Woman, that has had the Small-pox, and is fit for Town or Country Business. Enquire at the New-Printing Office.

STRAYED or stolen from the Subscriber hereof, living at the Crooked Billet, some time in May last, a black Mare, a natural Pacer, about thirteen Hands and a Half high, with her Mane trimmed, and was grown to a great Height, is branded on the near Shoulder, but uncertain what. Whoever brings her to the Billet, or secures her, so that the Owner may have her again, shall have *Ten Shillings* Reward, and reasonable Charges, paid by me JOHN WRIGHT. ¶

*Philadelphia, July* 27, 1757.

RUN away from the Subscriber last Night, a Welsh Servant Man, named John Williams, by Trade a Taylor, about 37 Years of Age, of a dark Complexion, pretty much Pock-marked in the Face, his Right leg shorter than his Left, had a large Scar in his Face, and another in the Back Part of his Head, and is a great Snuff-taker: Had on when he went away, a Felt Hat, old brown Wig, lightish coloured Saggathy Coat, with three Holes in the Flaps, an old white Jacket, without Sleeves, a black Pair of everlasting Breeches, with black Horn Buttons, one Pair of Thread, and one Pair of milled Yarn Stockings, a Pair of old Shoes, and two white Shirts. He was a Soldier all last Winter in the first Battalion of Royal Americans, and discharged on account of his Lameness, as being unfit for the King's Service. He is much given to Liquor, and says he served his Time to Colonel Lightfoot in Virginia. Whoever takes up the said Servant, and secures him, so that his Master may have him again, shall have *Thirty Shillings* Reward, and reasonable Charges, paid by

WILLIAM CRAIG.

N. B. All Masters of Vessels are forbid to carry him off at their Peril. ¶

ALL Persons indebted to the Estate of the late Reverend Mr. Peter Brownholtz, deceased, are desired to pay; and those who have any Demands against the said Estate, to bring in their Accounts, that they may be adjusted and paid by

JACOB GREFF, Executor.

N. B. Those who borrowed any Books of said Mr. Brownholtz, are desired to return them; likewise those who lent him any, are desired to send for them.

RUN away, on the 17th inst. from George Nyce, Tanner, living in Frederick Township, or Falkner's Swamp, in Philadelphia County, a Servant Lad, named Philip Glaser, about 17 or 18 Years of Age, of a middle Size, has strait black Hair, little Eyes, thin Face, swarthy Complexion, and pretends to be a Horse Doctor: Had on when he went away, a Six Shilling Wool Hat, white woollen Jacket, a Pair of Check Trowsers, and Calfskin Shoes, with Brass Buckles; he also carries a Gun, which he bought in his Travels. Whoever takes up and secures said Servant, so as his Master may have him again, shall have Twenty Shillings reward, and reasonable Charges, paid by

¶ GEORGE NYCE.

To be sold by

## *JOHN LEACOCK, Goldsmith,*

At the Sign of the Cup, in Front-street, Philadelphia;

VARIETY of Silver-mounted Small Swords, either chased, gadroon or fluted, or plain, neat green Silk Sword Belts, with Locks and Buckles, neat German etched Sword Blades, with large Shoulders, and half hollow Scabbards, Coral for Children's Whistles and Bells, Crucibles, blue Pots, Chapes and Tongues, Piercing and Kneedle Files, Gold Scales and Weights, Brass Instruments, a new Invention to essay Gold, with Books of Directions. Likewise all Sorts of Gold and Silver Work as usual, at the most reasonable Rates. ⊕

## *JOHN BAYLY,* Goldsmith,

IS removed from the House wherein he lived in Front-street, to the House where Mr. Charles Meredith lately lived, at the Corner of Front and Chestnut streets, at the Sign of the Teapot where he carries on the Business as usual. The.

*Just imported in the last Ships from London, and to be sold by*

## *PETER TURNER, junior,*

*At his House in Second street, near Norris's Alley.*

AN ASSORTMENT of European and India Goods. N. B. To be lett by the said Turner, the House and Stores on the East-side of Front-street, opposite Mr. John Armit's, late in the Tenure of Mr. Samuel Purviance.

*Also the House on the North side of Walnut-street, between Front and Second-street, late in the Tenure of Mr. James James.*

*Philadelphia, July* 28. 1757.

ALL Persons indebted to the Estate of William Assheton deceased, are desired speedily to pay the same; and those who have any Demands against the said Estate, are desired to bring in their Accounts, that they may be settled and discharged by me his Executrix. SUSANNAH ASSHETON. ⊕

STOLEN or strayed, on the 27th of June last, at Night, from the Subscriber, living at the Sign of the New White Horse, in Whiteland Township, Chester County, on the Great Conestogoe Road, a bright bay Mare, two Years old past, upwards of 14 Hands high, black Mane and Tail, has a Star in her Forehead, has been lately cocked, paces and trots, has neither Brand nor Ear Mark, and had a Pair of Iron Hopples on. Whoever secures said Mare, and the Thief, if stolen, so that he may be brought to Justice, shall have Three Pounds Reward, but if the Mare only, Thirty Shillings, and reasonable Charges, paid by JOHN NEALLY. IOW. ⊕

WRITING, Arithmetic, Merchants Accompts, Navigation, Surveying, Mensuration, Gauging, &c. with the Use of the various Instruments necessary for practising the above Arts, are carefully taught by JOSEPH STILES, and WILLIAM RANSTED, at the Old School-house, in Arch street, near the George Inn. By whom Youth are boarded, and fitted for Trade and Business. ⊕

STRAYED or stolen from John Bucky, of Germantown Taylor, on the 19th inst. a dark brown Mare, about 14 Hands high, branded S U on the near Shoulder, has a small Star, about seven Years old, and had a Lock on her fore Left Foot. Whoever takes up said Mare, and brings her to the Owner, shall have Fifteen Shillings Reward, and reasonable Charges, paid by

¶ JOHN BUCKY.

ALL Persons indebted to THOMAS CAMPBELL, are required to make speedy Payment, otherwise they will be proceeded against as the Law directs, without any further Notice. And all those who have any Demands against him, are desired to bring in their Accounts, and they shall be immediately paid.

Said Campbell has now on Hand, a large Assortment of fine fresh Gold and Silver Lace, Gold and Silver Buttons Threaded Frogs, Chain, Cords, Vellum, &c. &c. Likewise a large Assortment of East-India and European Goods, which he now sells at the very lowest Rates, as he intends leaving off Shop-keeping in a very short Time. ¶ 5s. Thcf.

LATELY came to the Plantation of James M'Kisery, of Nantmell, in Chester County, a large black Horse. The Owner proving his Property and paying Charges, may have him again.

## To be SOLD,

By Robert Lawrence, in Upper Freehold, in Monmouth County, in New-Jersey,

THREE Plantations of good Land, with a Dwelling-house, Barn and Orchard, on each of them, and are very well accommodated with rich Meadows, lying near the Houses. If any Person or Persons are inclined to purchase all, or any Part of the said Lands, to be taken off said Plantations in such Manner as may best suit, they may come and view the Premises before the 17th Day of August next. If not sold before, the said Robert Lawrence will then expose the said Lands to Sale by publick Vendue, at his Dwelling-house, at Ten of the Clock in the Morning, on Wednesday, the said Seventeenth Day of August next, where the Conditions of the Vendue may be seen. One of the said Plantations lies within Half a Mile of Allen's-Town.

*July* 5 1757. ROBERT LAWRENCE. ¶

LOST about a Month ago, in Philadelphia, a worked Pocket-Book, with *William Farr*, 1750. on it; it contained a good many Notes of Hand, payable to Abigail Pederow, and several Papers, of no Use to any Body but the Owner. Whoever brings it and the Papers to Abigail Pederow, shall have a Dollar reward, and any small Bills that were in it. ¶

Philadelphia, July 11, 1757.

BY Virtue of a Writ to me directed, on Saturday, the 20th Day of August next, about 3 o' Clock in the Afternoon, on the Premises, will be exposed to Sale by publick Vendue, a commodious Stone Messuage, Plantation, and 24 Acres and a Half of Land, a good Barn, young Orchard, and a choice Well of Water, situate on Chestnut-hill, in Germantown Township, Part of the Land well timbered, and a choice Piece of Clover and Timothy Grass, about 5 Acres; a convenient Situation for a Store or Tavern, or for a Gentleman's Country Seat; late the Estate of Edward Steel, deceased; seized and taken in Execution, by JAMES COULTAS Sheriff.

*Just imported in the Betty Sally, Captain Snead, the Royal American, Captain Tillet, from London, and to be sold by*

## SAMUEL HASELL,

At his Store in Front street, next Door to John Mifflin, Esq;

OZenbrigs, 9 8ths and 4 wide Irish sheeting, 7 8ths and 4 yard wide Irish linens, 3 quarter, yard wide, 7 8ths, and 3 8ths linen Checks, cotton hollands, thick sets, eyed pillows, dyed Jeans, dowlas, 7 8ths and yard wide garlix, single and double silesias, long and broad lawns, printed calicoes, India chints, black taffeties, 5 qr. and 6 qr. muslins, black light, and cloth coloured sewing silk, ribbons, spotted and bordered bandanoes, silk romals, rosen handkerchiefs, paper, pins, white blue and red tammies, black, blue, and green calimancoes, shaloons, nutmegs, cloves, mace, and black pepper, &c. also an assortment of cutlary. *

Imported in the Betty Sally, Capt. Snead, the Royal American, Capt. Tillet, and the last ships from Liverpool, and to be sold by

## *CONYNGHAM and NESBITT,*

At their Store, in Market-street,

TEN and eleven nail and 3 q. linen checks, 7 eights, yard wide, yard and 3 eights, and 6 qr. cotton and linen checks, plain, figured and corded demities, coloured thread, Holland and Manchester tapes, gartering, ferrets, shoe binding, laces, 3 q. 7 eights, and yard wide Irish linen, cambrick in pieces and patches, long lawns, clear, striped, flowered and spotted lawns, ozenbrigs, ticklinburgs, Russia and ravens duck, Princes and Russia corded linen, linen handkerchiefs, printed and Kenting handkerchiefs, bordered napkening and clouting diaper, huckaback, fine all wice sheeting, diaper and damask tablecloths, mens, womens and boys brown and white thread and cotton hose, mens white silk hose, black, buff and scarlet worsted patterns of Breeches, 6 q. muslins, spotted and bordered bandances, silk and cotton romals, black and coloured China taffeties, ell wide Persians, a variety of printed calicoes and cottons, nankeens, womens shoes, crimson and yellow paragon and lace for beds, cotton velvets, forrest and broadcloths, felt hats, horn combs, powder and inkhorns, &c. Also muscovado sugar by the barrel.

[ *See the Half-sheet for the other Advertisements.* ]

*August* 18, 1757. NUMB. 1495.

# The PENNSYLVANIA GAZETTE.

*Containing the Freshest Advices, Foreign and Domestick.*

A LIST of LETTERS remaining in the Post-Office, in Philadelphia, viz.

A
William Allen, *Phil.*
Martin Ashburn, *do.*
Nicholas Appleton, *do.*
Nicholas Austin, *do.*
Thomas Albertson, *do.*
David Allen, *Fogs Manor.*
Mary Anderson, *Whitemarsh.*
George Anderson, *Cumb. Co.*
Adam Alexander, *Chest. Co.*
Samuel Askwith, *Pennsylv.*

B
Hannah Beaty, *Phil.*
Robert Bell *or Mr.* Craig, *do.*
*Capt.* Jacob Bromwell, (2) *do.*
*Capt.* Benjamin Binney, *do.*
Alexander Bell, *do.*
James Boland, *do.*
John & Robert Blair, *Pennsyl.*
Robert Bell, *do.*
Lawrence Brown, *do.*
David Brooks, *Merion T.*
Hugh Bare, *Manor of Morel.*
John Barrow, *do.*
James Brice, *Rapho Townsh.*
John Buyers, *West Notting.*
William Buchanan, *do.*
Clayton Biddle, *Chest. Co.*
*Rev. Mr.* Bellamy, *Bethlehem.*
Jer. Baker, (4) *Salem.*
Jer. Bennet, (2) *West N. Jer.*
Petrus Brainer, *do.*
Thomas Boore, *do.*
John Bewgin, *do.*
John Black, *Fogs Manor.*
Edward Beek, *Bucks Co.*
William Boucher, *Sussex Co.*
Arch. Brownlee, *Mount Mebo.*
John Bard, *Wilmington.*
Isabella Burrows, *Kent Co.*
George Brunor, *Point-no-P.*

C
Ann Crosbie, *Phil.*
Elizabeth Clampffer, *do.*
John Craft, *do.*
Margaret Class, *do.*
James Connor, *do.*
John Corpe, *do.*
David Condon, *do.*
John Crosland, *do.*
Nathan Cook, *do.*
Mary Castiline, *do.*
John Carpenter, *Glouc. Co.*
John Clemson, *Pequea.*
James Clark, *Lancast.*
John Cros, *do.*
William Clindenin, *Octoraro.*
William Craghton, *Lanc. Co.*
Margaret Campbell, *Newp.*
Arch. Craunford, *Fishing Cr.*
Col. B. Chambers, *Conecoch.*

D
James Delson, *Phil.*
William Danielson, *do.*
John & Eliz. Dean, *do.*
Andrew Daly, *do.*
John Delap, *do.*
Catherine Donnahan, *do.*
Donaldson & Badger, *do.*
William Danielson, *Darby.*
Peter Dawson, *Newcast. Co.*
Isaac Dushane, *do.*
John Douglas, *Lancast. Co.*
Rachael Dawson, *L. derry T.*
James Durnel, *Chest. Co.*
Ezekiel Downey, *Duck-Cr.*
Sampson Davis, *Conestogoe.*

E
John Elliot, (2) *Whitemarsh.*
Elizabeth Edger, *Darby.*
James Eakin, *Notting.*
William Ewins, *Lan. Co.*

F
James Fitchet, *Phil.*
John Frazier, *do.*
Pat. Ferguson, *do.*
Robert French, *Chest. Co.*
Andrew Fullerton, *do.*
Zacharias Ferris, *Wilmingt.*
Mr. Fitzomans, *Chr. Br.*
John Finley, *Cumb. Co.*

G
John Gibbs, *Phil.*
James Gray, *do.*
John Gardner, *do.*
James Gibson, *do.*
Thomas Garling, *do.*
*Capt.* ---- Gmelin *do.*
John Garrson, (2) *Newcast.*
Richard Gibbs, *Bucks Co.*
Ann Gibbons, *Lancaster.*
James Gellmore, *N. Read. F.*
William Gladnay, *Nesham.*
William Green, *Duck Cr.*
Thomas Girvan, *Middle Oct.*
James Grehame, *Chest. Co.*
John Garvan, *do.*
Michael Grig, *do.*
William Godfrey, *do.*
Wm. Greasberry, *Newoc. Co.*

H
William Harris, *Phil.*
James Hutchison, *do.*
*Mr.* ---- Harrow, *do.*
Thomas Havenor, *do.*
Anthony Harle, *do.*
Susannah Howell, *Gloucester.*
Thomas Hoop, *Whiteclay Cr.*
William Hays, *Wilmington.*
William Hannew, *Newcast.*
Patrick Hewes, *do.*
Arch. Haney, *St. Georges.*
Elizabeth Howard, *Kent Co.*
Mary Hook, *Lewis To.*
Ryves Holt, *do.*
John Hall, *Bucks Co.*
Robert Hay, *Donegall.*
John Hathorn, *East Notting.*
Jacob Hugans, *York Co.*
Alice Holland, *Glouc. Co.*
Jane Hartley, *Bethel.*

I
Jane Jones, *Phil.*
John Jones, *do.*
Mary Israel, *do.*
George Johnston, *Bucks Co.*
Amos Jaferies, *Brandyw.*
Nathaniel Johnston, *N. Jer.*
Mary Johnston, *Kent Co.*
Samuel Johnston, *Haverford*

K
Thomas Kerby, *Phil.*
Catherine Kane, *do.*
Hugh Kirnan, *Schuylkill.*
James Kelly, *Whiteclay Cr.*

L
Thomas Lewis, *Phil.*
John Lamant, *do.*
William Love, *do.*
Susannah Loudon, *do.*
Charles Lowndes, *do.*
Richard Longmead, (2) *do.*
Sarah Linden, *do.*
John Lister, *do.*
George Lewes, *do.*
Thomas Lungley, *Bucks Co.*
James Laird, (2) *Octoraro.*
John Robinson, *Muddy Cr.*
Thomas Littler, *Wilmingt.*
Robert Lewis, *do.*
Robert Littel, *Christeen Br.*
James Lynch, *Newcast. Co.*
Nicholas Lysaght, *New-Jer.*

M
James M'Alister, *Phil.*
Alice Magill, *do.*
John Miller, *do.*
Bryan M'Donough, *do.*
Randle & Alex. Mitchell, *do.*
John Mackey, *do.*
William Morton, *do.*
Isaac Mondochog, *do.*
Robert M'Kuim, *do.*
*Capt.* Thomas Mitchell, *do.*
James M'Kown, (2) *Octora.*
Ann Martin, *Pennsylv.*
James M'Cormick, (2) *Fallo.*
Ephraim Missico, *Somerset Co.*
*Dr.* M'Neil, *Newcastle Co.*
Eliz. & Ann M'Geach, *do.*
*Capt.* James Mitchell, *do.*
Richard M'William, *do.*
John Micktrick, *Northamp.*
John Malley, *Chest. Co.*
David Morrison, *do.*
Agnes M'Nabb, *do.*
James Magavock, *Fishing Cr.*
James Maxwell, *New Lond.*
Nicholas Moon, *Brandyw.*
William Murray, *Lanc. Co.*
Alexander M'Coy, *do.*
Samuel Maise, *Lancast.*
Th. Montgomery, (3) *Chr. Br.*
Elizabeth Mitchell, *Conewa.*
Samuel Moore, *West N. Jer.*
James Maxwell, *West Notting.*
Wm. M'Crochan, *Bucks Co.*

N
John De Nyce, *Phil.*
Richard Nicholas, *Phil. Co.*
Thomas Noon, *Lancast.*
Joshua Newborough, *Wilmin.*
Dianah Nanner, *Lewis To.*
Michael Noar, *West N. Jer.*

O
Christopher Obrian, *Pennsyl.*

P
William Pearne, *Phil.*
Patt. Poulson, *do.*
Peter Parry, *do.*
John Penfonby, *do.*
William Porter, (2) *do.*
William Parr, (2) *near do.*
Giles Pagan, *near do.*
Thomas Peet, *near do.*
John Patton, *Nottingham.*
John Paisley, *Lancast. Co.*
Jer. Parvin, *Piles-grove.*
Joseph Poole, *Bucks Co.*
Thomas Penny, *Lancast. Co.*
James Piper, *Cumb. Co.*
Hester Pooley, *do.*
John Porter, *W. Jersey.*
John Patterson, *Baskinridge.*

R
*Capt.* Thomas Ross, *Phil.*
Samuel Reed, *do.*
*Mr.* Reyn, *Pennsylv.*
James Robinson, *Chr. Br.*
John Resid, *New Londonder.*
James Read, *Esq; New Lond.*
Thomas Richart, *Chest. Co.*
James Ross, *York Co.*

S
John Jacob Speise, *Phil.*
Thomas Steen, *do.*
Richard Smith, *do.*
John Summerset, *do.*
Jacob Statman, *do.*
Mary Sullivan, *do.*
Grace Smith, *do.*
Lewis Scothorn, *Merion To.*
James Sample, *Lanc. Co.*
Mary Steenin, *Mid. Octora.*
Robert Smith, *Horsham.*
Samuel Shevers, *Racoon Isl.*
John Stuart, *Brandywine.*
Isaac Sweany, *Chest. Co.*
Rachel Schofield, *Bucks Co.*
Jos. Sacket, *do.*
Hester Smith, *Newcast. Co.*
William Spencer, *do.*
Robert Story, *do.*
Anne Smart, *E. New-Jersey.*

T
Charles Townsend, *Phil.*
Robert Tomlinson, *do.*
James Taylor, *do.*
Richard Thomson, *do.*
Rob. Thompson, *Whiteclay Cr.*
Alexander Thompson, *Lower County.*
*Rev.* Wm. Tennent, *Monmo.*
Benjamin Tanner, *Hopewell.*
James Thompson, *Chest. Co.*
Edward Test, *Salem.*

V
*Capt.* Wm. Vinning, (2) *Phil.*
John Veasey, *Chest. Co.*

W.
Andrew Willabee, *Phil.*
Stephen Wanton, *do.*
Engineer Wise, *do.*
John Wiseman, *do.*
John Wood, *do.*
*Capt.* Woodhouse, *do.*
Mary Wheldon, *do.*
*Capt.* John Wade, *M. Hooke.*
John Wolston, *Bucks Co.*
Margaret Wilson, *do.*
Thomas Wilson, *do.*
Josiah Wallace, *Lancast. Co.*
Israel Williams, *Glouc. Co.*
Sarah Williams, *Mountholly.*
David Wiley, *London Grove.*
Sarah Williams, *Ma. of Morel.*

---

*Worcester, May* 12. On Saturday last a great Number of Persons, chiefly Women, assembled in our Corn-Market, and after a stout Engagement with the Farmers, ripped open several Bags, and carried off the Wheat in their Hats, Aprons, and Petticoats; in particular, they overturned a Waggon which had eight or ten Bags in it, and upon which several Persons were sat in order to protect it, but upon finding the Waggon move, they jumped off. The Mob are the more to be condemned for their Proceedings, because the Wheat they took was the Property of Persons who have constantly brought their Grain to publick Market, instead of selling it by Sample, or at their own Houses, to Badgers, Millers, &c. To prevent the like Riots for the future, an additional Number of Constables are sworn into Office, who are to attend the Market every Saturday, and if necessary, they will be assisted, on the shortest Notice, by the Soldiers quartered in this City.

A like Riot happened at Stowerbridge Market on Friday last.---And, within these few Days, great Outrages have been committed at Bewdley and Kidderminster, and other Places in that Neighbourhood, where the Mob ransacked all the Warehouses, Mills, &c. and likewise way-lay'd on the Roads thereabouts great Quantities of Corn and Flour, which they carried off in Triumph.---The Terror this Mob had put the Inhabitants of Bewdley in, occasioned ('tis said) the Gates of that Town to be since kept shut, lest they should be visited a second Time, and no Strangers suffered to enter 'till after an Examination. But as the Inhabitants have now armed themselves, and taken other Methods for their Security, and are determined to maintain their Property at the Hazard of their Lives, there is but little Probability of Success in any future Attempt to invade it.

*York, May* 10. We hear that Whitby, Scarborough, Sunderland, Hartlepool, Cromer, and Tinmouth Castles, have fixed on Signals, to be hoisted on the Discovery of Privateers; viz. on Whitby South Cliff they hoist an Ensign, if a Privateer to the South; a Pendant, if to the North; and if right off, as they sometimes are, a Pendant above the Ensign. The Lords of the Admiralty have given Orders to the Commanders of his Majesty's Ships of War carefully to observe those Signals.

*Bath, May* 9. From all Parts of the Country, we hear of great Insurrections among the common People, on Account of the Dearness of Corn, *&c.*

*Charles-Town (South-Carolina) July* 7.

Yesterday the General Assembly of this Province adjourned 'till September next; having finished the Business of this short but important Sitting, by passing the following Act, to which His Excellency gave His Assent, viz.

An ACT, granting to his Majesty an Aid of One Hundred and Sixty Thousand Pounds current Money, to defray the Expence of raising, cloathing, and maintaining, for One Year, a Regiment, to consist of Seven Companies of Soldiers, each to be composed of 100 Men besides Officers, Five of which Companies to be employed as well in the immediate Defence of South-Carolina, as in the general Service of North-America, and the two other Companies to be employed wholly in the Defence of this Government; and to discharge the Arrears due to the Provincials garrisoned at Fort Loudoun; and to pay for Six Months Provisions for the said Provincials: And granting to His Majesty, the further Sum of Forty-four Thousand and Three Hundred Pounds, for fortyfying Charles-Town, and repairing and strengthening Fort Johnson: And for stamping Orders for the more expeditious issuing of the said Sums, together with the further Sum of Twenty-five Thousand Pounds heretofore granted to His Majesty for the Use of Fortifications; and providing Funds to call in and sink the said Orders within the Times therein limited.

It is said, that a Society or Association is forming, by the Merchants, and others, in Charles-Town, every Member of which is to deposite a certain Sum, at his Admission, for constituting a Fund (which is intended to be kept up, by Monthly or Quarterly Contributions, as well in Times of Peace as War) from which one or two Vessels of War may, upon any sudden Occasion, be immediately fitted out. Different Plans having been proposed by different Gentlemen, perhaps some Account of them may not be disagreeable to our Readers: Some propose purchasing a good Bermuda Sloop (or Brig) or two, to be compleatly fitted with Cannon, Stores, Small Arms, &c. and held in constant Readiness to put to Sea, keeping a few Men on board to preserve every Thing in Order; so that whenever a Privateer appears on the Coast, there may be nothing else to do but manning and victualling: Others, are for purchasing only Cannon, with all necessary Stores, small Arms, Cutlasses, &c. sufficient for fitting out two Vessels and 150 Men; and for hiring and fitting the Vessels when wanted, if then to be had: And others again, are only for establishing a Fund to hire and fit out one Vessel, when there is an urgent Necessity for so doing. We have no Room at present for more Particulars; but the First Proposal is generally thought the best, for many Reasons but in particular, because it often happens, that there is not One Vessel in the Harbour proper to be fitted out, and also, because His Majesty's Ships cannot at all Times go over the Bar, the Consequence of which we need not mention. If Country-Gentlemen would join in forming this Society or Association, Two Vessels might easily be fitted out, and alternately cruize to protect the coasting Schooners employed in bringing their Produce to Market, &c. And it is thought, that this Scheme will be well relished by the loyal Colleton County Gentlemen, who some Time since set on Foot a Subscription for equipping a Country Vessel of War.

Our last Letters from Georgia, advise, that their General Assembly were then deliberating upon 2 Bills, on Matters recommended to them by Governor Ellis in his Speech of the 16th ult. viz. one for erecting Log Forts, the other, to make that Province an Asylum for Insolvents, &c. for 7 Years; both which, 'twas believed, would pass into Acts.

*St. Jago DeLa Vega, in Jamaica.*

*May* 28. Doctor Lyle, who was convicted last February Court of the Murder of his Partner Doctor Robinson, late of Lucea, was, on Wednesday last, executed on the Gallows near this Town. Just before his departure from Goal, he transmitted the following Lines to the Printers hereof, requesting they might be published to the World.

'WERE I to blame second Causes for that unlucky Accident, I must needs say, that having had perhaps rather too delicate Notions of what is called HONOUR, I was apt to feel too passionate a Resentment, when grosly affronted, altho' I have put up with almost as gross Affronts, as the above-mentioned, without taking much Notice of them; however, I imagine there is a Fatality in these Events, therefore I desire patiently to submit myself to the Will of Providence, which (as we are taught to believe) orders all Events, so as to answer the best Ends and Purposes.

'I hope my unhappy Fate will be a sufficient Warning to all others, never to give Way to Passion, when injured, so far as to allow it to overcome their Reason, it being certainly true, that the Foregiving of Injuries done us by others, is a God-like Virtue, however the World may sometimes brand such Forgiveness with the Name of COWARDICE. I wish I may likewise warn others, never to drink Spirituous Liquors, to inflame their Resentment of an injury; and to endeavour to abolish the pernicious Custom of Duelling; but much rather to preserve their Lives for the Service of their King and Country, and when their Safety requires them, then only to venture Life, or even to lose it bravely in Defence of their Laws and Liberties, and of their religious and civil Rights and Privileges.'

---

*Just published, and to be sold at the* New-Printing-Office, *in* Market-street, (Price One Shilling)

MINUTES of CONFERENCES, held with the *INDIANS* at *Harris's Ferry* and *Lancaster*, in *March, April* and *May*, 1757.

ALSO,

*Just published, and to be sold at the New-Printing-Office, in Market-street (Price 6d.) the two following Laws, viz.*

*AN ACT for striking the Sum of* Fifty-five Thousand Pounds, *the Remainder of the Sum of* One Hundred Thousand Pounds *granted by this Assembly to the King's Use; and for making the same current within this Province. And*

*An* ACT *impowering the Governor to discharge his Part of the Operations of this Campaign, stipulated in Behalf of this Province, between his Excellency* John *Earl of* Loudoun, *and the Governors of the Southern Colonies.*

*Charles-town, South-Carolina, July* 14.

The Day after the Publication of our laſt Gazette, Daniel Pepper, Eſq; late Agent from this Government in the Creek Nation, returned from thence with about 20 Indians, having left every Thing quiet there at the Time of his Departure: The Indians are ſince ſet out on their Return, having received the uſual Preſents, &c. At the Conference they had with the Governor, one of them, who was Brother to one of thoſe ſlain at Ogeachy laſt Year, demanded that a white Man ſhould be put to Death here in his Stead, but was prevailed on to deſiſt from that Demand, to acknowledge he had talked raſhly to His Excellency in aſking ſuch Satisfaction, and had a larger Portion of Preſents given him, with which he went away well pleaſed.

Our faithful Friends and Allies, the Chickeſaws, mentioned in our laſt, are alſo returned for their Country, extremely well pleaſed.

We hear that a Subſcription will be opened in a few Weeks, by ſome Loyal Ladies in this Town, for fitting out a Privateer to annoy His Majeſty's Enemies; and that they are determined to diſpoſe of all their unneceſſary Jewels and other Superfluities, in order to make their Subſcription the more conſiderable: And they have great Hopes, that the Gentlemen will imitate their Example.

The Military Club in this Town, having appointed ſome of their Members to wait upon the Governor, to ſollicit the Uſe of ſome Public Arms, that they might learn the Bayonet Exerciſe; we are informed, that His Excellency received their Application with his uſual Condeſcenſion, applauded their Public Spirit, and was pleaſed to aſſure them, that nothing in his Power ſhould be wanting, to promote their attaining a Proficiency in Military Exerciſes. This Club now conſiſts of about 80 Members, and exerciſes every Thurſday Afternoon, on the Parade near Mr. Lindo's Houſe in Anſonborough.

*July* 21. Letters from Georgia import, That the Spaniards are laying in great Store of all Kinds of Proviſions at St. Auguſtine; to prevent which Place being made a Channel of Supply to His Majeſty's Enemies, the Aſſembly of that Province have reſolved to put a Stop to the carrying of Cattle from hence thither, by an Act, which will ſubject all Cattle or Proviſions to Seizure, that are driven or conveyed to the Southward of Ogeachy: That the Bill for making that Colony an Aſylum for all Debtors that ſhall come thither to ſettle (except from this Province) was in great Forwardneſs, by which the poor unfortunate Debtor will be protected from his mercileſs Creditor for Three Years; A Term ſufficient for almoſt any Man to amend his Circumſtances, in ſo fruitful and healthy a Country, and where other great Encouragement is given to new Settlers. And, that ſeveral other uſeful Bills are likely to paſs there the preſent Seſſion, owing to the Harmony that ſubſiſts between the different Branches of the Legiſlature.

On Friday laſt, a Letter of Thanks, ſubſcribed by all the Merchants of this Town, with a handſome Piece of Plate, were preſented to John Knight, Eſq; Commander of His Majeſty's Ship the Arundel; as a Mark of the Regard they are always ready to ſhew to Officers who honeſtly do their Duty.

By Capt. Roberts from New-Providence, we have Advice, that a Flag of Truce had arrived there from Coracoa, with a general Reclamation of all Dutch Veſſels taken by the Engliſh ſince the Commencement of the War; that the Diſpatches were addreſſed to all their Excellencies, Honours, Governors, Commanders in Chief, and Admiralty Courts belonging to his Britannic Majeſty in the Weſt-Indies; that he had put the Governor of Coracoa's Nephew aſhore at Jamaica, with his Diſpatches, and was returned thither to take him on board; whence he was to proceed directly to Coracoa, and from that to England, that their Embaſſador might lay all their Complaints before the Britiſh Miniſtry.

*July* 28. On Saturday arrived an Expreſs from Fort Loudoun, with Advice, that the Man-killer of Telliquo, had returned thither with his Party, from an Excurſion into New Orleans, whence he brought a Scalp, and a Pack which a Chactaw Runner had dropt upon being purſued, containing ſome Letters, &c.

And from the Lower Cherokees, we have Advice that another Party of that Nation has made Application at Fort Prince George, for a Quantity of Powder and Ball, in order to go out to War.

We have Advice, that there are 3 French Privateers, 2 Sloops, and a Schooner, cruizing to the Southward of Georgia; that they have ſounded ſeveral Inlets; and are victualled from St. Auguſtine.

By Capt. Lyford, we are adviſed, that the Ship Henrietta and Louiſa, Robert Holliday Maſter, from this Port, bound for Antigua and St. Kitts, was taken by 4 French Privateers, and carried into Guadaloupe: And, that there were 55 French Privateers cruizing to Windward of Antigua, moſt of them mounting 6, 8, and 10 Carriage Guns.

The Schooner Charming Sally, James Edgecombe Maſter, from this Port for Jamaica, is taken and carried into Petit-Guava.

*HALIFAX, July* 16.

*We have now in our Harbour* 18 *Line of Battle Ships, about* 10 *or* 12 *Frigates, &c. and near* 200 *Tranſports; alſo about* 16000 *Men encamp'd on the Windmill Hill, and Parts adjacent: Their Appearance is vaſtly grand,----encamp'd on a riſing Ground, whoſe Surface is level'd as even as a Floor,---where they are continually exercis'd, and frequently review'd by his Lordſhip, whoſe Oeconomy is juſtly to be prais'd, as his Pains are indefatigable:----The Troops are all free from any Diſtemper, in high Spirits, and ſeem impatient for Action.---The Fleet ſo well equipt, and the Seamen in ſuch Health and Spirits, as one would think that nothing human could withſtand our floating Caſtles.*

*BOSTON*, Auguſt 4.

By Letters received the Beginning of this Week from Fort Edward, and the Encampment of our Army near that Fort, we have Accounts of ſeveral Skirmiſhes which have lately happened between ſome of our Scouting Parties, and the French and Indian Enemy: The following Particulars are extracted from thoſe Letters, viz.

"That the brave Capt. Putnam having lain ſeven Days at a Place called Eaſt-Bay, in one Spot, without any Succeſs, about 11 o'Clock in the Evening of the 7th of July, the Moon ſhining very bright, his advanced Centries diſcovered a large Number of Battoes paddling up the Creek, whereof the Captain was immediately informed; upon which he and his Company crawled as near the Water's Edge as poſſible, to pay them a Compliment (which by the Way was a rough one) ſome of the advanced Canoes hearing the Cracking of Buſhes on Shore, made a Stop, and thoſe behind paddled up, in order to hold a Council of War, which gave Putnam a fine Shot, and which he embraced, as it is thought, greatly to his Advantage, as there were Numbers fell over into the Water, and after the Canoes landed on the other Side of the Creek or Bay, ſeven Roods wide, the Groaning of the Wounded was ſo great, that the Yells of the others could not prevent its being heard: The Fire continued five Hours, during which Time the Enemy (being 400 in Number) detached ſundry Parties to croſs the Creek, both above and below where the Fire began; but proper Precautions being taken, they were beat back both Times: Towards Day ſome of them found Means to get over, and our Party being weakened, by being obliged to ſend off 12 Men to carry three who were wounded in Action, and having expended all their Ammunition, which was at leaſt 24 Rounds a Man, were obliged to retreat, and got all into Fort Edward ſafe, excepting the three wounded Men, whom the Party were obliged to hide, being cloſely purſued; but the Enemy ſoon found and ſcalped one, and took the other two Priſoners, which we hear they carried in alive. Capt. Putnam's Party conſiſted of 60 only, and theirs it is certain upwards of 300. What Numbers the Enemy had killed is very uncertain; a French Priſoner, lately taken, ſays about 20 killed and wounded; but it is reaſonable to ſuppoſe double that Number. There was but one Frenchman among them that were killed, and he a Subaltern, who was ſhot the firſt Fire.

Upon the Return of Capt. Putnam and his Party to the Fort, Col. Lyman with a large Party went in Purſuit of the Enemy; but having been as far as South-Bay, and not diſcovering any of them, returned again: Several of the Enemy's Battoes lay where the Action happened, having ſo many Shot-Holes in them as to render them entirely unſerviceable.

On Tueſday the 19th of July, Lieut. Dormant, belonging to the Bay Forces, went from the Camp near Fort Edward, with a Party of 40 Men, on a Scout towards South Bay, and diſcovering a Party of French and Indians juſt ready to attack him, immediately got ready to engage them; but before he could have an Opportunity to fire, was ſhot through the Head by the firſt Fire of the Enemy, and died on the Spot: His Party made the greateſt Haſte poſſible, and returned ſafe to the Fort. [*This is the Affair in which it was mentioned in the New-York Papers, that* 19 *of the Party were killed; which proves a Miſtake, the Men being too much intimidated to fight after their Officer was killed.*]

On the 23d of July, between 8 and 9 o'Clock in the Morning, Lieut. Titcomb, commanding the Covering-Party to the Carpenters, who were in the Woods, about a Quarter of a Mile from the Camp, was attacked by a Body, ſuppos'd of 300 French and Indians, chiefly the latter; and he at that Time having ſent out reconoitring Parties, was rendered ſo weak that, for his Safety and the People's, he retreated till the Camp was alarmed: Upon which Capt. Waldo, Lieut. Knowles, Lieut. Eddy, and Enſign Giddings, with a Number of other Officers, went out with a Party, and engaged them in Sight of the whole Encampment, for about the Space of 5 Minutes; when the Enemy ſet up their hideous Yells, and retreated into the Woods; our People following them, engaged the ſecond Time; and a continual Fire laſted on both Sides above 15 Minutes, (ſome Letters ſay Half an Hour:) In which Time 11 of the Engliſh were killed, three of them Regulars, and ten wounded, two of whom mortally: Four of the killed were ſhot before they fired a Gun, by Bows and Arrows, their old Method of Fighting: The Indians were of the Tribe called the Cold-Country, lately come among the French, as the Priſoners that were ſome Time ago taken ſay: They not only kill, but, if they have an Opportunity, ſuck the Blood out of the Bodies of the Dead; our Men were ſcalped and mangled in a moſt barbarous Manner; ſome their Throats cut, &c. one of Captain Arbuthnot's Company had his Head cut off, and carried 30 Yards off, behind a Tree, in order to ſcalp it; but being puſhed on ſo hard, they were obliged to leave both Head and Scalp, which our People took up, and put into a Handkerchief, and buried it with the Body.------Captain Waldo has gained no ſmall Credit in purſuing them: He followed them ſeveral Miles: Indeed both Officers and Men behaved with the greateſt Reſolution and Courage, and with that Conduct that is not to be expected at ſuch a Time; and have loſt no Credit with the Gentlemen, Officers of the Regulars: Out of the Number ſcalped, the Party purſued them ſo warmly, that they recovered three of them, beſides the Head; alſo ſeveral Guns, Packs, and 6 of their Arrows, which Captain Waldo took out of one of our People: He had ſeveral Shot fired at him, as alſo Lieutenant Knowles, but happily miſſed them; and the Compliment they returned, killed three of the Enemy, one of which is thought to be an Officer, as we have his ruffled Shirt: The utmoſt Endeavours were uſed by our Men to get the Bodies of the Enemy that were killed; but they were carried off every one, notwithſtanding the conſtant Fire upon them; but there is no Doubt there were a conſiderable Number of them killed, for the Blood is very thick where the Battle was fought, and Trails of Blood found where they drew off their Dead: Capt. Putnam being afterwards ſent out in Purſuit of them, tracked their Blood as far as Fort-Anne, which lies about ſixteen Miles from Fort-Edward. It is ſaid, ſeveral of the Mohawks were with the Enemy, and one in particular, which one of our Officers knew at the Lake laſt Year: It is thought the Indians Deſign was to fire upon the Guards of the Carpenters with their Arrows, to prevent Noiſe, and ſo more eaſily carry off the Workmen. Captain Putnam, who went out with a Party of 300 Men in Purſuit of the Enemy, has ſince returned without any farther Diſcovery.

*Monday laſt Capt. M'kown arriv'd here in ten Days from Halifax, and by Letters which came in him we have Advice, That Capt. Rouſe, with the two* 20 *Gun Ships which he went out on a Cruize with, and to look into Louiſbourg Harbour, had return'd, and brought in with them a Schooner, with five Frenchmen; who ſay, there are but five Sail of the Line at Cape-Breton; the other Men of War had gone up the River St. Lawrence.---Our Troops were ordered to embark laſt Week.---We alſo learn, that Major Rogers had brought into Halifax, two Soldiers who had deſerted, one of which he took near Cape-Breton; both of them were hang'd on the* 20*th of July among the Camps.*

*Friday laſt in the Afternoon arriv'd at Newport, Rhode-Iſland, a large Sloop taken by the Defiance Privateer, Capt. Fones, of that Port: She was bound from Cape Francois, it is ſaid, to Old France; her Cargo conſiſts of Sugars, Indigo, &c.*

BOSTON, *Auguſt* 8.

Tueſday laſt, in the Afternoon, arrived in Nantaſket Road, from Halifax, his Majeſty's Ship Nightingale, Capt. Campbell, in which Ship came his Excellency THOMAS POWNALL, Eſq; with his Majeſty's Royal Commiſſion to be Captain General, Governor and Commander in Chief in and over this his Majeſty's Province of the Maſſachuſetts Bay; as alſo a Commiſſion from the Right Honourable the Lords of the Admiralty, to be Vice Admiral of the ſame, &c. His Excellency is alſo Lieutenant Governor of the Province of New-Jerſey, and Agent for his Majeſty's General Affairs under the Command of Lord LOUDOUN.

Soon after the Ship came to Anchor, his Excellency proceeded to Caſtle-William in a Barge, being ſaluted by a Diſcharge of the Cannon from the Ship at his putting off, by the Province Snow Prince of Wales, as he paſs'd from the Ship to the Caſtle, and at the Caſtle upon his landing there, where his Excellency receiv'd the Compliments of a Number of Gentlemen who had repaired thither on this Occaſion.---His Excellency lodged there that Night; and the next Day about Noon, came up to Town in the Caſtle Barge, being ſaluted by the Guns of that Fortreſs when the Barge put off, and by thoſe of the Batteries and Veſſels in the Harbour upon his paſſing up, and landing at the Long Wharff, where he was receiv'd and welcom'd by the Members of his Majeſty's Council, and a great Number of other Gentlemen; from thence walk'd in Proceſſion up to the Court-Houſe, being eſcorted thither by the Company of Cadets. The Regiment of Militia in this Town, and the Troop of Guards, being under Arms, and drawn up in King-ſtreet: His Excellency receiv'd the Compliments of the Officers, by their paying the ſtanding Salute as he paſs'd by; and the Streets and Windows of the Houſes, &c. were crowded with Spectators on the Occaſion. His Majeſty's Commiſſion to his Excellency, as alſo that from the Lords of the Admiralty, were open'd and publickly read in the Council-Chamber, and the uſual Oaths were adminiſtred by Mr. Secretary OLIVER: After which he was congratulated by the Council, and a great Number of other Gentlemen there preſent.

A Proclamation was then iſſued by His Excellency, and publiſhed from the Balcony, "impowering and requiring all Officers to continue in the Exerciſe of the Truſts repoſed in them, by their reſpective Commiſſions, until further Order." Which was followed by three Huzzas, and the Diſcharge of three Vollies from the Militia, &c. His Excellency, with the Gentlemen of the Council, a Number of Officers and other Gentlemen were entertain'd with a handſome Dinner, provided at the Britiſh Coffee-Houſe in King-ſtreet; and he was afterwards attended to the Seat prepared for his Reception; and in the Evening the Court-Houſe was beautifully illuminated.

The Right Honourable George Lord Viſcount HOWE alſo arriv'd here in the Nightingale, who came up to Town on Tueſday Evening, and the next Day ſet out for the Forts at Lake George.

About 50 Carpenters and other Artificers, who were taken at Oſwego, and ſome of them ſent in a Cartel Ship from Quebec to England, the others retaken in their Way to France, arriv'd at Halifax in Admiral Holbourne's Fleet, moſt of whom were brought up in the Nightingale, and are gone to their reſpective Places of Abode.

PHILADELPHIA, Auguſt, 18.

*Extract of a Letter from Halifax, dated July* 24, 1757.

"Encloſed you have a Liſt of the Army and Navy, to which I refer you. Both are exceeding healthy, and in high Spirits. A Seventy Gun Ship, and a few Tranſports ſprung their Maſts on the Paſſage from Europe; but they are now fitted out, and the whole Fleet cleaned and watered. To-morrow, I am told, the Troops begin to embark.

"Capt. Rouſe, with a Twenty Gun Ship, was ſent to look into Louiſbourg Harbour. He took a ſmall Veſſel off the Mouth of the Harbour, with nine Priſoners. They have been examined ſeparately, and all agree that there are only five Capital Ships and two Frigates in the Harbour; that the Garriſon is ſtrong, and in daily Expectation of the Britiſh Fleet and Army. The Priſoners alſo inform, that five Capital Ships have gone up the River St. Lawrence, and in ſhort, that they are in the utmoſt Conſternation, not knowing which Place we intend to attack firſt; if it ſhould be Louiſbourg, it cannot hold out long againſt ſuch a Fleet and Army, though it is generally thought we ſhall meet with a warm Reception.

"My Lord Loudoun has reviewed five of the ſeven Regiments that came laſt from England, and this Day the other two are to be reviewed. I muſt ſay that they are a glorious Body of Men. In ten Days Time I hope to be able to ſend you Notice of ſome grand Action performed by them, as you will ſee by the Liſt that we are upwards of 14,000 brave Land Forces.

"Admiral Holbourne is in much Eſteem. He keeps his Officers ſtrictly to their Duty, treats his Men with Humanity, and eſpecially the Sick, of whom he is uncommonly careful, tho' they are but a few. The Officers of the Army and Navy are in great Harmony. His Lordſhip dines often aboard the Admiral, and when that does not happen, the Admiral dines with him. My next I hope will bring you ſomething deciſive, and of laſting Importance to the Fate of Britiſh America."

*Extract of a Letter from New-York, Auguſt* 15, 1757.

"I am favoured with yours of the Eleventh, and, according to your Deſire, ſhall endeavour to let you know our calamitous Situation, as far as I underſtand it myſelf; for our Miſchiefs flow ſo faſt upon us, we have not Time to be informed clearly of one before it becomes confounded with another. Great Numbers of the Inhabitants are gone up to Albany. Long-Iſland is all in Motion; the neighbouring Counties embarking for Albany, and thoſe more diſtant, preparing to take their Places. Weſt-Cheſter County, and all above the high Lands, are gone up. New-England, it is ſaid, has ſent (I mean Connecticut) Five Thouſand. Some Miſtake attended the Expreſs ſent thither, that they had not early Notice of the Attack and Surrender of William Henry, which happened on the 9th. The Garriſon, it is ſaid, behaved gallantly, and defended themſelves well, till their heavieſt Cannon, and largeſt Mortars burſt, and their Ammunition was near expended, when they capitulated, to march out with their Arms, and the Honours of War; but no ſooner had the Enemy Poſſeſſion, than the Capitulation was diſregarded; the Garriſon diſarmed, eſcorted about a Mile, and left to be ſtripped and murdered by the

the Savages, which was faithfully executed; for they say, not a Soul was suffered to reach Fort Edward but in a naked Condition, and many cruelly murdered, especially the Women and Children, who were reduced from about 80 to 10. Mr. Furnis, Comptroller of the Ordnance, and Capt. Collins, of the Train, both promising young Gentlemen, are murdered, and how many others we yet know not. Col. Monroe came to Fort Edward, they absolutely say, in his Shirt; some of his Officers stark naked. Capt. Ord, of the Train, is likewise on the List of Victims; and Poor, poor Col. Young reported to be left wounded at the Fort, among the Enemy, and under great Distress of Mind on Account of our publick Losses. What can be more melancholy? I am sure it affects me so much, I can write no longer. Farewell."------

There are many other Letters from New-York to the same Purport as the above; and all agree that the worthy Colonels Monroe and Young, with their brave Officers and Men, have done Honour to the British Arms, in defending the Fort so long against such an Army, some of the Letters making the Enemy, including the Indians, to amount to 12,000; and that the Garrison, to a Man, had resolved to die on the Spot, rather than give up the Place on any other Terms than the honourable ones above mentioned.

One Letter, in particular, mentions that they were 7000 strong last Thursday at Fort Edward; that great Numbers were going up to them; and that they were under no Apprehensions of an Attack.

Another Letter says Colonel Young was wounded in the Head, and had not got into Fort Edward, but was hourly expected, with the Remainder of the Garrison; and in a third Letter it is said that he had actually come in.

It is reported that we lost about 100 Men in the Siege; and that Montcalm is gone off, and was heard to say, before he went away, that he should be at Quebec time enough to receive my Lord Loudoun.

The French, we hear, had 30 Pieces of Cannon with them, and some Mortars, and were posted on an Eminence to the Westward of the Fort; and Colonel Young, with a Body of Troops, was possessed of a very advantageous Situation to the South-East; the Enemy's Loss not particularly known, but thought to be very considerable, as they made several unsuccessful Attempts to storm the Fort, and to drive Colonel Young from his Ground.

The Garrison was not to have served against the French for eighteen Months, provided the latter had stuck to the Articles of Capitulation.

*Extract of a Letter from Hanover Township, in Lancaster County, dated August 11.*

"Last Thursday John Andrews's Wife, going to a Neighbour's House, was surprized by six Indians; had her Horse shot under her, and she and her Child were carried off. On Saturday, in Bethel Township, as John Winklepleigh's two Sons, and Joseph Fishbaugh (a Soldier in the Pay of the Province) went out, about Sun-rise, to bring in the Cows, they were fired upon by about fifteen Indians; the two Lads were killed; one of them was scalped, the other got into the House before he died; and the Soldier was wounded in the Hand.----The same Morning, about Seven o'Clock, two Miles below Manody Gap, as Thomas M'Guire's Son was bringing in some Cows out of a Field, a little Way from the House, he was pursued by two Indians, and narrowly escaped. The same Day, in the Middle of this Township, near four Miles from the Mountain, as Leonard Long's Son was plowing, he was shot and scalped; and Leonard Miller's Son, plowing on the other Side of the Fence, was made Prisoner.

"John Graham, who lives near the Gap of the Indian Town Creek, had a Steer killed about Sun-rise, or before, and John Brown had two Cows killed; all except the first Mischief done in one Day; so that last Saturday there must have been at least four Parties of Indians in this Township.

"Having Notice of this on Sunday Morning, I set out with four Men, and we ranged till after Night. Monday Morning I set out again with Forty-two, intending over the Mountain. We ranged the first Day in the Front, and intended to have lain on the Mountain all Night, but a heavy Rain falling, we took to a House. On Tuesday Morning we set out over the Mountain to find Tracks, if possible; but we found not the least Appearance of any, or Indians over the Mountains, or in any of the waste Houses, so we returned on Tuesday Night. Monday Night many Tracks were seen among the Inhabitants, and in the waste Houses, where the Indians had lodged. In one of the Houses they left a scalping Knife, and had killed and scalped a Mare. Wednesday we intended to rest, but about Twelve o'Clock had another Alarm. Near Benjamin Clark's House, four Miles from the Hill, ten Indians surprized Isaac Williams's Wife, and the Widow Williams, alias Smelley, killed and scalped the former, in Sight of the House, she having run a little Way, after three Balls had been shot through her Body; the latter they carried away Captive. About the same Time, as George Mouren was cutting Oats in George Scheffer's Field, he was killed and scalped two Miles from the Hill, so that it was not all done by one Party. There is now such a severe Sickness in these Parts (the like has not been known) that many Families can neither fight nor run away, which occasions great Distress on the Frontiers."

The Writer of the above Letter adds, that if it had not been for forty Men, which the Province had in their Pay, in that Township, little of the Harvest that Way would have been saved; and as the Time that these Men were engaged for is near elapsed, the Inhabitants hope the Government will continue them in their Service, else the Consequences are to be dreaded.

By Letters of the 10th and 12th Instant from Easton and Bethlehem, we have Advice, That one of the Indians who was at the late Treaty, called the Allegheny Indian, was found murdered in the Meadow of Jacob Best, at the Ferry-house, on the Lehigh, about three Miles from Easton.

The Coroner's Inquest sat upon the Body, in the Presence of Teedyuscung, and many of the principal Indians, who expressed great Satisfaction at the Enquiry, and declared, they believed no white Man had killed him.----- Several great Wounds were observed on the Side of his Head, one in his Throat, and another on each of his Hands, which were made with some large Weapon, a Sword or Cutlas. It is said this Indian had done a great deal of Mischief on the Ohio, of which the Indians at the Treaty were informed, and it is supposed his Death was there agreed upon, and that he, it is thought, was killed by an Indian.

Since our last Captain Harper arrived here from Antigua. In going in to that Island he was chaced by a Privateer, which Privateer afterwards took a Ship belonging to Bolton. And on his Passage home, in Latitude 36, a Privateer Schooner came up with him, but a Breeze springing up, he got clear of her. A Sloop, Capt. Francis, for this Place, sailed in Company with Captain Harper.

On Thursday last, after a lingring Illness, died here the Rev. Mr. CLEVELAND, lately appointed to the Mission at New-Castle, by the Society for propagating the Gospel. As he was a Gentleman of a humane and pious Disposition, indefatigable in his Ministry, easy and affable in his Conversation, open and sincere to his Friends, and above every Species of Meanness and Dissimulation, his Death is greatly lamented by all who knew him as a Loss to the Publick, a Loss to the Church of Christ in general, and in particular to that Congregation who had proposed to themselves so much Satisfaction from his late Appointment among them, agreeable to their own earnest Request.

CUSTOM-HOUSE, *Philadelphia*, INWARD ENTRIES.

Schooner Peggy, Richard Dickinson, from Indian River.
Schooner Aurora, John Delfortree, from St. Christophers.
Schooner Deep-bay, John Webley, from Ditto.
Sloop Thomas, Thomas Morton, from Boston.
Sloop Catherine, Jonathan Robinson, from New-York.
Sloop Mary, F. Dickinson from Bermuda & Turk Islands.
Sloop Patty, John Troy, from Halifax.
Sloop Adventure, Edward Turner, from Virginia.
Brig Salley, Robert Patterson, from Antigua.
Brig Peggy, Randle Wilson, from Liverpool.
Sloop Flying-fish, Freeborn Groves, from Boston.
Sloop Polly, George Noarth, from South-Carolina.

OUTWARDS. Brig Margery, P. Spence, for Barbados.
Snow Recovery, John Reed, for Newfoundland.
Sloop Sea-flower, Peleg Shearman, for Rhode-Island.
Sloop Jane, William Wright, for Barbados.
Sloop Sea-nymph, William Simpson, for St. Christophers.
Sloop Polly, John Powntney for New-York.
Schooner Speedwell, John Kemp, for New-Providence.
Schooner Swift, James Read, for Antigua.

CLEARED. Schooner Happy, John Murdock, to Tortola.
Schooner Betsey, Robert Shewbart, to New-Providence.
Schooner Good-Intent, Thomas Lake, to Ditto.
Schooner Revenge, Lawrence Brice, to Ditto.
Schooner Elizabeth, Samuel Anderson, to Montserrat.
Brig Grace, John Richey, to Barbados.
Brig Margery, Peter Spence, to Ditto.
Brig Rebecca, Lewis Edwards, to Jamaica.
Ship Windsor, Joseph Clarke, to Ditto.
Ship Rebecca, Thomas Callendar, to St. Christophers.
Sloop Anne, Nathaniel Mitchell, to Ditto.
Sloop Joanna, Thomas Pearman, to Ditto.
Sloop Betty and Peggy, John Trott, to Bermuda.
Sloop Harlequin, Augustine Hicks, to Halifax.
Sloop Dove, George Robinson, to Bermuda.
Sloop Sea-flower, Peleg Shearman, to Rhode-Island.
Schooner Speedwell, John Kemp, to New-Providence.
Schooner Swift, James Read, to Antigua.
Sloop Sea-nymph, William Simpson, to St. Christophers.

*Just published, and to be sold at the New-Printing-Office, (Price* Nine pence*)*

AN ABRIDGMENT of Mr. *Hopkins*'s HISTORICAL MEMOIRS, relating to the *Housatunnuk* or *Stockbridge Indians*; giving an Account of the Methods used, and the Pains taken, to civilize and propagate the Gospel among that Tribe, who have ever since continued steady Friends to the *English*, and all last War covered a large Part of *New-England*; so that while other Parts of that Province and *Connecticut* suffered greatly from the Inroads of the *French Indians*, by Means of these, *Stockbridge*, *Sheffield*, *New-Marlborough*, and *Number-One*, tho' the most exposed, were not molested.---Also a particular Account of the Boarding-school begun by Mr. *Segeant*; the Fame of which spread so far among the *Indians*, and was so highly approved by them, that the *French*, in order to prevent their *Indians* from sending their Children to it, were obliged to erect one in Imitation of it at *Canada*: Also the Encouragement this met with in *England*, &c.----- A Piece worthy of being recommended to the Publick, particularly at this Juncture, as it seems to point out the best Method of treating the *Indians*, gaining and securing them to our Interest, and making them our lasting and sincere Friends.

To which is added,

A TRANSLATION of a *German* LETTER, wrote by CONRAD WEISER, Esq; Interpreter, on *Indian* Affairs, for the Province of *Pennsylvania*.

*Reading, August* 10, 1757.

WHEREAS I have been informed, that a Report has been spread in Philadelphia, that in my last Tour from Fort Allen to Fort-Hamilton, I should have been told by a friendly Indian of ten or twelve Enemy Indians being encamped at a small Distance from me, and that I might easily have killed or taken them all; and that I (though I had above twenty Men with me) should have gone another Way, on Purpose to avoid coming to an Engagement with them: In Vindication of my Character, I do inform the Publick, that the foresaid Report is notoriously false, which I can prove, by substantial and credible Witnesses, who accompanied me in that Tour; and that the Author of such Report must be a base Slanderer.

CONRAD WEISER.

*August* 8, 1757.

BY Virtue of a Writ to me directed, will be exposed to Sale, by way of publick Vendue, about Twelve a Clock, on the 30th Day of this instant August, at the House of Samuel Dean, in Rockhill Township Bucks County, a certain Messuage, Tenement, and Tract of Land, situate in the Township of Lower Milford bounded by Land of Solomon Hoge, Robert Sherrard, Richard Roberts, and Land late belonging to Samuel Morris, containing 100 Acres, more or less, late the Estate of Thomas Christie, and taken in Execution at the Suit of William Griffitts, and Matthew Clarkson, by BENJAMIN CHAPMAN, Sheriff. ¶

*August* 8, 1757.

BY Virtue of a Writ to me directed, will be exposed to Sale, by way of publick Vendue on the 30th Day of this instant August, at the House of Samuel Dean, in Rockhill Township, Bucks County, a certain Messuage, Tenement and Tract of Land, situate in Lower Milford Township, bounded by Land of Samuel Morris, Elisha Parker, John Edwards, Thomas Roberts, and Joseph Philips, containing 49 Acres, more or less, late the Estate of Thomas Christie, and taken in Execution at the Suit of Jonathan Mifflin, by BENJAMIN CHAPMAN Sheriff. ¶

*The MEMBERS of the*

## St. ANDREW's SOCIETY,

*ARE desired to attend their Quarterly Meeting, on Wednesday, the Thirty first Instant, precisely at Seven a Clock in the Evening, at the Lodge, in Lodge Alley Second street. By Order of the President,* ALEXANDER HAMILTON, *Secretary.*

*Philadelphia, August* 4, 1757.

BY Virtue of a Writ to me directed, on Monday, the 29th Day of August instant, about 3 o' Clock in the Afternoon, at the House of Richard Hughes, in Lower Merion, will be exposed to Sale, by publick Vendue, 100 Acres of Land, situate in Lower Merion aforesaid, adjoining Land of Robert Jones; late the Estate of Abraham Musgrove: Seized and taken in Execution by JAMES COULTAS, Sheriff.

## *To be SOLD,*

BY publick Vendue, on the 12th Day of September next, at two a Clock in the Afternoon, at the House of the Widow Bates, near the Head of Coopet's Creek, two Tracts of Pine Land, one containing 1000, the other 100 Acres, situate in the Township of Waterford, Gloucester County, joining to Eslaugh's, Borton's and Cheesman's Land, late the Estate of John Pricket, attached in the Suit of Jacob Fister, and to be sold by the Subscribers (Auditors) who will give their Attendance at the Time and Place aforesaid. †

ROBERT ZANE, JACOB SPICER, & DAVID COOPER.

*Chichester, August* 12. 1757.

TO be sold, by the Subscriber, living in Chichester, in Chester County, a commodious Brick Messuage; also two Store-houses, and a Wharff, with a large Barn, and between 30 and 40 Acres of Land, 8 Acres whereof is good Meadow, and as much more may be made; also a large Orchard, of the best Sort of grafted Fruit; it is pleasantly situated, on the River Delaware, in Chichester aforesaid, alias Marcus hook, formerly the Estate of William Hughes, deceased, very fit for a Gentleman's Seat, or Tradesman. Whoever inclines to purchase the Whole, or any Part, may know the Terms, by applying to † JOHN KERLIN.

N. B. The Title is indisputable.

Imported in the Royal American, Capt. Tillet, from London, and the Sally, Capt. Baker, from Liverpool, and to be sold by

## PHILIP BENEZET,

At his Store in Front-street, the Corner of Gray's Alley,

BEST English sail duck, No. 1. 2. 3. 4. 6 7. 8 Ticklenburg, fine and coarse Ozenbrigs, Russia and Irish sheeting, brown and white princes linen, dowlas, garlix, tandems, and tandem silesias, yd. wd. and 7-8ths wd. Irish linen, long and pistol lawns, patches of clear lawn, pieces and patches of cambrick, diaper table cloths, clouting diaper, yd. and 3 8ths, yd. wd. 7-8ths, and 3-qr. wd. cotton and linen checks, 3-qr. linen stripes, light and dark cotton hollands, printed and Scotch linen handkerchiefs, blue and purple printed linen, brown and white buckram, broad and narrow white tape, blue and white cotton ditto, fine and coarse bobbin, coloured and white thread, a large assortment of calicoes and chints, blue long cloths, nankeens, blue cotton velvet, thicksets, fustians, silk jeans, bed-ticks, cullee, roffet, new silk romals, and black gauze handkerchiefs, black crape, black and cloth coloured sattin, English and India black, and light coloured taffeties, ell and half yard wide persians, flowered ribbons, plain sattin, paduasoy and taffety ditto, silk caps, two and three yard silk Laces, 4-penny and 6-penny ferrits, sagathies, duroys, druggets, shalloons, tammies, durants, calimancoes, mixed camblets, plain and flowered everlastings, flowered damaske, starrets, bourdets, scarlet and green plush, black, blue and scarlet knit pattens, Mens and womens worsted and thread hose, worsted and cotton caps, worsted binding, gattering, mohair and buttons, womens shoes by the trunk, blue, scarlet, and copper brown broadcloths, plains and kerseys, grey knap striped duffils, Hooi's pistol cap'd knives, burnt bone childrens and cutroe ditto, seal and pistol end penknives, table knives and forks, scissars, long and short scythes, best A C No. 3 steel, G B wool cards, brass, glass and white metal sleeve buttons, white metal coat and vest dish buttons, pierced white metal shoe and knee buckles, steel and brass plain ditto, steel snap and painted snuff and tobacco boxes, steel and brass thimbles, brass and leather inkpots sewing and darning needles, pins, snaffle bitts, plain and swivel'd stirrups, tuft nails, white-sets, black buckles, girth web, 2, 3, and 4 penny clout nails, 6, 8, and 14 ounce tacks, bar lead, 8, 10, 12, and 20 penny nails, glue, brimstone, and copperas, cloves, cinnamon, nutmegs, mace, pepper, writing-paper, ink-powder, playing cards, spectacles, nonsopretties, Leghorn hats, blue, white, and amber beads, nests of gilt trunks, felt hats, Weston's snuff, an assortment of Pewter, Silver and Pinchbeck watches, &c. Tbetf.

## *To be SOLD,*

*A Likely Negro Girl, fourteen Years old, has had the Small-pox, and is fit for Town or Country Service. Enquire of the Printer.*

For LONDON,

The SHIP
MYRTILLA,
*Richard Budden*,
Commander;
Will sail with all convenient Speed, and has good Accommodations for Passengers.
For Freight or Passage, apply to Samuel Howell, Philip Benezet, or said Commander, at the London Coffee-House. Tbc.

Now fitting out for a Cruize against His Majesty's Enemies, and will sail in ten Days,

The SHIP
*SPRY*,
SAMUEL BAYARD
Commander;
Mounts 20 Carriage, and 20 Swivel Guns, and to carry 150 Men. All Gentlemen Sailors, and others, who are inclined to enter on board, may see the Articles at *George Hawkins*'s, in *Front-street*.

*Now fitting out, and will sail in ten Days, for the Protection of the Trade of this Province,*

The SHIP
PENNSYLVANIA FRIGATE,
JOHN SIBBALD,
Commander;
A fine Vessel, about nine Months old, a prime Sailer, and mounts 26 Guns, Nine and Twelve Pounders, to carry 150 Men. Those inclined to enter on board said Ship, may see the Articles at Mr. M'Intire's, at the Sign of the Ship Pennsylvania, the Corner of Pewter-Platter-Alley, in Front-street.

A PERSON who understands buying and selling of Cattle, and grazing and fattening the same, and who also understands farming, capable of undertaking the Charge of the aforesaid Business as an Overseer, by applying to *Bartholomew Penrose*, in Philadelphia, near the Drawbridge, will meet with proper Encouragement, on his being well recommended. § 6 Ws.

*Easton, July 16, 1757.*

*To the Overseers of the several Townships in the County of Northamptos.*

WHEREAS I have this Day received a Letter from Sir John St. Clair, Deputy Quarter-Master General for North America, setting forth, That the Commission which his Majesty hath been pleased to intrust him with, obliges him to see that all the High-roads in the several Provinces are kept in good Repair: That heavy Complaints have been made to him, that the Roads of this Province have been much neglected, and the Laws made for that Purpose have not been duly executed, and requiring me to cause Notice to be given to all Overseers of Roads in my County, that with all convenient speed they set about making them good and passable for Carriages, &c. the Neglect of which may occasion great Inconveniencies to the Inhabitants, by a Stoppage of His Majesty's Troops in the Townships so neglected, and quartering them on such Townships until the Roads be made good and passable; in Compliance with which Letter, I have caused this publick Notice to be given.

§ JOHN RINKER, Sheriff.

WHEREAS Peter Good, the elder, late of Lancaster County, deceased, in his Life-time, the 23th Day of October, 1738, obtained a Release from Septimus Robinson, Esq; of Philadelphia, for 300 Acres of Land, in Connestogoe Township, in Lancaster County aforesaid; and whereas before the Purchase aforesaid, the said Peter Good earnestly requested my Father, George Cryder, to be concerned with him in the said Purchase, and my Father agreed thereto and actually paid into the Hands of the said Peter Good, the Sum of Seventy Pounds, in full, for the Consideration Money for 100 Acres, Part of the Tract aforesaid: That thereupon the Deed aforesaid was made to the said Peter; but he, being an Alien, was advised to convey the whole to his Son Jacob Good born in Pennsylvania, to prevent an Eschest: That the said Peter, and Son Jacob delivered Possession to my said Father of Part of the said Tract, said to amount to 100 Acres; That my said Father possessed the same, and improved Part thereof, about three Years, and then died; since whose Decease to wit, sixteen Years, my Guardians on my Behalf have held the same: That now the said Jacob Good intending most unjustly to vex and injure me, hath not only brought an Action of Trespass and Ejectment against me for the 100 Acres of Land aforesaid, but also threatens to make Sale of, and convey the same to some Person unacquainted with his being a Trustee for me; to prevent which, and to avoid Disputes with any other Persons, I give this publick Notice of my Claim and Title, and caution all Persons whomsoever, not to purchase the Land aforesaid of the said Jacob Good, of which I am now possessed. JACOB CRYDER. ¶

*August 10, 1757.*

RUN away, on the 31st of July last, from the Subscriber, living near Dockery's Mill, in Queen Anne's County, in Maryland, a Convict Servant Man, named Thomas Baker, a Bricklayer by Trade; he is about 5 Feet 9 Inches high, rawboned, much pock marked and freckled, thin faced, small hollow Eyes, with large Brows, it is said he has a large Scar on one of his Wrists and one of his Knees, he wears his Hair, which is of a redish Colour, but it is imagined he intends to cut it off; he has a great Impediment in his Speech. Also a Servant belonging to Thomas Obryan, living near the above said Place, named John Pitts; he is about 5 Feet 6 Inches high, well set, round faced, has a lively look, and swarthy Complexion; they can both write tolerable well, and it is supposed they will forge a Pass to a sealed Paper which one of them unluckily got; they pretend to be good Seamen, from which we conclude they intend to pass for Sailors; they carried with them two Felt hats, two Pair of Shoes, one of them very long Quarters, and badly made, one or two Ozenbrigs Shirts, a white Ditto of fine Garlix Linen, and an old Irish Linnen One, two pair of Ozenbrigs Trowsers, one of them made in the Sailors Fashion, a Pair of Ozenbrigs Breeches, a white Coat, with Buttons covered with the same, an old short spotted flannel Jacket, and one of the same Stuff, tolerable good, Ispelled: They have a Trifle of Cash, and a Pocket-compass, and it is thought they will steal the first Boat they meet with, and go down the Bay. Whoever takes up said Servants, and secures them so that their Master may have them again, shall have, as a Reward, Three Pounds Currency for the Bricklayer, and what the Law allows for the other, paid by

§ RICHARD TILGHMAN EARLE.

*August 3, 1757.*

## FIFTY PISTOLES, Reward.

RUN away from his Seat in Virginia, Francis Wroughton, formerly a Merchant in London; he is about 45 Years of Age, about 5 Feet and an Inch high, very corpulent, has a broad Face, swarthy or Sun burnt, with a large Scar on the left Cheek, a big Nose, thick Lips, and a black Beard; he is a very forward Gentleman, and remarkable for finding Fault with every Thing and every Body: He was taken up and confined as a Spy in Philadelphia in September last, and then went by the Name of Nicholas: He was afterwards seen at New-Castle buying Loaf-sugar, and was supposed to have taken a Passage for the West Indies; but I have been since informed, by a Gentleman who was well acquainted with him, that he was lately at Snow-Hill, in Maryland, and it is supposed he is still in some Part of the Eastern Shore of that Province. If any Person will secure and deliver him to me, or the Keeper of the publick Goal at Williamsburg, on before the tenth Day of October next, such Person shall receive FIFTY PISTOLES on such Delivery from

JOHN MERCER.

NOTICE is hereby given, that the Goods, Rights and Credits, of James Gallopher, is attached, he having absconded, and not paid his just Debts: These are therefore to require all his Creditors to appear at my House, in East Nottingham, in Chester County, the 5th of October next, with their Bonds, Bills and Book-Accounts, that Distribution may be made as the Law directs. Given under my Hand, this 6th Day August, 1757. TIMOTHY KIRK. ‡

RICHARD HUMPHREYS gives this publick Notice, That he is removed from the House he formerly lived, in Strawberry-alley, to Second-street, below the Market, opposite to Jonathan Zane's, where he continues his Business as usual, and has a large Assortment of Goods to dispose of at reasonable Rates. †

RUN away the 9th of this instant August, from the Subscriber, living in Kennet Township, a Servant Man, named George M'Daneil, about 5 Feet 10 Inches high, says he was born in England, and speaks much on the English Tone: Had on when he went away a lightish coloured Jacket, with Metal Buttons, a Flaxen Shirt, Tow Trowsers, Woollen Stockings, Shoes not much worn, with large Brass Buckles not Fellows, a half-worn Felt Hat, and has committed several Misdemeanours of late. Any Person securing said Servant in the Goal of said County, so that his Master may have him again, shall have Three Pounds Reward, paid by JAMES PRYOR. ‡

N. B. All Masters of Vessels are forbid to carry him off at their Peril.

FOUND, some Time in June last, by the Subscriber, living in Horsham, Philadelphia County, a certain Quantity of Goods, bound up in a Budget together, and lying near to the Premises, supposed to have been left there by a Negroe Man who was seen strolling not far from there less than Half an Hour before: The Goods are of divers Sorts, to wit, One large Sheet, with certain Letters marked on it; also two Silver Spoons, with certain Letters on them, likewise divers Pewter Plates, with several other Things of small Value. The Owner or Owners applying to the Subscriber, in Horsham, and proving their Property, and paying necessary Charges, may have them again.

WILLIAM LUKENS.

ON the tenth Day of November, 1757, at the dwelling Plantation of Catesby Cocke, in Fairfax County, Virginia, will be sold to the highest bidder, for Bills of Exchange or current Money of Virginia, Maryland, or Pennsylvania, with one Year's Credit, without Interest, and two Years longer upon Interest, if desired, sundry valuable Tracts of Land, to the Quantity of 20,000 Acres and upwards, lying in Fairfax, and the Counties adjacent; some of these Tracts are about seven, and none above forty Miles from Navigation, several of them near Kittocton Creek, close by the Meeting-house, and convenient to Church, Court-house, and Merchant-mill, with Streams of Water running through them, fit for Mills, Meadowing, Farming, and Planting. On the said Tracts are many Tenements yielding Rents, and two fine Negroe Quarters; also the dwelling Plantation, known by the Name of Belmont, containing above 1300 Acres, upon Occoquon-bay, and Pohick creek, to be sold altogether, in two Parcels, being 17 Miles below the Town of Alexandria, 12 from Dumfries, and 3 from Colchester, and in a very good Neighbourhood; the Situation is exceedingly healthy, pleasant and profitable having a large and beautiful Prospect for 30 Miles down Potowmack River; a large Dwelling-house, with great Conveniencies of Closets, deep and dry Cellars, a bricked Well, close to the House and Garden, extreme fine Water, not quite 26 Feet deep; Orchards of the choicest Fruit, large Marshes, improvable at a small Expence; great Quantities of Hay are yearly mowed; the Bay of Occoquon semicircularly borders this Land, and for a Mile affords the finest Shore imaginable for hawling a Seine, besides the usual Fishing for Pearch, Carp, Bass, &c. here is an extraordinary Fishery in the Months of January, February and March, for Shad, there having been generally sold fresh, in the Season, to the Value of Sixty Pounds, besides what have been salted up for Exportation, &c. This Article may be vastly improved, it being the only early Fishery in the Freshes of Potowmack. There are few better Places in Virginia for Hunting and Fowling. The other Part of this Land lies Half a Mile upon Pohick-Creek, 2 Miles below the Ware house, and abounds in fine Situations, with beautiful Prospects of Water and Land, with good Fishing, Hunting, and Fowling. The whole Tract abounds with fine Springs, is well wooded, and fit for a Gentleman, Merchant, or Planter; there are also four Tenements paying Rents. Any Person inclining to purchase is desired to apply to Mr. William West, in Loudon County, on the main Road to Winchester, or to Catesby Cocke, at Belmont, who will show the Premises, and treat about them at any Time before the Day of Sale.

There will also, at the same Time and Place, be sold between forty and fifty valuable Slaves, and a large Quantity of Stock, Tools, Implements of Husbandry, Houshold Furniture, Books and Pictures, with one Year's Credit, without Interest, giving Bond and Security as usual: Five per Cent. discount will be allowed for ready Pay, and the Sale continued till all is sold.

*Maryland, August 13, 1757.*

WHEREAS I had some Time ago advertised in the Maryland Gazette the Sale of 130 Acres of Land, being Part of Cole's Harbour, and Mountany's Neck, being to be laid out into Lots of one Acre each, all good Meadow Ground, lying adjoining to Baltimore Town; but not selling the same on the Day appointed, This is to give Notice, that I still intend to sell the same; as also all the remaining Part of the aboves aid two Tracts, which will contain about 300 Acres more; as also four Lots lying in the said Town; on two of the said Lots are two large Brick Houses, two Story high, four Rooms on a Floor; and on the other two Lots are two Wooden Houses, two Rooms on a Floor, in good Repair, and said Lots all tenantable: Likewise a very good Tract of Land lying on the main Road to Cannawaga, about twenty Miles from Baltimore Town, convenient for a Tavern, containing 440 Acres, whereon is a good Plantation, a good Orchard, and good Meadow Ground, Part being already made into a Meadow; and also one other Tract of Land, containing 100 Acres, a good Orchard, and other Improvements thereon, and good Conveniencies for meadowing. Any Person inclinable to purchase all, or any Part of the aboves aid Lands, Lots, or Plantations, may know the Terms by applying to me the Subscriber, who will give Attendance every Saturday at Mr. James Cary's, in Baltimore Town, till the whole is sold. THOMAS SLIGH. †

N. B. I have several small Tracts of Land to sell, as also three Lots more in Baltimore Town unimproved.

## To be SOLD,

THE mills and plantation of Nathaniel Ware, Esq; six miles above Trenton, on the river Delaware, West-Jersey. The plantation contains about 400 acres, 200 of which are cleared. The land is of easy culture, and the soil extremely natural to all sorts of grain, wheat being neither liable to be devoured by insects, nor heaved out by the frost. There are two good dwelling-houses, a large barn, cart-house, smoke house, and cooper's shop, a neat garden, with cedar pales, a young bearing orchard, and the whole under good fence. The mill-house is of stone, 60 feet in length, and 24 in breadth, is an over-shot, has two pair of stones, the bolting mill, &c. all go by water. It is well accustomed, and known to make as good work as the best mill in the Jerseys. It may also command wheat enough, and is conveniently situated for New-York and Philadelphia markets, being less than 30 miles of good waggon road from Brunswick, and boats carrying 50 or 60 casks may load at the mill-door for Philadelphia. Whoever inclines to purchase the same, either the whole or part, may apply to Capt. Thomas Clarke of New-York, or William Cleayton in Trenton, and be by them informed of the title and conditions of sale. ⊕ 5t. Tbc.

Just imported, and to be sold by JAMES CHATTIN, at the Newest Printing-Office, on the South Side of the Jersey Market.

LARGE Family Bibles, Octavo, Twelvemo, and Pocket ditto, Octavo, and 12mo Common Prayer-books, Watts's and Scotch Psalms, Dilworth's and Dyche's Spelling books, Testaments, a large Assortment of Chapmens Books, among which are, Doolittle on the Sacrament, Almost Christian, The great Affize, Divine Breathings, Token for Mourners, 12 Patriarchs, Pearse on Death, Bunyan's Holy War, Saints Pocket-book, Culey on Eternity, Bunyan's Grace abounding, Guthry's Trial of a Saving Interest, Dyer's Golden Chain, Delaunce's Plea, Shorter Catechisms, &c. Where may be had all Sorts of Blanks and Stationary as usual. Tbc 8 W. ⊙

VERY good LAMPBLACK sold at the *New-Printing-Office*.

*Lancaster, July 20, 1757.*

THIS Day was committed to Goal one William Walker, who was formerly a Servant to Matthew Rippy, but ran away from him, and inlisted, and it is supposed he has deserted from Captain Stuart's Company, in Colonel Washington's Regiment. If any Officer has any Demands against him, he is desired to come and pay his Charges, within the Space of five Weeks, or else he will be delivered to his former Master. ¶

DANIEL DARBY, Gaoler.

STRAYED or stolen from the Subscriber, on the 26th of June last, living in Leacock Township, Lancaster County, a large bay Mare, nine Years old, was hoppled with a Hair Rope, paces a little, shod before, her mane trimmed, has a short Tail, some Saddle marks, and branded 8 on the near Buttock, with a Scar on one of her Thighs by the Bite of a Dog, a little above the Ham. Whoever takes up said Mare, and secures her, so that the Owner may have her again, shall have Twenty Shillings Reward, and reasonable Charges, paid by me

¶ JOHN COOPER.

## To be SOLD, or LETT,

A PLANTATION in Passyunk Township, three Miles from Town, containing about 50 Acres of Land, 16 Acres of which is drained mowable Meadow, with a good Bank round it, and joining Hollanders Creek. The whole being under good Fence, and divided into different Pastures. There are on said Place two Dwelling houses, with a Well very convenient to each, two Barns, a Stable, Cow house, &c. a Flower Garden, a large Kitchen Garden, with a great many Fruit Trees of various Sorts, and a young bearing Orchard. Also a Parcel of Cows, Horses, &c. and a great Variety of Utensils, necessary for a Plantation. For Terms, enquire of Joseph Sims, below the Drawbridge.

Philadelphia, August 4, 1757. ¶

CAME to the Plantation of Joseph Lochlan, in Lower Dublin Township, Philadelphia County, about the 24th of June last, a bay Mare, about fourteen Hands high. The Owner is desired to describe her other Marks, pay Charges, and take her away. JOSEPH LOCHLAN. §

*Philadelphia, July 26, 1757.*

BY Virtue of a Writ to me directed, on Monday, the 22d of August next, about three a Clock in the Afternoon, at the House of Thomas Harper, in Kensington, will be exposed to Sale, by publick Vendue, two Tenements and Lots of Ground, situated in Hanover Street, in Kensington aforesaid, each Lot containing 50 Feet front, and 435 Feet in Depth. And also one other Lot of Ground on Germantown Road, being 55 Feet front, and containing 36 Perches and a Half, unimproved, late Part of the Land of John Rigley, and late the Estate of Thomas Hill, seized and taken in Execution by JAMES COULTAS, Sheriff.

Philadelphia, July 26, 1757.

BY Virtue of a Writ to me directed, on Tuesday, the 23d Day of August next, about three a Clock in the Afternoon, on the Premises, will be exposed to Sale, by publick Vendue, the Lease of two Tenements, and Lot of Ground, for eleven Years and upwards, situated in Front-street, in the City of Philadelphia, the Corner House on an Alley, commonly called M'Combe's Alley, subject to a Groundrent of Fifty Shillings per Annum, late the Estate of Edward Williams, seized and taken in Execution by JAMES COULTAS, Sheriff.

*Philadelphia, April 25 1757.*

PROPOSALS for Printing by Subscription,

EIGHTEEN Sermons, adapted to the present dangerous and distressing Circumstances of our Country and Nation; lately preached in the City of Philadelphia by the Reverend *Gilbert Tennent*, upon the following important Subjects, viz.

*Man's Disease*, in a Discourse upon original Sin, from Rom 5. 12. wherein the Point is largely handled, and Objections against it answered.

*The Remedy set forth*, in a Sermon upon the Wisdom of God, in the Redemption of Man by Jesus Christ, from 1 Cor. 1. 23. 24.

*Early Religion recommended*, in two Sermons to young People and Children, from Prov. 8. 17.

*The Nature and Necessity of Conviction and Conversion, explained and urged*; by a great Variety of expostulatory Arguments, together with a Representation of the Attainments Persons may have, without this gracious Change, and Directions how to obtain it; and likewise the indispensable Necessity of a general Reformation of Manners, to save our Country and Nation from impending Ruin, demonstrated; from Ezek. 33. 11. in ten Sermons.

*The amazing Riches of the Grace of Christ; together with the Nature and Importance of Faith in him, and the Evil and Danger of its contrary, Unbelief*; represented in a Sermon from Rev. 22. 17.

*God's gracious Invitation to Backsliders*; or *the Nature, Kinds, Causes, and Consequences of Backsliding in Religion*, considered, in a Sermon from Jer. 3. 22.

*The Backslider's Return to his first Husband*, in a Sermon from Hos. 2. 6, 7. wherein the gracious Design of God in Afflictions, the Evidences of their Sanctification, and likewise of Espousals to Christ, and his Character as a Husband, are considered, and the Happiness of Nearness to him set in Contrast with the Miseries of his Absence.

*Pious and magnanimous Singularity*, in a Sermon from Matt. 5. 46, 47. shewing wherein, and why, religious People should exceed others.

The aforesaid Sermons, computed to contain 35 Sheets, or 560 Pages, are to be printed in a good Character, of a middling Size, and neatly bound in Calf skin, gilt and lettered, Octavo large; the Price of each Volume is Seven Shillings and Sixpence, Pennsylvania Currency; one Half of which is to be paid at the Time of Subscription, and the other when the Books are delivered. Every Subscriber for six or more Books, shall have one gratis. The Subscribers Names to be printed in the Volume, which is now ready for the Press, and will be immediately begun, and finished with all Expedition, as soon as 500 Books are subscribed for.

*August 4.* As many Subscriptions have come to hand, so that the Manuscript will soon be put into the Press, it is therefore desired, that such who have received Subscriptions, or are inclined to encourage this Design, would be pleased to transmit them to the Author with all convenient Speed, that they be not disappointed in the Impression. ¶

*Prince Town, July 29, 1757.*

## To be SOLD,

*By the Subscriber, on Monday, the 22d Day of August next, at publick Vendue, to the highest Bidder,*

THE House in which Mr. Boudinot now dwells in Princetown, standing very near to the College; together with a Kitchen, Smoak house, Stable, and other Out houses. The Dwelling-house is two Stories high, and has two commodious Rooms, and a large Entry on the lower Floor, and three good Rooms above, with a good Cellar under the whole, very convenient for a Tavern, or other publick Business. If any Person should be inclinable to purchase the Premises before the abovementioned Day, Application may be made to the said Subscriber, who is able to give an indisputable Title.

⊕ AARON BURR.

JAMES TROTTER being gone for England, all persons indebted to him, are desired to make speedy payment to Samuel M'Call senior, John Wallace, or George Smith, who are properly impowered to receive the same.

[ See the Half-sheet for the other Advertisements. ]

*August* 25, 1757. NUMB. 1496.

# The PENNSYLVANIA GAZETTE.

*Containing the Freshest Advices, Foreign and Domestick.*

LONDON, March, 1757.

*Fiat Justitia.*

IN a certain corrupt Nation, which need not be named, when the Persons entrusted with the Management of their publick Affairs, have, by a long Series of Misconduct, brought the State into the most imminent Danger; when, by raising immense Fortunes on the Ruins of the People, by long squandering away and rioting in the publick Treasure, by bartering away its Territories, by neglecting its Commerce, by forsaking its Colonies, and by a long Catalogue of other ruinous Measures, they have, at last, raised the Resentment of the People so far, that they find it impossible for them to stem the Torrent, and are therefore under dreadful Apprehensions of receiving that Punishment they so justly deserved; there hath, of late Years, been introduced a Method of deluding publick Justice, and of escaping such Punishment, by making a Kind of Compact, or Agreement, to resign their Places to others, who are, for such Consideration, not only to screen them from publick Justice, but reward them also with Titles or Pensions. That Nation, where Justice is thus deluded, and the greatest Crimes go, thus, by Compact, unpunished, must never expect to have honest and able Servants.

When Persons in Power know they may rob and plunder with Impunity; when they are assured, that whatsoever Crimes they may commit to the Publick, the worst that can befal them, is but to resign their Places to others, and they may carry off all their ill-gotten Plunder with Safety, it would, in this degenerate Age, be a Miracle to find them honest. In such a Nation, where Justice is thus deluded, where a Sort of Dispensation for committing all Kinds of Offences on the Publick, is thus delivered from Hand to Hand, how can the People, with any Colour of Reason, expect that a Change of Men should produce a Change of Measures? It is a Certainty, that nothing but executing Justice impartially will make Men honest; nor can any Thing be more absurd, than for the People to expect an honest and prudent Management of their Affairs, where the greatest Offenders are suffered to escape Punishment by such Resignation Treaties.

One compromising Scheme between those in Place, and those that would be; between those who are afraid of Punishment, and those who are ambitious of Power; by which Justice is obstructed, and the People's Interest dropt; their Cries unregarded, and their Grievances left unredressed; doth more Detriment to a Nation, than a long Series of Mal-administration. We can all remember that important Crisis in this Nation, when the Father of Corruption was hunted down, and the Hopes of the People ran high; how the House was then adjourned to give Time to such compromising Intrigue, and how it too well succeeded; how Herod and Pontius Pilate then shook Hands, and left the People destitute of Justice, and hopeless of all Relief. From that infamous Period, how hath all Patriotism and publick Spirit been ridiculed and laughed at! And how hath Corruption, unresisted, like a Deluge overflowed the Land! If therefore, in this Nation, such another Crisis should ever happen; when great Offenders should, to avoid that Punishment they have justly deserved, enter into such another compromising Scheme, the People must not, if they expect honester Men, and hope for happier Days, look upon such Resignations as any Sort of Satisfaction for such Offences, nor let any such Crimes pass unpunished, but insist on Justice.

BRITANNICUS.

---

*From the* NEW-YORK GAZETTE.

*To the* PRINTERS.

WHILE our cruel and crafty Enemy, the French, are rushing upon us from every Side, brandishing the Sword with Insolence, even within our own Territories; can we, the Posterity of those noble Heroes, who, for the Sake of Liberty, trusted themselves to the licentious Waves, endured almost innumerable Hardships, Fatigues and Dangers, in a howling Wilderness? Can we, I say, their Posterity, remain in a scandalous Inaction, while we see our Country ransacked, Wives killed, innocent Children murdered, and aged Parents destroyed, as we evidently must do, if we refuse to exert our Utmost, for the Defence of our Country? Should any one go into the Field, and there boldly sell his Life on the Bed of Honour, shall he then be forgotten? No; he shall be enrolled in the Annals of eternal Fame; his Name shall be handed down from Generation to Generation; nor shall it be obliterated, as long as the Sun, the Moon, or Stars shall continue to grace yon Canopy of Heaven: Then, can we refuse our Assistance when our Country, our Wives and Children so loudly demand it? Let us consider how nearly our Country concerns us, which if the Enemy get Possession of, yet save our Lives, we shall be doomed to perpetual Slavery, which, to an Englishman, is worse than Death! May those who are gone into the Field, be incensed at the Barbarity of the Enemy, and take the Field with an undaunted Resolution, to conquer or die. May they be brave! be strong! be courageous! And then (as they are in a good Cause) will the Lord, the God of Armies, protect and defend them, in the Day in which they shall be called to face the Enemy in the Field. Let us who remain free from the Dangers of a Camp, and for whose Defence our Heroes have marched into the Field, chearfully obey our Rulers, by deducting from our Substance, such a Part as they shall think necessary to defray the Charges of an expensive Campaign.----Finally, may we all, and every one of us, be possessed of Loyalty to our Sovereign, and Love to our Country, which always was, and now is the Characteristick of an

ENGLISHMAN.-------

---

BOSTON, *August* 8.

The following Congratulatory ADDRESS was made to His Excellency THOMAS POWNALL, Esq; on Wednesday last by a Committee appointed by the General Court, viz.

May it please your Excellency,

THE Council and House of Representatives having appointed us a Committee to pay your Excellency the Compliments of this Government upon your safe Arrival; we therefore beg Leave with the greatest Sincerity to congratulate your Excellency thereupon: And assure your Excellency, we are heartily glad to see you safe and in good Health among us, after the Fatigues of your Voyage.

To which his Excellency was pleased to return the following ANSWER.

THIS early Attention in the Council and House to the Honour of his Majesty's Commission, is a Mark of that true Loyalty which did ever distinguish this Province.

Gentlemen of the Committee,

I return you my Thanks for your kind Congratulation.

Thursday last the Ministers and Wardens of the Episcopal Churches in this Town, presented the following ADDRESS to His Excellency.

May it please your Excellency,

WE the Ministers and Wardens of the Episcopal Churches in this Town, beg Leave to congratulate your Excellency upon your safe Arrival at this your Government. With Hearts full of Gratitude and Loyalty we acknowledge his Majesty's paternal Care in your Excellency's Appointment, from whose Administration we promise ourselves a Continuance of the Happiness we enjoy'd under our late excellent Governor.

The Report of your Excellency's great Abilities, and your late indefatigable Application to inform yourself of the State and Interest of these Provinces, leave us no Room to doubt of your wise and happy Conduct of the public Affairs of this Government.

Among other Things which will fall under your Excellency's Care, we beg Leave to recommend the Interest of Religion, and the several Churches within this Province. It is our Duty, SIR, and we shall likewise make it our constant Endeavour, to cultivate a Spirit of Peace and Submission, so strongly recommended in the Gospel, and highly calculated for the Preservation and Support of Government. From a deep Sense of that Duty, we humbly beseech almighty God to bless all your Excellency's Designs and Endeavours for the Advancement of his Glory, and the Good of this Province.

To which His Excellency was pleased to return the following ANSWER.

Gentlemen,

YOUR Congratulations are extreamly obliging, and I thank you.

It shall be my Endeavour that the Hopes which you express from the kind Sentiments you are pleased to entertain of me, may not be frustrated.

My Attention to Religion will be always that which my private Duty as a Christian, and my Public as Supream Magistrate, demands of me;---and I shall always hope for that essential Support which the State receives from the Church.

On Friday last the Associated Ministers of the Congregational Churches in this Town, waited on His Excellency the Governor, and presented the following ADDRESS, viz.

May it please your Excellency,

WE the Associated Pastors of the Congregational Churches in BOSTON, wait upon your EXCELLENCY, to express our Loyalty to the KING, and all due Respect to your EXCELLENCY, as constituted by Him the Governor of this Province.

We congratulate your safe Arrival; and take Leave upon this Occasion to commend our civil and religious Rights, the Cause of Virtue, and the Interest of Literature, to your EXCELLENCY's Care and Patronage.

The common Duties of your High Station are weighty and important; and the present State of our public Affairs is critical and alarming: Permit us then, to assure your EXCELLENCY of our constant Prayers to the SUPREME RULER, that your whole Administration, animated by His Influence, and succeeded by His Blessing, may prove happy to Yourself, and auspicious to this Community.

And may your EXCELLENCY never fail to receive every becoming Testimony of Duty and Esteem, from an obliged and grateful People!

To which his Excellency was pleased to return the following ANSWER, viz.

Gentlemen,

YOUR Address is, as it ought to be, particularly agreeable to me, as it ultimately refers all Honour to His Majesty, where alone it truly resides. I thank you for your Congratulations.

Where the Spirit of Virtue and Knowledge is, there is Civil and Religious Liberty; I shall therefore always support the one, as I mean conscientiously to maintain the other.

I thank you for the Tender of your Services---Government can never fail of all due Honour, and a conscientious Obedience, from a People animated by true Religion, under the Leading of a pious and godly Ministry.

Friday last the Select-Men of the Town of BOSTON, presented the following ADDRESS to His Excellency.

May it please your Excellency,

HIS Majesty's most dutiful and loyal Subjects the Select-Men of the Town of BOSTON, pray your Excellency to accept of their sincere Congratulations, on your safe and happy Arrival to this Town and Government.

We beg Leave to express the Share we have in the general Joy which the Appointment of your Excellency to the chief Seat of Government in this Province affords this People; and to recommend to your paternal Care, the Inhabitants and Trade of this Town, on the Welfare of which, that of the Province in general so greatly depends.

We humbly rely upon your Care and Vigilance, for the Defence of our Religion and Laws, and for the Protection and Extent of our Trade and Commerce; and doubt not but every Thing on your Part will be done requisite for our Security and Happiness.

Permit us, SIR, to add our hearty Prayers, that God Almighty would guide your Excellency, and the General Assembly, into the best and wisest Measures, and give Success to all your Councils and Labours; and that the hearty Blessings of a free and happy People, may be the noble Reward of your paternal Care.

We sincerely assure your Excellency of our Own and this Town's dutiful Regards to You, and hope we shall be universally excited by Gratitude, as well as Duty, to that Conduct, which will render your Administration easy and happy.

To which his Excellency was pleased to return the following ANSWER.

Gentlemen,

THE kind Welcome of the Town of BOSTON is extreamly agreeable to me. Their good Wishes is what I always shall seek: And I thank you for their sincere Congratulations.

I shall always endeavour that an Example of Industry and Oeconomy, a Support of Trade, and a faithful Maintenance of your Rights and Liberties, may be the Characteristic of my Administration; and I will then hope for the Gratitude and Blessing of all good Men.

On Saturday last the Merchants of this Town in a Body waited upon His Excellency, and presented Him the following ADDRESS.

May it please your EXCELLENCY,

WE, Merchants and others in the Town of Boston, concerned in Trade and Navigation,, beg Leave to join the Publick Voice in congratulating your Excellency on your safe Arrival at the Seat of your Government.

The Pains your Excellency has taken to become acquainted with the State of these Colonies in general, and with their particular Circumstances and Connections, leave us no Room to doubt that the Interests of this Province will be clearly discerned by you; and as little do we doubt that these Interests will be steadily pursued.

We beg Leave, in a particular Manner, to recommend to your Patronage our Trade and Commerce, on the Prosperity of which, that of the Province in so great a Measure depends; and we flatter ourselves no Endeavours of your Excellency will be wanting to recover them from the Decay into which they are fallen.

We are sensible that, in a Time of War, Calamities and Distresses of various Kinds are inevitable, but, at the same Time, we persuade ourselves that your Excellency, as much as in you lies, will soften these Distresses, by admitting every Circumstance of Alleviation that is consistent with his Majesty's Service, and the Safety of his People.

May your Excellency's Administration be prosperous and happy; happy for yourself, and for the People over whom you are placed; and may they, (sensible of the Benefits they receive from it) to the Reverence they pay their Governor, join the Love and esteem due to their Benefactor.

To which His Excellency was pleased to return the following ANSWER.

Gentlemen.

THE respectable Body of Merchants do always give so true a Weight to the Voice of the People, that their joining in the Congratulations upon this Occasion cannot but give me a most sensible Pleasure, and demands my Thanks.

Sensible of the Benefits and Blessings arising to a Country from Trade, it is my Ambition, and will be one of the most honourable Parts of my Administration, to be, and to be known to be, a Patron of Trade, by doing every Thing in my Power to secure its Foundation, to suppport its Spirit; and to maintain it in that right Freedom by which alone it can be carried on: And when I shall be so happy as to become a Benefactor to it, I shall hope for the Esteem and Love of all concerned in it.

On Saturday last his Excellency the Governor, with a Number of his Majesty's Council, and other Gentlemen, dined at Castle-William, with Sir William Pepperrell, Baronet,

Baronet, who has the Command of the Garriſon there. His Excellency was ſaluted both at his landing and going off by a Diſcharge of the Cannon.

When the Governor entered the Caſtle, Sir William, with a very handſome Speech, delivered to his Excellency as Captain-General, the Keys of the Caſtle, which Fortreſs, as he very pertinently obſerved, was the Key of the Province.

His Excellency immediately returned the Keys to Sir William, addreſſing himſelf to him in the following ſhort but very expreſſive Reply:

"SIR, The Intereſt of the Province is in your Heart: "I ſhall therefore alway be glad to ſee the Keys of it in "your Hands."---

---

*BASSETTERRE*, in ST. KITTS, *Auguſt* 3.

The Sloop Jane, Benjamin Lightburn Maſter, which arrived here on Sunday laſt from New-York, was chaſed on the 20th ult. by a Privateer Sloop, of eight Carriage Guns, ſaid to belong to Halifax. Upon the Privateer's coming up, the Maſter of the Jane ordered his Sails to be immediately hauled down, but the Captain of the Privateer inſiſting upon their ſending their Boat on board (which Capt. Lightburn was not willing to do) he fired upon them for ſeveral Minutes, by which the Mate of the Jane was killed.

*Auguſt* 6. A Flag of Truce arrived here Yeſterday from Martineco and Guadaloupe, with a great Number of Engliſh Priſoners. The following Prizes were carried into Guadaloupe between the 16th and 31ſt ult. *viz.*

A Sloop from Boſton, Capt. Loring. A Schooner from Piſcataqua, with Lumber and Fiſh, Capt. Butler. A Sloop, Fitch, from New-London, with Horſes and Lumber. A Snow, Bray, from Guiney, with Negroes. A Brig, Ferguſon, from Ireland, with Beef, Butter and Herrings. A Snow, Deſhon, from New-London, with Lumber. A Snow, Capt. Venning, from Philadelphia, with Bread and Flour. A Schooner, Bible, from Philadelphia. A Schooner, Dehart, from New-York, with Flour and Bread. And a Schooner, Patterſon, from Salem, with Cod-fiſh and Mackrell.

The following Veſſels were carried into Martineco ſince the 12th ult. *viz.*

*July* 12. Schooner Katherine, Capt. M'Intoſh, for Antigua from Virginia, with Corn and Proviſions. 13. Brig Greyhound, Hales, from Caſco-Bay for Antigua, with Lumber. 14. Sloop Prudence, Pendleton, from Philadelphia for St. Kitts, with Beef, Pork and Flour. 15. Brig Molly, Tucker, from Virginia for Barbados, with Corn and Proviſions. 16. A Dogger from Barbados, Capt. Hubbard. 21. A Sloop from Piſcataqua for Antigua, with Lumber. 22. A Sloop, Tripp, from Rhode-Iſland for Antigua. 25. A Sloop, Beaumont, from New-London for Antigua. 26. A Sloop, Cops, from Piſcataqua; and another from St. Euſtatia. 31. A large Engliſh Ship, in Company with two French Frigates, was ſeen going into Port-Royal. She was ſaid by the French to be a 40 Gun Ship; a Privateer of 26 Guns, and a Man of War of 20; but they allowed afterwards that ſhe was neither. And ſhe is ſuppoſed to belong to Boſton. And *Auguſt* 2. A Schooner from Barbados for Salem, Captain M'Cavoy.

BOSTON, Auguſt 15.

Laſt Thurſday Captain Phillips arrived here from Halifax, which Place he left the 4th Inſtant, and by him we have Advice, that the Troops were all embarked, and the Fleet ready to ſail, and as the Wind was fair the Day after Captain Phillips came out, it is thought the Fleet took the Advantage of it, and ſailed on the deſtined Expedition.---That ſuch mighty Quantities of Proviſions, eſpecially live Stock, were brought into Halifax, that they would not pay the Freight thither; and that ſeveral of the Veſſels with Proviſions, intended to accompany the Fleet.

Captain Philips alſo informs, that a Scout of Captain Rogers's Company, had been out, and three of them being ſeparated from the reſt, at a Place called Muſcodorban-Creek, twelve of the Enemy came from the other Side of the Creek, and took and carried them off.

About a Week ago Sir William Pepperrell, and ſeveral other Gentlemen of Note, ſet out for Springfield, where a large Body of Troops are aſſembling, to be under Sir William, for the Protection of our Frontiers; or to be otherwiſe employed, as his Majeſty's Service ſhall require.

And we hear, that every Troop of Horſe in the Province, except his Excellency's Guard, is ordered to march forthwith to the Frontiers.

Extract of a Letter from Halifax, July 25.

"Arrived here Captain Phipps, in the Huzza Privateer, belonging to this Place, having taken in her Cruize a French Snow laden with Melaſſes and Bale Goods, which is not yet arrived, but hourly expected.-----July 29, arrived here a Brig from the remaining Part of the Engliſh Fleet, by whom we have Advice, that the Windſor a 60 Gun Ship, had taken a Ship bound to Canada, ſaid to be worth 50,000 l. Sterling, 30,000 l. of it in Specie.----She left the Windſor and her Prize about 8 Days ago, having alſo under her Convoy 18 Tranſports, with 2000 Highlanders on board. Auguſt 1. The Halifax Detachment, conſiſting of 700 Rank and File, embarked on board the Men of War; they are to be commanded by Colonel Lawrence, Major Murray, 7 Captains, 21 Subalterns, and are the beſt Troops belonging to this Province.---Captain Rous has the Winchelſea, and carries down Lord Loudoun: He commands the Convoy of the Troops, and has 8 Frigates: They are to follow the large Ships at ſome few Leagues Diſtance.------Auguſt 4. The Troops are all embarked, and ſail the firſt fair Wind."

Extract of a Letter from Fort-Cumberland (Chignecto) dated July 30, 1757.

"About the 20th Inſtant we ſaw a Smoak two Miles Diſtance from us, on which Lieutenant Dixon, with 30 Rangers, was ſent out to diſcover the Occaſion of it, but did not return at Night, which made us think he met with Succeſs, and had followed the Tracts of the Enemy; but after three Days paſſing, and no Sight of the Party, we ſent two Men out to diſcover, if poſſible, if there were any Number about, but ſaw nothing of either Party or them. In two or three Days after, a Party, conſiſting of 200 Regulars, and the Rangers, went out, who found a Man dead, with nine Bullets through his Body, and his right Ear cut off, and his Head cut in many Places: This is all the Account we have of the 30 Men. They were taken, as we imagine, by a large Number of Indians that were fiſhing; as our Party found a Number of Fiſh, where they were."

*NEW-YORK*, *Auguſt* 22.

FORT *William Henry*, being on the third Inſtant beſieged by a great Army of the French, was on the ninth Inſtant, after a vigorous Reſiſtance, obliged to yield to the ſuperior Force of the Enemy. Thus far is certain; but as to ſome Circumſtances attending what follows, we wait for Confirmation. What at preſent is generally received among us, as Truth, is, That the Enemy conſiſted of at leaſt Eight Thouſand Men; ſome make the Number much greater, and carry it even to Fourteen or Fifteen Thouſand: That the greateſt Part were *Regular Troops*, to theſe were added about a Thouſand *French Indians*, and that the reſt of their Army were *Canadians*. That our Garriſon conſiſted of between two and three Thouſand: That they ſuſtained the Siege till they could hold out no longer, and had burſt the greateſt Part of their Cannon, and ſpent almoſt all their Ammunition. How many of the Garriſon were loſt in the Siege, is not yet known (ſome ſay about One Hundred) nor the Number of the Enemy that were ſlain (but it is ſaid about fourteen or fifteen Hundred:) That the Fort ſubmitted upon a Capitulation, with Leave to march out with their Arms and Baggage, ſome Ammunition, one Piece of Cannon, and all the Honours of War. That the French *immediately* after the Capitulation, *moſt perfidiouſly*, let their *Indian Blood-Hounds* looſe upon our People; whereupon a few ran off with their Arms, and light Cloathing that they had upon their Backs during the Siege, and were purſued by the Indians ſix or ſeven Miles on their Way to Fort-Edward; all the reſt were deſpoiled of their Arms;----The moſt were ſtripped ſtark-naked; many were killed and ſcalped, Officers not excepted. All the Engliſh Indians and Negroes in the Garriſon were ſeized, and either captivated or ſlain. The Throats of moſt, if not all the Women, were cut, their Bellies ripped open, their Bowels torn out, and thrown upon the Faces of their *dead* or *dying* Bodies; and 'tis ſaid, that all the Women are murdered one Way or other: That the Children were taken by the Heels, and their Brains beat out againſt the Trees or Stones, and not one of them ſaved. Some of the Fugitives that reached New-York on this Day, affirm this, as what they ſaw, in the whole, or in great Part, executed before they eſcaped: The Report of ſuch Cruelty and Barbarity could hardly be believed, were we not aſſured of the horrible Maſſacre of ſeveral Hundreds of General *Braddock*'s wounded Men; of whom we hear not of one that ſurvived the Carnage; were we not *alſo* aſſured of the Murder of all the Sick and Wounded of the Garriſon at Oſwego, notwithſtanding the previous Capitulation.

'Tis certain that the Growth of the Britiſh Colonies has long been the grand Object of *French Envy*; and 'tis ſaid that their Officers have Orders from their Superiors, to check it at all Events, and to that End, to make the preſent War as bloody and deſtructive as poſſible! 'Tis evident, that all their Meaſures tend this Way. Who can tell, that One of the Two Hundred that fell into their Hands in the laſt Month near Ticonderoga, has been ſpared? And is not every News-paper ſtill ſtained with the innocent Blood of Women and Children, and of unarmed Sufferers, who were plowing their Land, or gathering in their Harveſt, on our Frontiers?

To what a Pitch of Perfidy and Cruelty is the French Nation arrived! Would not an ancient Heathen ſhudder with Horror, on hearing ſo hideous a Tale! Is it the *Moſt Chriſtian King* that could give ſuch Orders? Or could the moſt ſavage Nations ever exceed ſuch French Barbarities! Beſides this, was it ever known in the Pagan World, That Terms of Capitulation were not held inviolably ſacred.

Surely, if any Nation under the Heavens was ever provoked to the moſt rigid Severities in the Conduct of a War, it is ours!----It is hard for an Engliſhman to kill his Enemy that lies at his Feet begging his Life: But will it not be *ſtrictly juſt*, and *abſolutely neceſſary*, from henceforward, that we (for our own Security and Self-preſervation, and to prevent the further ſhedding of innocent Blood) make ſome ſevere Examples of our inhuman Enemies when they fall into our Hands? Will not our armed Men be obliged for the future to reject all Terms of Capitulation, and not to aſk Quarter; but on the contrary, to ſell their Lives as dear as they can! *Conſider of it*, my Countrymen, *take Advice, and ſpeak your Minds*. [Printed by Order.] *New-York*, *19th Auguſt*, 1757.

On Friday the 12th Inſtant, an Expreſs arrived here from Albany, with an Account of the Surrender of Fort William Henry, to a large Army of French. The ſame Day 700 Volunteers from this City alone, turned out, and next Day embarked for Albany, under the Command of Captain Jaſper Farmer, of the Artillery; Captain John Provoſt, of the Cadets; Captain James Depyſter, of the Grenadiers; and the Captains Dubois, Liſpenard, and Beekman, of the Militia. Moſt of Captain Johnſton's Troop of Horſe went up by Land. They were all ordered to return by Colonel Delancey, who met them at Eſopus. The following Letter, *&c.* is the moſt authentic Account we have yet received of the Loſs of Fort William Henry.

*Extract of a Letter from Albany, dated Auguſt* 15.

I Set out for Fort-Edward laſt Tueſday, about Ten in the Morning, and found a vaſt Number of Militia all along the Road. Three Miles on this Side the Fort I met an Expreſs, who informed me Fort William Henry had ſurrendered that Morning about 7 o'Clock. This News obliged me to ride ſmartly along, though the Night was dark, and about half an Hour after Eight, I got oppoſite the Fort, this Side the River, where I found Sir William Johnſon encamped with about 2500 of the Militia. A little before Nine, I got into the Fort, and in about ſeven Minutes Time, we were alarmed by a heavy firing of Muſquetry at the Camp over the River, on which the Ramparts, and all the Lines without, were mann'd, expecting the Place to be inveſted. About a Quarter of an Hour after, Sir William ſent Word, that their Centries had ſeen ſome Indians in the Woods, on which they fired, and that it had not been in his Power to hinder the Bulk of the Militia from doing the ſame; but that he had got them ſettled, and ſent Scouts into the Woods, to make what Diſcoveries they could. After this was over, a Gentleman gave me the following Account of the Siege and Surrender of Fort William Henry.

That a Runner had brought the Account, that in the Morning on the 9th, they held a Council of War, and finding no Succours could be expected Time enough, and they having burſt their two 32 Pounders, two 18 Pounders, two 12 Pounders, two 9 Pounders, and two Braſs Mortars, and but 17 Shells left, they concluded to hoiſt the white Flag, which Montcalm anſwered, and the General Officers met half Way between the two Camps, and agreed to the following Capitulation: That they were to march out with all the Honours of War; with Drums beating, Colours flying, with their Arms charged, a Field Piece and Match lighted; that they were to take as much Baggage as the Men could carry on their Backs, and that they were to be eſcorted by their Grenadiers, within two Miles of Fort-Edward; where we were to receive them with 500 of our Troops, and Colonel Young to remain as a Hoſtage for the ſafe Return of their Eſcort. This Day our Officers and Men ſpent in packing up their moſt valuable Effects. Next Morning General Webb ordered 500 pick'd Grenadiers to be drawn out, in order to meet our Men and the Eſcort; but at 7 o'Clock we ſaw about 30 of our People coming running down the Hill, out of the Woods, along the Road that comes from Fort William Henry, moſtly ſtripped to their Shirt and Breeches, and many without Shirts, who gave the following Account: That agreeable to the Capitulation, our Men, with their Eſcort, were drawn out in their Lines; when Montcalm called aſide our Field Officers, and ſaid, the Indians always expected and would have Plunder; and for fear of bad Conſequences, adviſed them to give their Packs to them, which they did, though with Reluctance: As ſoon as the Indians got them, they began to maſſacre all the Sick and Wounded within the Lines, and before both Armies; next they hawled all the Negroes, Mulattoes and Indian Soldiers out of the Ranks, butchering and ſcalping them; when our Men began to march, they then began without Diſtinction, ſtripped and tomahawk'd both Officers and Men, and all in the greateſt Confuſion took to their Heels; and thus thoſe that came in made their Eſcape. General Webb ordered out 500 Men to meet and cover our flying Parties. I left Fort Edward, laſt Friday at Eleven, and arrived here Yeſterday at Ten, and when I came away, ſome of our Men were ſtill dropping in. Poor Doctor Colhoun was yet amongſt the Miſſing; Colonels Monroe and Young with Williams the Engineer, and ſeveral Officers, are not yet heard of. Some that are come in ſay, they ſaw them go back and throw themſelves under the Protection of Montcalm and the Regulars; but the Lord knows what French Treachery will do. Shall we never have Revenge?

Juſt as I was coming away, the Army was drawing off to march from Fort-Edward towards the Lake; but one who left it about two Hours after, ſays, that on a ſcouting Party coming in, there were Orders to halt, on what Account we have not yet heard; but I am afraid they have demoliſhed the Fort, and are gone, for on Wedneiday we ſaw a great Smoak aſcend about that Place.

The Sail-maker eſcaped, and is here; there were 7 of our Carpenters at the Lake, ſix of which are arriv'd; one Caſſerly, a young Lad, not yet come in.

*Sunday, Half-after One.* Juſt now I have heard that Colonels Monroe and Young, with ſeveral Officers, are ſafe with Montcalm, and about 300 Men, ſeveral of whom he took from the Indians, which are all gone. Perhaps Doctor Colhoun is with them. This Town is now incloſed.---Thoſe who were made Priſoners at Fort William Henry are going to York to guard the Fort, as they, by Capitulation, are not to be employed in the Field againſt the French theſe 18 Months.

*From the Connecticut Gazette, dated Auguſt* 20, 1757.

*Extract of a Letter from Boſton, dated Auguſt* 15.

"*We are greatly chagrin'd at the Loſs of the Fort; many was a more Univerſal Concern than appears in every Countenance: 'Tis ſaid the Governor is uſing Means to raiſe a ſtrong Part of the Militia, with the Company of Cadets, to march as ſoon as poſſible.*"

A Letter from Boſton, dated Auguſt 15, ſays,

"A Veſſel arrived at Marblehead the 14th Inſtant, in forty Days from Cadiz: She tells, that the King of Pruſſia is Maſter of all Bohemia, two of his Brothers killed, and Marſhal Brown, the Auſtrian General.---The Antigallican Prize is yet detained, and the Captain of the Privateer has been obliged to abſcond, leſt he ſhould be ſhut up in Priſon.---Two French Privateers have been ſeen off the Banks of Newfoundland.---Five of the French Men of War that were lately at Louiſbourg, were ſent up the River St. Lawrence, having on board the moſt valuable Effects of the People of that Iſland, they ſuſpecting the Engliſh Deſign.

The Snow Earl of Loudoun arrived here on Saturday laſt from Jamaica: She was formerly a Privateer out of this Port under Capt. Valentine, and taken in the Weſt-Indies by two Frigates, after a long and obſtinate Engagement, but ſoon after was retaken and ſent into Jamaica. By her we learn, That Capt. Murray arrived at Kingſton the 15th of July, in 6 Weeks from London, (which brings up the 3d of June) with 160 Soldiers, and brought the following Advices, viz.----That the Right Honourable Mr. Fox, as Paymaſter General; Lord Duplin, as Chancellor of the Exchequer; Lord Halifax, as Secretary of State; and Lord Egmont, as firſt Lord of Trade and Plantations, were all confirm'd in their reſpective Offices.---That the Dunkirk and Lancaſter Men of War, of 50 Guns each, have taken a 74 Gun French Man of War, and carried her into Portſmouth.-----That the Rocheſter and Somerſet Men of War have alſo taken four large Store Ships, and a French Privateer of 26 Guns, in the Bay of Biſcay; all of whom were ſafe arrived at Portſmouth, and the Store Ships valued at 50,000l. each.----That the Antelope of 50 Guns has taken two French Merchant Ships, and a Privateer; and has alſo run on Shore a French Man of War of 46 Guns.----That his Majeſty's Ships the Eagle and Medway, of 60 Guns each, were ſeen off Plymouth with a large French 74 Gun Man of War, in tow, diſmaſted.---That Admiral Oſborne was ſail'd with 15 Line of Battle Ships for the Mediterranean.---- That Admiral Boſcawen was ſhortly to ſail from Portſmouth, with 9 Sail of three Deck Ships, on a ſecret Expedition.----

---Capt. Murray alſo confirmed the Engagement in Bohemia, wherein the King of Pruſſia has ſlain and taken Priſoners 13,000 of the Enemy.

*On Sunday Morning Captain Caron arrived here in* 13 *Days from St. Kitts, and ſays, that two other Veſſels belonging to Philadelphia beſides thoſe before mentioned, are taken by the French.*

*Captains Treney and Snook from New-York; Gale and Stacey from New-London; Babſon from Philadelphia; Wain Painter and Harvey from New Haven, are all arrived at St. Kitts.*

*There is now a Subſcription on Foot in this City for purchaſing a Number of Fire-Arms to be ready on any Emergency; and we hear there are upwards of* 1300 *already ſubſcribed for; and we make no Doubt, but a Propoſal of that Kind, which is calculated with no other View than to ſerve the Public, will meet with a generous Reception, from all thoſe whoſe Circumſtances will permit them to contribute their Mite that Way.*

New-London, Auguſt 17. *This Day arrived here a French Prize Schooner, taken by Capt. Mumford of this Port, who was himſelf lately taken. Her Cargo conſiſts of Rum, White Sugar, Coffee*

Coffee and Rolled Tobacco. She came from Martineco, and was bound to Louisbourg.

## PHILADELPHIA.

LETTER *from the* GOVERNOR *to the* COMMISSIONERS.

GENTLEMEN,

THE inclosed Papers, giving an Account of the Surrender of *Fort William-Henry*, and the Attack of *Fort-Edward*, are just come to my Hand, and I hope you will enable me to raise such a Number of Men for the Assistance of the Province of *New-York* as may be equal to their pressing Necessities, and worthy of this Government. You will be pleased to lose no Time in taking this important Affair into your Consideration, and favouring me with a speedy Answer, His Majesty's Service and your own Preservation being so immediately concerned in sending this Reinforcement. I am,

*Gentlemen, your most humble Servant,*

*August* 13, 1757. WILLIAM DENNY.

LETTER *to the* GOVERNOR *from the* COMMISSIONERS.

SIR,

IN Answer to yours, informing us of "the Surrender of "*Fort William-Henry*, and the Attack of *Fort-Edward*, "and requesting that we would enable you to raise a "Number of Men for the Assistance of *New-York*," we apprehend it would be impossible to raise in this Province, already drained of its Men by the Recruiting Service, such a Number of Soldiers as would answer the Purpose in Time, had we the Disposition of Money enough, not appropriated, and would allow ever so generous a Bounty: We therefore recommend it to your Honour to march to the Assistance of our distressed Neighbours as many of the Provincials as can be spared; and, to prevent our Frontiers from being left in a defenceless Condition, we agree to pay as many of the neighbouring Inhabitants as will supply their Places during their Absence; and, for their Inlisting, to allow them the same Bounty as is given to Persons inlisting in the Province Service for three Years. We are truly sensible of the great Danger and Distress of the Province of *New-York*, and was more in our Power we would chearfully enter into any Measure for their immediate Relief. If your Honour should think more Assistance necessary, the Assembly will meet on *Tuesday* next, to whom we doubt not you will make Application for that Purpose. We are,

*Sir, your most humble Servants,*

*August* 14, 1757. William Masters, John Hughes, John Mifflin, Joseph Galloway, Joseph Fox, John Baynton.

A MESSAGE *to the* GOVERNOR *from the* ASSEMBLY.

*May it please your* HONOUR,

WE are truly sensible of the Distress which the Province of *New-York* is under by the Invasion of a *French* Army, joined by their savage Allies, and the Danger to which His Majesty's Colonies in general are exposed; and we think it our Duty to afford them all the Assistance in our Power, under our present Circumstances, and that in the most expeditious Manner. For which Purpose we have prepared a Bill, to enable your Honour to draw out Part of the Provincial Forces, and to march them to such Parts of that Province as shall most require their Aid; and, that this Province may not in the mean time be unprovided with the necessary Defence, to impower you, by giving a Bounty, to inlist and take into immediate Pay, as many Men as will be sufficient to supply their Places until the Provincials shall return to their Stations. The Measure proposed by your Honour, we apprehend, would be attended with so much Delay, that the Assistance intended could not possibly arrive time enough to be of any Service.---The Raising of Volunteers, even for the Service of this Government, we have found by Experience to be very difficult, and requires much Time to inlist but a small Number of them, since the Province has been drained of its single Men by the King's Officers in the Recruiting Service; so much, that the present Invasion of the Colony of *New-York*, we apprehend, must be determined before they could be raised. But your Honour must be sensible, that our Frontier Inhabitants have received so little Protection from the Provincial Forces, under their present Management, that from one End of our Borders to the other they are obliged to keep Watch, for the Defence of their Lives and Properties, at their own Expence. A Number of these Men have applied to your Honour to be taken into Pay, and are willing to do all the Duties of Provincials, and, we conceive, would immediately enter as Volunteers, to defend the Frontiers, for a very small Bounty, and the Provincials might thereupon be immediately dispatched to the Relief of *New-York*. In order to do this with Expedition, we cannot avoid recommending it to you, to grant Commissions to such Men as are interested in the Defence of the Province, have an Influence with the People, in whom they have a Confidence, and under whom they are willing to serve. By this Means only, we know, from Experience, Volunteers are to be raised with Speed. In the Beginning of the *Indian* Depredations, when Officers and Men were wanted, and your Honour's Predecessor pursued this Measure, more than sufficient offered their Service without a Bounty; the same we are assured would be done on this distressing Occasion, and without this we are persuaded your Honour will not be able to raise a Number of Volunteers, either to defend the Frontiers in the Absence of the Provincials, or to march to the Assistance of the neighbouring Province: And therefore, we intreat your Honour to exert yourself on this Occasion, and to issue a Proclamation, informing the People, that such as shall provide a Company of Men shall be immediately commissioned, and, with their Companies, be taken into Pay for the Defence of our Frontiers.

But as we are sincerely disposed to give every Aid in our Power on this Occasion, if your Honour, notwithstanding what we have offered, should think you can with more Expedition raise a Number of Volunteers in this City and the adjacent Counties, we have also in the Bill enabled the Commissioners, with your Approbation, to give a large Bounty to such as shall inlist for that Purpose, and to supply them with the necessary Arms and Ammunition.

*Signed, by Order of the House,*

*August* 18, 1757. ISAAC NORRIS, Speaker.

*Since our last we have received several very different Accounts relating to the Affair of Fort William Henry; but as the following Extract is just come to hand, we give it our Readers (being the latest, we believe, from Albany) tho' it differs widely from the Intelligence under the New-York Head, and leave them to judge of the whole.*

Extract of a Letter from Albany, dated August 17.

"This Morning arrived here several Officers, which had been missing, and thought to be killed; who say, they all turned back to Montcalm, at Fort William Henry, with Colonel Monroe, who, with Colonel Young, are all safe arrived at Fort Edward, and may be expected here To-morrow, Colonel Young excepted, he being wounded. They don't think we had above ten or twelve killed after the Place was taken; but that the Indians had carried off several Prisoners, whom Montcalm engaged, upon his Honour, to return safe, as soon as he came up with them. The Fort is intirely destroyed, and all our Entrenchments filled up, but they have left their own standing. Doctor Colhoun is well; I saw a Letter from him."

From New-York we learn, that Twenty Thousand Pounds Sterling Ransom had been offered for the Windsor's Prize; and that three other Men of War came out with the Highlanders besides the Windsor.

Last Week arrived here, from South-Carolina, one Nicholas Birmingham, who informs us, That he was Passenger on board the Sloop Prince William, Captain Richard Moore, bound to this Port from Jamaica; which Sloop was taken, on the 16th of June last, off of the North-west End of Cuba, by a French Privateer, that belonged to the Mississippi; and that on the 25th of the same Month she also took a Sloop from Rhode-Island for the Bay of Honduras, Captain Robeson, off of the Havannah, and sent both Vessels to the Mississippi, with Part of the Prisoners; but that he, with some others, were put ashore at the Havannah, and from thence got to Carolina.

The Schooner Relief, Captain Haman, from North-Carolina for Antigua, was cast away going into the Harbour of St. John's.

Captain Cobourn, from Barbados, advises of the Arrival there of the Captains Rodgers, Cotton, Hardie, Warner, and Nicholson, from this Place; and that two French Privateers have been lately taken by the Blandford Man of War, and the Vessel in the Service of that Island; one of which had like to have taken the Dunbar, Captain Montgomery, of this Place, bound thither.

Monday last the Privateer Spry, Captain Bayard, fell down on a Cruize against His Majesty's Enemies.

And Yesterday the Pennsylvania Frigate, Captain Sibbald, sailed on a Cruize for the Protection of the Trade of this Province.

By a Letter dated the 20th Instant, from Bethlehem, in Northampton County, there is Advice, That within a few Days past a Mohawk discovered the Tracts of about 100 Indians, about 20 Miles from Fort-Augusta, and by their Course he imagined they were going to Schuylkill; whereupon he set out for Fort-Allen, and within six Miles of that Fort he met with some Indians, one of whom immediately went with the Intelligence the Mohawk had brought to the Fort; from whence an Indian and his Wife brought the Account to Bethlehem.

And by a Gentleman just come to Town, we hear, that six Persons were taken away by the Indians from Lancaster County on the 17th Instant.

Notice is hereby given, That if any Masters of Vessels, bound from this Port to Great-Britain, choose to go under Convoy of the Garland Man of War, Captain Arbuthnot will sail from Hampton Road, in Virginia, the 15th of next Month, if Wind and Weather will permit.

CUSTOM-HOUSE, *Philadelphia*, INWARD ENTRIES.

Sloop Lenistion, William Child, from New-York.
Sloop Polly, John Richards, from North Carolina.
Sloop Peter, Martin French, from Antigua.
Sloop Mary, William Pitt, from Bermuda.
Sloop Mary, Thomas Wood, from Ditto.
Sloop Mary Ann, Samuel Spofforth, from Ditto.
Schooner Mary, Cleland Clarke, from Barbados.
Schooner King of Prussia, Gregory Carty, from St. Christophers.
Ship Brilliant, Richard Seaman, from Ditto.
Ship Philadelphia, Robert Ferguson, from Halifax.
Ship Earl of Holderneſſe, William Gardner, from Ditto.
Ship Lovely, Thomas Grant, from Ditto.
Ship Ann and Elizabeth, Samuel Chancellor, from Ditto.
Snow Industry, Samuel Nuttle, from Ditto.
Snow Oliver Cromwell's Prize, Bartholomew Fabre, from Ditto.
Brig Indian King, John Ford, from Ditto.
Brig Charlotte, Martin Boyce, from Newfoundland.
Brig Manchester, Joseph Lightbourne, from Bermuda.
Brig Hannah, James Cobourn, from Barbados.

OUTWARDS.

Sloop Thomas, Thomas Morton, for Boston.
Sloop Patty, John M'Clelland, for Antigua.
Sloop Lenistion, William Child, for North-Carolina.
Sloop Dart, Perient Trott, for Barbados.
Sloop Mary, Henry Hodge, for Anguilla.
Ship Earl of Holderneſſe, William Gardner, for Halifax.
Brig Sally, Robert Patterson, for Antigua.
Brig Charlotte, Martin Boyce, for Newfoundland.
Snow Industry, Samuel Nuttle, for Liverpool.
Snow Charming Polly, Henry Dougherty, for St. Christophers.
Snow Oliver Cromwell's Prize Bartholomew Fabre, for Ditto.

CLEARED.

Brig Sally, Richard Taylor, to Newfoundland.
Snow Recovery, John Reed, to Ditto.
Sloop Patty, James Haydon, to Halifax.
Sloop St. Andrew, Thomas Hatton, to Newfoundland.
Sloop Thomas, Thomas Morton, to Boston.
Sloop Walter, William Price, to Maryland.
Sloop Patty, John M'Clelland, to Antigua.
Sloop Catherine, Jonathan Robinson, to New-York.
Sloop Polly, John Powntney, to New-York.
Sloop Indian Queen, Ricloff Albertson, to Ditto.


*Lately published in New-York, and to be sold by* W. DUNLAP' *at the Post-Office in Philadelphia* (Price Five Shillings.)

A MEMORIAL, containing a summary View of FACTS, with their *Authorities*. In Answer to the *Observations* sent by the *English Ministry* to the Courts of *Europe*. Translated from the *French*.

*ALSO (Price One Shilling.)*

PROCEEDINGS and TREATY with the *Shawanese, Nanticoke*, and *Mohikander INDIANS*, living at *Otsiningo*, on one of the West Branches of the *Susquehannah* River. Negotiated at *Fort Johnson*, in the County of *Albany*, in the Province of *New York*; by the Honourable Sir *William Johnson*, Bart. &c. Published by Order of his Excellency the Right Honourable JOHN Earl of LOUDOUN, Commander in Chief of all His Majesty's Forces in *North-America*, &c.

*Just published, and sold by* JAMES CHATTIN, *at the Newest Printing-Office, and by* HUGH HODGE, *and* WILLIAM FALKNER, *near the Market, Philadelphia* (Price Four-pence)

SERIOUS REFLECTIONS on the TIMES. A POEM. By a Minister of the Gospel. ¶

CAME to the Plantation of George Kreebel, in Lower Salfort Township, on Skippack, the second of June last, a black pacing Mare Colt; has white Feet behind, and no Brand-mark. The Owner is desired to come and prove his Property, pay Charges, and take her away. GEORGE KREEBEL. ¶

*Queen Anne's County, Maryland, August* 15, 1757.

ON the Fifteenth of next Month, at the House of James Porter, in Chester-Town, in Maryland, will be sold or lett to the highest Bidder (who will be put in immediate Possession thereof) by the Subscriber, living in Queen Anne's County, Maryland, a Parcel of Land, lying on Chester River, in Kent County, in the Province aforesaid, known by the Name of Old Town, containing 200 Acres, or upwards, with good Buildings and Improvements. CHARLES BROWNE. ¶

*Chester County, August* 20, 1757.

PUBLICK Notice is hereby given, that on the 25th of June last was committed to Chester Goal a certain William Saunders, on Suspicion of having committed a Rape and Robbery on a poor dumb Woman (her Name not known.) Said Saunders says he was a Soldier in the Virginia Troops, and that he received a Shot in his Left-hand, which occasioned the Loss of it; and that since he lost his Hand he has followed Peddling. There was found on him, at the Time of his Commitment, some broken Silver, about the Weight of four Dollars, or upwards, which appears to have been Part of a Salver or Can, and it is supposed he has stolen the same. There is the English Sterling Stamp on one Piece of the Silver, and the Letter M, with G S thought to be two Letters of the Maker's Name. Whoever owns the said Silver, is desired to appear at Chester the last Tuesday of this Month and on proving their Property, and paying the Charge of this Advertisement, they may have it again. ISAAC DAVIS. ¶

To be SOLD,

A LIKELY young Negroe Wench, that has had the Small-pox, fit for Town or Country Business. Enquire at the New Printing Office. ¶

*To be SOLD,*

A CERTAIN Brick Messuage or Tenement, with a Brick Kitchen, and a Lot or Piece of Ground thereunto belonging, situated in Gilbert's Alley, containing in Breadth on the said Alley 15 Feet, and in Depth 48 Feet and a Half, bounded on the East with Land late of Arthur Wells, on the South with a House and Lot of Richard Hall, on the West with Ground late of Thomas Wells, about 200 Feet from second street, and on the North with the said Alley. Any Person inclining to purchase the same, may apply to Thomas Say, in Second-street, a little above the Sign of the George, and know the Terms of Sale. ¶

Just imported in the Brig Peggy from Liverpool, and to be sold by

HUMPHREY ROBINSON,

At his Store in Front-street, a little below Arch street, and opposite Mr. William Callender's, very cheap for ready Money, or short Credit,

A NEAT Assortment of Manchester Goods. Also a neat Assortment of English Hats. Tfctf.

STRAY'D away from the Plantation of William Dunwody, of West-Nantmell Township, Chester County, on the 16th of May last, a young black Mare, three Years old, both paces and trots, has a Star in her Face, a little white on her hind Foot, her Mane divides about half the Length of her Neck, next to her Ears, without Brand or Ear-mark, but was rumped. Whoever takes up, gives Notice, or secures said Mare, so that the Owner may have her again, shall have Twenty Shillings reward, and reasonable Charges, paid by WILLIAM DUNWODY. ¶

TO be sold, by John Clarke, at Mr. Plumsted's upper Store, or at his Lodgings, at Mrs. Howell's, in Second-street, A sensible Creole Negroe Man, qualified to attend a Family, who can butcher and cook, is a Barber, and can beat a Drum, or work in a Field; and a young Negroe Boy.----Also good Rum and Melasses. ‡

STray'd or stolen from the Subscriber, of Germantown, Dutch School master, on the 16th of May last, a pretty large brown Cow, has some white Spots on her hind Parts, her Belly also white, has large high Horns cut off at the Ends, about three Months ago her Ears were cut shorter, was supposed to be near calving when she went away: Whoever informs the Owner where she is, so as he may have her again, or brings her to him, shall have Ten Shillings Reward, and reasonable Charges, paid by JOHN BECKER. §

Just imported, and sold by

*JAMES EDDY,*

Opposite Black-Horse-Alley, in Second street,

A LARGE assortment of blue and white stone earthen ware, Irish linens, and fine hollands, fine and coarse felt Hats, bohea tea, best raisins of the sun, linseed oil, Bristol crown window glass, 8 by 10. 11 by 9, and other larger sizes, and fine London crown glass, fit for samplers, picture frames and shellhouses, white and red lead, yellow oker, Spanish whiting, and Spanish brown, white vitriol, magnes, letherage, gold leaf, Prussia blue, vermilion, verdigrease, rozin, and allom, with sundry other goods, at the lowest Prices, for ready money.

*Philadelphia, August* 25, 1757.

For St. CHRISTOPHERS,

The SHIP *BRILLIANT*, RICHARD SEAMAN, Commander;

Mounting 16 Carriage Guns, 6 and 4 Pounders, with a sufficient Number of Hands, and will sail the first of October. For Freight or Passage, enquire of said Commander on board at Stamper's Wharff, or of Thomas Wharton at Mrs. Howell's, in Second-street.

N. B. The Captain will begin to take in Goods on Monday next.

*Just published, and to be sold at the* New-Printing-Office, *in* Market-street, (Price One Shilling)

MINUTES of CONFERENCES, held with the *INDIANS* at *Harris's Ferry* and *Lancaster*, in *March, April* and *May*, 1757.

ALSO,

*Just published, and to be sold at the New-Printing-Office, in Market-street (Price 6d.) the two following Laws, viz.*

AN ACT *for striking the Sum of* Fifty-five Thousand Pounds, *the Remainder of the Sum of* One Hundred Thousand Pounds *granted by this Assembly to the King's Use; and for making the same current within this Province. And*

*An* ACT *impowering the Governor to discharge his Part of the Operations of this Campaign, stipulated in Behalf of this Province, between his Excellency* John *Earl of* Loudoun; *and the Governors of the Southern Colonies.*

READY Money for clean LINEN RAGS, at the *New-Printing-Office*, in *Market-street, Philadelphia.*

*The MEMBERS of the*

## St. ANDREW's SOCIETY,

*ARE desired to attend their Quarterly Meeting, on Wednesday, the Thirty-first Instant, precisely at Seven a Clock in the Evening, at the Lodge, in Lodge Alley, Second-street. By Order of the President,* ALEXANDER HAMILTON *Secretary.*

*Philadelphia, August 4, 1757.*

BY Virtue of a Writ to me directed, on Monday, the 29th Day of August instant, about 3 o' Clock in the Afternoon, at the House of Richard Hughes, in Lower Merion, will be exposed to Sale, by publick Vendue, 100 Acres of Land, situate in Lower Merion aforesaid, adjoining Land of Robert Jones; late the Estate of Abraham Musgrove: Seized and taken in Execution by JAMES COULTAS, Sheriff.

*August 8, 1757.*

BY Virtue of a Writ to me directed, will be exposed to Sale, by way of publick Vendue, about Twelve a Clock, on the 30th Day of this instant August, at the House of Samuel Dean, in Rockhill Township, Bucks County, a certain Messuage, Tenement, and Tract of Land, situate in the Township of Lower Milford, bounded by Land of Solomon Hoge, Robert Sherrard, Richard Roberts, and Land late belonging to Samuel Morris, containing 100 Acres, more or less, late the Estate of Thomas Christie, and taken in Execution at the Suit of William Griffitts, and Matthew Clarkson, by BENJAMIN CHAPMAN, Sheriff. ¶

*August 8, 1757.*

BY Virtue of a Writ to me directed, will be exposed to Sale, by way of publick Vendue on the 30th Day of this instant August, at the House of Samuel Dean, in Rockhill Township, Bucks County, a certain Messuage, Tenement and Tract of Land, situate in Lower Milford Township, bounded by Land of Samuel Morris, Elisha Parker, John Edwards, Thomas Roberts, and Joseph Philips, containing 49 Acres, more or less, late the Estate of Thomas Christie, and taken in Execution at the Suit of Jonathan Mifflin, by BENJAMIN CHAPMAN, Sheriff. ¶

*TO be sold, by Thomas Kemble, the Plantation whereon he now lives, in Burlington County, West Jersey, lying on the Road that goes from Burlington to Mountholly, about four Miles from the former, and three from the latter, containing about 460 Acres of good Land, about 150 Acres of which has been plowed for some Time; also about 50 Acres of good Meadow, which has been mowed some Time, and 40 more may be easily made; all the rest of the said Tract is well timbered; there is on said Place a good large Dwelling-house and Kitchen, with a good Well at the Door, a large Barn, and sundry other Buildings, with three good bearing Orchards, containing between 4 and 500 Trees; also another young Orchard, containing 500 Trees, which is beginning to bear: Said Place is exceedingly well watered, and lies within two Miles of Ancocus Creek, from which any Flat or Boat may go to Philadelphia. Any Person inclining to purchase said Plantation may apply to the Subscriber, where they may know the Conditions, which will be very easy for the most Part of the Money, that the said Place may be sold for.* THOMAS KEMBLE. **3 Ms.*

SAMUEL *and* SAMUEL PURVIANCE,

BEING removed from Water-street to Front-street, have opened a Store a few Doors above the Draw-bridge, directly opposite Jonathan and John Mifflin's Store, and have to sell, imported in the last Ships from London, Bristol and Ireland, A Variety of European and India Goods, suitable for the Season, for ready Money, or the usual Credit. Also Rum, Sugar, Melasses, Nails, &c. &c. ¶

Just imported in the Royal American, Capt. Tillet, from London, and to be sold cheap, for Cash or short Credit, by

## JAMES STEVENSON,

At the Corner of Second and Walnut-streets,

A LARGE Assortment of scarlet, blue and Cloth coloured fine, super, and superfine Broadcloths, Rattinets, Shaloons, Saggathies, and other Goods. 5 W.

STRAYED or stolen, on the 31st of July past, from the Subscriber, living in Christiana Hundred, in New-Castle County, a likely bay Horse, near 14 Hands high, six Years old, with a black Mane, and switch Tail, the Mane hangs on the near Side, is a natural Pacer, has been used to the Shafts of a Cart, is well limb'd, and has a large thick Head, but neither Brand nor Ear-mark. Whoever takes up said Horse, and secures him, so that the Owner may have him again, shall Twenty Shillings Reward, and reasonable Charges, paid by ‡ JOSEPH NICHOLLS.

N. B. There was left near the Place a dark brown Mare, with a Blaze in her Face, and has two white Feet, which yet remains in the Neighbourhood. ¶

*Trenton, August 5, 1757.*

TO be sold by Way of publick Vendue, on Friday the 16th Day of September next, a good House and Lot in Potter's Town, in the County of Hunterdon, the House has four Rooms on a Floor, with a good Cellar under it; the Lot contains about Half an Acre of Land; the said House is well adapted for a Tavern or Merchant, and stands upon a very publick Road, leading to and from the several Forges and Furnaces in Hunterdon and Morris Counties, to New-Brunswick, and the Landing. Also three Feather-beds, and sundry other Houshold Goods. The Vendue to be held on the Premises, where the Conditions of Sale will be known. The abovementioned Premises taken in Execution, and to be sold by * MOORE FURMAN, Sheriff.

## To be SOLD,

A Very valuable Plantation, situated in Blockley Township, containing about 100 Acres, about four Miles and a Half from Philadelphia, lying on the great Road leading to Lancaster, adjoining Lands of William and Isaac Warner, Isaac Kite, and David George, with a Dwelling-house and Barn thereon, about forty Acres of good Woodland, the rest being cleared, and extraordinary good Meadow, with a constant Stream of Water running through it, and a Ditch that waters it in the driest Season, and a good deal more may be made with very little Expence. For Terms, enquire of Thomas Williams in Second-street, near the Market, or Jacob Heston, in Maxfield Township, Bucks County. ¶

*Philadelphia, August 11, 1757.*

*WHEREAS all Persons indebted to the Estate of Captain William Grant deceased, have been repeatedly desired to pay the same, and many have neglected to comply with said Request; the Executors are now obliged to give Notice to every one so indebted (as if particularly named) that unless they make immediate Payment, they may expect to be sued without further Notice.*

*N. B. The Goods remaining in the Store, will be sold cheap for ready Money.* MARY GRANT, SAMUEL SMITH, THOMAS BOURNE, JOHN WALLACE.

## To be SOLD,

A NEGROE Man, about thirty Years of Age, has had the Small-pox, was bred to Country Business, and particularly to driving a Team, which he can do extraordinary well. Enquire at the New-Printing-Office. ⊕

*Chester, August 8, 1757.*

BY Virtue of a Writ to me directed, will be exposed to Sale by Way of publick Vendue, on the 26th Day of this instant August, about Ten a Clock in the Forenoon, on the Premises, a certain Messuage and Plantation or Tract of Land, situated in the Township of West Fallowfield, bounded by the Lands of Andrew Moore, James Miller, and the Lands late William Rankin's, containing, by Computation, about 100 Acres; late the Estate of Stephen Hayes. Seized and taken in Execution by JOHN FAIRLAMB, Sheriff. ‖

*Chester, August 8, 1757.*

BY Virtue of a Writ to me directed, will be exposed to Sale, by Way of publick Vendue, on the 26th Day of this instant August, about Two a Clock in the Afternoon, on the Premises, a certain Messuage, Plantation, and Tract of Land, situated in the Township of West Fallowfield, bounded by Lands of Richard Lee, Nathan Cherry, and Lands late Stephen Hayes's, containing, by Computation, about 145 Acres; late the Property of William Rankin. Seized and taken in Execution by ⊙ JOHN FAIRLAMB, Sheriff.

*Chester, August 8, 1757.*

BY Virtue of a Writ to me directed, will be exposed to Sale, by Way of publick Vendue, on the 27th Day of this instant August, about Ten a Clock in the Forenoon, on the Premises, a certain Messuage, and Parcel of Land, thereunto belonging, situated in the Township of West Marlborough, bounded by the Lands of John Chadds, John Hannum, and the Lands late of William Hamilton deceased, containing, by Computation, about three Acres and a Half, late the Property of James Parry. Seized and taken in Execution by JOHN FAIRLAMB, Sheriff.

N. B. The above Premises are commodiously situated on a publick Road, leading from Lancaster to Wilmington, whereon there hath long been, and now is kept, a Tavern or House of publick Entertainment. ¶

*August 4, 1757.*

BY Virtue of a Writ to me directed, will be exposed to Sale, by way of publick Vendue, on the 29th Day of this instant August, about Two a Clock in the Afternoon, on the Premises, a Tract of Land, containing about 186 Acres, on which there is a Grist-mill, with one Pair of Stones, standing on Durham Creek, remarkable for being a constant Stream of Water, about one Mile from Durham Iron-works, in Bucks County, late the Property of Henry Ott, seized and taken in Execution by ¶ BENJAMIN CHAPMAN, Sheriff.

*Philadelphia, August 8, 1757.*

PETER PATTRIDGE, *Screen Maker,*

HAS removed from the Sign of the Half-moon, in Market-street, to the Bull's Head, on the opposite Side of the Way; where he continues to make Wheat, Flax, Fan and Shew Screens; as also all Kinds of Wire work, as usual. †

Just imported from London, in the Ship Betty Sally, Captain Snead, and to be sold by

## *WILLIAM WEST,*

At his Store, the next Door to Mr. Samuel Neave's, in Water-street,

A LARGE assortment of scarlet, blue, green and cloth coloured fine, super and superfine broadcloths, rattinets and shaloons, tammies, durants, camblets, calimancoes and worsted damasks, ozenbrigs, cotton and linen checks, calicoes, cambricks and lawns, muslins, black taffeties, cotton romals, lungee and new silk romals, buckram, buttons and mohair, mens and womens worsted hose, mens brown and white thread ditto, ribbons and firrets, silk, thread and cotton laces, bobbins and tape, writing paper, sewing silks, white and coloured threads, fine worsted bindings, pepper, nutmegs, cinnamon, cloves and mace, and a large assortment of cutlary, haberdashery, and other goods, too tedious to mention.

Tbctf.

August 8, 1757.

WHEREAS some time in the Month of March past, two Men, who said they lived at Lancaster, in the Province of Pennsylvania, came on Horseback, with Packs of Linen and some other dry Goods, to Princetown, in the Province of New-Jersey, and offering to pass several Ten Shilling Bills of Credit, of the Pennsylvania Impression, to Persons in the said Town, the said Bills were suspected to be Counterfeit, and the Subscriber hereof (a Magistrate of the County of Somerset) was thereupon applied to, who on inspecting the said Bills did judge that they were Counterfeit, and thereupon enquired of the said Men how they became possessed of the said Bills, they informed the said Magistrate that they had received them of a Person in Trenton, and requested to have the Liberty of going to the said Person at Trenton, in order to shew their Innocency in the Matter; the said Magistrate refused them that Liberty, until they offered to leave their Packs (which appeared valuable) as a Pledge for their safe Return. The said Packs being thus put in the Possession of the said Magistrate, the said two Men went off, under Pretence of going to Trenton, and returning immediately, but to this Day have never returned; the said Magistrate therefore thinks it proper to make this Advertisement as publick as may be, as well to find out such Enemies to the Government as the Counterfeiters of Money are, as to inform all Persons whom it may in any wise concern, that the said Packs of Linen, &c. unless they be properly redeemed, will on Thursday, the first Day of September next, at Princetown, be sold by publick Vendue, and, after paying the Charge of this Advertisement, and Sale, the Surplus of the Money arising therefrom will be put in the Hands of the Overseers of the Poor of the Western Precinct of the County of Somerset.

‡ JOHN STOCKTON.

## To be SOLD,

A Tract of Land in Passyunk Township, between the Lower Ferry and Philadelphia, bounded on the North East by Land of Mr. Sobers, and on the North West by the River Schuylkill, containing about 50 Acres; it is pleasantly situated for a Gentleman's Seat, the Lower Ferry Road running through the Middle of it, about one Quarter thereof Woodland, the Remainder enclosed in Fence, and good Pasture Ground. The Title is indisputable. For Terms of Sale, apply to Mr. George Gray, at the Lower Ferry, or Andrew Tranberg, in Wilmington.

N. B. It may be sold in two Parts, as may best suit the Purchaser. ‡

To be sold by

## *JOHN LEACOCK, Goldsmith,*

At the Sign of the Cup, in Front-street, Philadelphia;

VARIETY of Silver-mounted Small Swords, either chased, gadroon or fluted, or plain, neat green Silk Sword Belts, with Locks and Buckles, neat German etched Sword Blades, with large Shoulders, and half hollow Scabbards, Coral for Childrens Whistles and Bells, Crucibles, blue Pots, Chapes and Tongues, Piercing and Kneedle Files, Gold Scales and Weights, Brass Instruments, a new Invention to essay Gold, with Books of Directions. Likewise all Sorts of Gold and Silver Work as usual, at the most reasonable Rates. ♤

RUN away, on the 28th of July, from the Subscriber, living in Chestnut Level, near Susquehanna, an Irish Servant Man, named James Casego, a down looking Fellow, speaks much on the Brogue, has short black Hair, which grows low in his Forehead, a little freckled, about 5 Feet 5 Inches high, his Legs seem much swelled near the Ankles, has never been shaved, about 20 or 21 Years of Age: Had on when he went away, an old under Jacket, with small flat white Metal Buttons, and a half worn upper Jacket, of a dark winstone, with carved white Metal Buttons, a half worn Felt Hat, old coarse Shirt and Trowsers, old Leather Breeches, and it is supposed very bad Shoes. Whoever takes up said Servant, and secures him, so that his Master may have him again, shall have Twenty Shillings Reward, if not inlisted, paid by me JOHN MITCHELL. ¶

*Philadelphia, August 11, 1757.*

WHEREAS Edey, the Wife of Isaac Anderson, of Pilesgrove, in Salem County, hath eloped from her said Husband, and for some time past hath behaved herself in a very disorderly Manner; this serves therefore to forbid all Persons from trusting her on his Account, for he will pay no Debts of her contracting from the Date hereof.

‡ ISAAC ANDERSON.

*Middletown, Monmouth County, East New Jersey, Aug. 1, 1757.*

RUN away from the Subscriber the First of January, twelve Months past, a Negroe Man, named Cato who has since his Elopment changed his Name several times: Had on when he went away, a Pair of Buckskin Breeches, fine brown Linen Shirt, a plain made whitish Camblet Coat, dark Yarn Stockings, new Shoes, and a Wool Hat. He is a stout well set Fellow, understands Husbandry in all its Parts, an excellent Hand with a Scythe in Grass or Grain, speaks English as well as if Country born, and pretends to be free. Underneath his Right-shoulder Blade he was branded in Jamaica when a Boy with the Letter PC, which are plain to be seen. He plays poorly on the Fiddle and pretends to tell Fortunes. It is supposed he has a forged Pass. Whoever secures the said Negroe, so that his Master may have him again, shall receive a Reward of FIVE POUNDS and reasonable Charges, paid by RICHARD STILLWELL. ¶

*STRAYED away from the Subscriber, living in Bethlehem Township, on the first Day of June last, a black Horse, with a small Star in his Forehead, and three white Feet, two behind, and one before, is three Years old, about fifteen Hands high, branded on the near Buttock* BM. *Whoever takes up said Horse, and brings him to Easton to Adam York, or to the Owner, shall have Forty Shillings Reward, and reasonable Charges, paid by* JACOB AMRICHT. ¶

WHEREAS ANN GREADY, Wife of JAMES GREADY, and Daughter of JAMES PURTLE, of New-London, in Chester County, with three of her Children, were carried off, on the second Day of July last, from York County by the Indians; the said James Purtle, for Encouragement of such as go out on scouting Parties, or otherwise, against the Indians, will give the Sum of FIFTY POUNDS Currency to any Person or Persons who will bring back his said Daughter Ann Gready, and her three Children, viz. Elisha Gready, ten Years of Age, Jane of six, and Mary of three Years of Age, alive, or TEN POUNDS for each of the Children, and TWENTY POUNDS for the Mother.

The. JAMES PURTLE.

## *To be SOLD or LETT,*

A PLANTATION, situate in Haverford, Chester County, about seven Miles from Philadelphia, containing 376 Acres, of which about 200 Acres cleared, 40 of which is good Meadow, in English Grass, and more may be made. The whole may be watered. A good Orchard, with 600 young Apple Trees, mostly grafted with the best Sorts of Fruit; a good Stone House, Barn, and Spring-house, and other Out-houses, all in good Repair; the Woodland well timbered, and well supplied with Springs, and a good Creek running through the same with 55 Feet Fall on the said Land, and the whole Land fenced and ditched in. Any Person inclining to purchase the said Plantation, paying one Quarter Part down, may have Credit for the other three Parts, paying Interest. For further Terms, enquire of John Wilcocks, in Philadelphia.

N. B. A Man and his Wife, the Man understanding Farming, and his Wife a Dairy, may hear of Encouragement, by applying to the said John Wilcocks.

ALL Persons indebted to the Estate of Thomas Morgan, Esq; late of Chester, deceased, by Mortgage, Bond, Specialty, Note, Book Debt, or otherwise, are desired to make speedy Payment, or they may expect to be sued: And those who have any Demands against the said Estate, are desired to bring in their Accounts, that they may be settled by

JOSEPH ASHBRIDGE, and JOHN TAYLOR, Administrators. ¶

RUN away, the 31st of July last, from the Subscriber, living in Cecil County, near New London, a Servant Woman, named Jane Dagnon, is middle sized, of a swarthy Complexion, has dark brown Hair, splay Feet, stoops as she walks, speaks pretty good English, and came in with Captain Falls last June from Ireland: Had on and with her, when she went away, an old brown Camblet Gown, old quilted Petticoat, Calicoe Bed Gown, new Check Apron, two Pair of Shoes, one Pair Stockings, blue and white, two coarse Shifts, the Pattern of a Gown of light coloured Stuff, striped and checkered. Whoever takes up and secures said Servant, so as the Owner may have her again, shall have *Twenty Shillings* Reward, and reasonable Charges, paid by JOHN MACKEY. ⊕

## *FRANCIS WADE,*

That formerly lived in Water-street, has moved to Second-street, next door to Mr. Henry Flower, watch-maker, and has to sell, just imported in the last ships from London, Liverpool, and Ireland, the following goods, viz.

CROSS barred stuffs, durants, shaloons, tammies, camblets, calimancoes, thicksets, fustians; a variety of purple and white calicoes, dark ground ditto, blue, red, and white ditto; chints of different patterns; stamped cottons; a variety of yd. wd. and 7-8ths Irish linens, sheeting, princes linen, ozenbrigs, silesias, clouting diaper, striped cotton hollands, 6-qr. 5-qr. yd. and 7-8ths cotton and linen checks; Scotch kenting handkerchiefs, silk, cotton, and linen ditto; cambricks, muslins, long lawns, plain and flowered ditto; black, straw and pink coloured taffeties; sky coloured, pink, white, and black sattin peelings; mens, womens, and girls silk, cotton, thread and worsted stockings; mens, womens and girls cotton, thread and leather mittens and gloves; a variety of plain and flowered sattin, paduasoy and taffety ribbons; silk, cotton, and linen laces, sewing silk.----Rum, sugars, green and bohea tea, coffee, rice, all sorts of spices and sundry other goods, too tedious to mention. Such as are pleased to favour the said Wade with their custom, may depend upon having the said goods at the lowest rates they are to be had in the city.---- And as he continues to follow the coopering business, and purchasing flaxseed, those who are pleased to apply to him for any work belonging to said branch of business, may depend upon having it done with the greatest Expedition, and in the best manner. †

*PHILADELPHIA:* Printed by B. FRANKLIN, POST-MASTER, and D. HALL, at the NEW-PRINTING-OFFICE, near the Market.